राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 20 | अंक : 02 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नई दिल्ली, गुरुवार, 25 जुलाई, 2024 | श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी, संवत् 2081

पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024

तीन स्वर्ण पदक जीत इतिहास **रच** सकते हैं भारतीय एथलीट

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

भारतवंशी कमला हैरिस के बढ़ते कदम, दो दिन में ही बदली हवा

@इंडिया&वर्ल्ड

2001 से पहले खरीदी गई प्रॉपर्टीज पर मिलता रहेगा इंडेक्सेशन का फायदा

@बिजनेस&वेल्थ

थम गई रफ्तार

रूस की सबसे सुंदर बाइकर की हादसे में मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मॉस्को. रूस की सबसे सुंदर बाइक राइडर महिला के रूप में चर्चित तात्याना ओजोलिना (38) की तुर्की में सड़क हादसे में मौत हो गई। उसने बाइक पर कंट्रोल खो दिया था, जिससे यह ट्रक से टकरा गई। ओजोलिना लाल रंग की बीएमडब्ल्यू बाइक चला रही थी। इस पर तुर्की बाइक राइडर ओनूर ओबुत भी सवार थी। उसे गंभीर चोटें आई हैं। ओजोलिना सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय थी। उसके 80 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। वह बाइक चलाने के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती थी। उसका 13 साल का बेटा है।

न्यूज विंडो

लॉरेंस ने करवाया हमला : सलमान

मुंबई@ पत्रिका. अभिनेता सलमान खान ने अपने घर पर हुई गोलीबारी के मामले में दावा किया कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने उन्हें मारने के लिए हमला करवाया। मुंबई क्राइम ब्रांच में दर्ज कराए बयान में सलमान ने कहा, लॉरेंस बिश्नोई ने मुझे व मेरे परिवार को मारने के लिए गोलीबारी कराई। पहले भी पुलिस सलमान व अरबाज के बयान ले चुकी है।

'तीसरी बेगम' को प्रदर्शन की इजाजत

मुंबई@ पत्रिका. फिल्म 'तीसरी बेगम' के क्लाइमेक्स सीन से 'जय श्री राम' का नारा हटाने पर निर्माताओं के सहमति जताने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने फिल्म रिलीज करने की इजाजत दे दी। सेंसर बोर्ड ने इस सीन पर आपत्ति जताते हुए हटाने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ निर्माताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

विदेश यात्रा : ब्लैक मनी क्लीयरेंस जरूरी

नई दिल्ली@ पत्रिका. भारत सरकार ने देश से बाहर जाने के लिए क्लीयरेंस सर्टिफिकेट से संबंधित नियमों को कड़ा कर दिया है। 1 अक्टूबर से देश से बाहर जाने वाले लोगों के लिए ब्लैक मनी एक्ट के तहत क्लीन चिट देने वाला क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जरूरी होगा। वर्तमान में आयकर अधिकारियों का क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जरूरी होता है।

इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण

ओडिशा@ पत्रिका. डीआरडीओ ने बुधवार को बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण किया। अब्दुल कलाम द्वीप के लॉन्च पैड से पहले पृथ्वी-2 बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इसके बाद इंटरसेप्टर मिसाइल एडी-1 से पृथ्वी-2 को हवा में ही नष्ट कर दिया। परीक्षण के लिए 10,581 लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट किया था।

बजट पर चर्चा : संसद के दोनों सदनों में तीखी बहस, वॉकआउट

'भेदभाव' बना मुद्दा, विपक्ष का हंगामा

सबकी थाली खाली, सिर्फ दो में पकौड़ा और जलेबी – खरगे vs **विपक्ष ने राज्यों को कुछ नहीं देने का झूठ फैलाया – निर्मला**

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में सिर्फ दो राज्यों बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए की गई घोषणाओं के बाद विपक्ष ने अन्य राज्यों से भेदभाव को मुद्दा बना दिया है। संसद के दोनों सदनों में बुधवार को इस मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में बजट को जनविरोधी बताते हुए प्रदर्शन भी किया।

कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट में किसी राज्य को कुछ नहीं मिला। सबकी थाली खाली और दो की थाली में पकौड़ा और जलेबी। इसके जवाब में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यदि भाषण में किसी विशेष राज्य का नाम नहीं लिया तो क्या इसका मतलब यह है कि भारत सरकार के कार्यक्रम इन राज्यों में नहीं जाते हैं। कांग्रेस ने झूठ फैलाया है कि हमारे राज्यों को कुछ नहीं दिया गया। इस पर विपक्ष ने हंगामा करते हुए वॉकआउट कर दिया।

राज्यसभा में प्रतिदिन स्थगन प्रस्ताव लगाने को सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गंभीर माना। धनखड़ ने कहा कि यह दलों के आत्मावलोकन का समय है।

शेष@पेज 10

संबंधित@इंडिया&वर्ल्ड

व्यवधान को हथियार बनाना खतरनाक : धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा से विपक्ष के वॉक आउट पर कहा कि यदि ***व्यवधान और गड़बड़ी को राजनीतिक रणनीति के रूप में हथियार बनाया गया तो लोकतंत्र गंभीर रूप से खतरे में पड़ जाएगा।*** नियम 267 पर सभी दलों को विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि, यह सदन की प्रत्येक बैठक में एक नियमित दैनिक मामला बनता जा रहा है। पिछले 36 वर्षों में इस तंत्र को केवल छह अवसरों पर ही अनुमति दी गई है। केवल असाधारण परिस्थितियों में ही इसकी अनुमति दी जा सकती है।

संसद में प्रदर्शन 'यह देश का नहीं, एनडीए का बजट'

संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके समेत सभी दलों के सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों ने बजट को देश का नहीं, एनडीए का बताया और कहा कि राज्यों का हक मिलना ही चाहिए। विपक्ष ने इनकम टैक्स में बदलाव को मामूली करार देते हुए इसे मिडिल क्लास विरोधी बताया। प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस के अध्यक्ष खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई अन्य सांसद शामिल थे।

'भूल गए को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म' : लोकसभा में बजट पर बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने की। शैलजा ने कहा कि हमारी सरकार थी, तब नरेंद्र मोदीजी एनडीएमसी की मीटिंग में आते थे। वे कोऑपरेटिव फेडरलिज्म की बात करते थे। अब तो एनडीएमसी भी नहीं रहा। शायद ये दो शब्द मोदी और भाजपा भूल गई है।

हौसले की सीमा नहीं : पैरालंपिक खिलाड़ी ने रचा इतिहास

पेरिस. हौसले की कोई सीमा नहीं होती। फ्रांस के पैरालंपिक टेनिस खिलाड़ी केविन पिएटे (36) ने ओलंपिक मशाल के साथ मार्च करके इतिहास में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया। एक सड़क दुर्घटना ने 11 साल की उम्र में पिएटे से उनके चलने-फिरने की क्षमता छीन ली थी लेकिन, उनका हौसला नहीं छीन सकी। व्हील चेयर तो उनका हमेशा का साथी है, कभी-कभी गियर वाले हाइटेक रोबोटिक 'एक्सोस्केलेटन' पहनकर वह न सिर्फ चल लेते हैं बल्कि सीढ़ियां भी चढ़ सकते हैं।

फ्रांस के पैरालंपिक खिलाड़ी केविन पिएटे ओलंपिक मशाल के साथ। उनका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, इसे 20 लाख बार से ज्यादा देखा जा चुका था।

सुप्रीम कोर्ट : किसानों की मांगों को लेकर गठित होगी समिति

शंभू बॉर्डर को खोलने के आदेश पर लगाई रोक, यथास्थिति बनी रहेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने अंबाला के पास हरियाणा-पंजाब सीमा (नेशनल हाईवे-1) पर शंभू बॉर्डर खोलने के पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए। बॉर्डर पर सैकड़ों किसान एमएसपी सहित कई मांगों के समर्थन में 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। वह दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे हैं।

शीर्ष अदालत पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को एक सप्ताह में शंभू बॉर्डर से बैरिकेड्स हटाने का आदेश दिया था। बॉर्डर 24 जुलाई तक खोला जाना था, लेकिन हरियाणा सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। जस्टिस सूर्यकांत की तीन सदस्यीय पीठ ने शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों का समाधान तलाशने के लिए स्वतंत्र समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया।

शेष@पेज 10

किसान प्रतिनिधियों की राहुल से वार्ता

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन में किसान नेताओं से मुलाकात की। किसान नेताओं ने उनसे एमएसपी पर प्राइवेट मेंबर बिल लाने की मांग की। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, हमने आकलन किया है, एमएसपी की गारंटी को लागू किया जा सकता है। हम इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करेंगे और सरकार पर दबाव डालेंगे कि देश के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

सावधान : सीडीएससीओ की रिपोर्ट में खुलासा

भारत के 100 से ज्यादा कफ सिरप क्वालिटी टेस्ट में फेल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश की फार्मा कंपनियों के करीब 100 कफ सिरप क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) की रिपोर्ट के मुताबिक गांबिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदारी बताए गए खांसी के सिरप में जो टॉक्सिन मौजूद थी, वही इन सिरप में भी पाई गई। रिपोर्ट में बताया गया कि डाइएथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) और एथिलीन ग्राइकोल (ईजी) पाए जाने के कारण 100 कंपनियों के कफ सिरप को 'मानक गुणवत्ता के नहीं' (एनएसक्यू) की श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी गई है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक डीईजी/ईजी, माइक्रोबायोलॉजिकल ग्रोथ, पीएच वॉल्यूम के आधार पर इन कफ सिरप को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया। सीडीएससीओ ने दवाओं के 7,087 बैच की जांच की। इनमें से 353 को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया। राज्यों के स्टेट ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की मदद से देशभर में कफ सिरप बनाने वाली यूनिट्स की जांच की गई। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआइ) ने राज्यों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा है कि एक्सपोर्ट के लिए बनाई जा रही कफ सिरप की जांच की जाए। कफ सिरप के निर्यातकों को भी निर्देश दिया गया कि दवा विदेश भेजने से पहले सरकारी लैब में टेस्ट कराया जाए।

डीईजी-ईजी की ज्यादा मात्रा से दवा भी जहर

डीईजी और ईजी केमिकल की निश्चित मात्रा खांसी के सिरप में मिलाई जा सकती है। ज्यादा मात्रा होने पर सिरप जहरीला हो जाता है। दो साल पहले दक्षिण अफ्रीकी देश गांबिया में भारतीय कफ सिरप के कारण बच्चों की किडनी फेल हुई। करीब 70 बच्चों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत के कफ सिरप पर सवाल उठाए थे।

नापाक मंसूबे : कुपवाड़ा में रातभर चली मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर में 24 घंटे में दो जवान शहीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मंगलवार रातभर चली मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और एक जवान शहीद हो गया। इससे पहले मंगलवार को पुंछ में मुठभेड़ में लांस नायक सुभाष कुमार शहीद हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सेना व पुलिस ने आतंकी गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद कुपवाड़ा के लोलाब में अभियान शुरू किया था। श्रीनगर की चिनार कोर ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में नॉन कमीशंड ऑफिसर दिलावर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मारे गए आतंकी की शिनाख्त नहीं हुई है।

इस महीने 8 हमलों में 13 जवान खोए

जम्मू-कश्मीर में इस माह 8 आतंकी हमलों में 13 जवान शहीद हो चुके हैं, जबकि अलग-अलग मुठभेड़ में 12 आतंकी मारे गए। ज्यादातर हमले जम्मू क्षेत्र में हुए। सीमा पार से घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी से लगे इलाकों में निगरानी और बढ़ा दी है।

नेपाल में विमान क्रैश : पायलट को छोड़ सभी 18 यात्री मरे

काठमांडू में बुधवार को क्रैश हुआ विमान और हादसे में घायल पायलट।

काठमांडू. नेपाल में काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह विमान हादसे में पायलट को छोड़ सभी 18 यात्रियों की मौत हो गई। निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान उड़ान भरने के बाद रनवे पर ही क्रैश हो गया। इसमें 19 लोग सवार थे। विमान पोखरा जा रहा था। जलते विमान के मलबे से पायलट को निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी लोग एयरलाइन कंपनी के कर्मचारी थे।

-हादसों की वजह क्यों बनते हैं टेबलटॉप रन-वे @इंडिया&वर्ल्ड

लामा 3.1 : ज्यादा रीजनिंग उपलब्ध कराएगा

सबसे बड़ा एआइ मॉडल लाया मेटा, जीपीटी को देगा टक्कर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने अपना सबसे एडवांस और सबसे बड़ा एआइ मॉडल लामा 3.1 लॉन्च किया है। मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि यह ओपन सोर्स मॉडल है। इसका मुकाबला जीपीटी-4, जीपीटी-4ओ और क्लाउड 3.5 सॉनेट जैसे मॉडल के साथ होगा। यह मॉडल सफल रहा तो मेटा इस साल के अंत तक दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला एआइ असिस्टेंट होगा। उन्होंने कहा कि यह एआइ मॉडल जल्द ज्यादा से ज्यादा देशों में उलपब्ध कराया जाएगा।

जुकरबर्ग के मुताबिक मेटा का नया एआइ मॉडल पहले के मॉडल के मुकाबले अधिक भाषाओं को सपोर्ट करता है। इसके अलावा यह ज्यादा रीजनिंग उपलब्ध करा पाएगा। नए मॉडल में नया एआइ फीचर जोड़ा गया है। इसकी मदद से इमेज भी बनाई जा सकेगी। इस अल्ट्रा-फास्ट मॉडल को कहीं भी रन किया जा सकेगा। लोगों को सवालों का सटीक जवाब मिल सकेगा।

जुगरबर्ग का बड़े बदलाव का दावा

जुकरबर्ग ने दावा किया कि लामा 3.1 से दुनिया में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इसकी मदद से रचनात्मकता व उत्पादकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मानव जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। इससे भविष्य में नवाचारों को बढ़ावा देने, स्टार्टअप शुरू करने में मदद मिलेगी। सीमित संसाधन वाले देशों के लोग लाभ उठा सकेंगे। ओपन सोर्स मॉडल होने के कारण लामा 3.1 को लाइसेंस से वाणिज्यिक या गैर-वाणिज्यिक रूप में कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

ट्रेंडिंग न्यूज

झारखंड

भाजपा विधायक के खिलाफ एफआइआर

रांची@ पत्रिका. झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही पर एससी/एसटी एक्ट में एफआइआर दर्ज की गई है। झामुमो कार्यकर्ता राजेंद्र उरांव ने आरोप लगाया कि शाही ने सोरेन के आदिवासी होने पर अपमानजनक टिप्पणी की।

निर्वाचन

नीता अंबानी फिर बनी आइओसी की सदस्य

मुंबई @ पत्रिका. रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को सर्वसम्मति से फिर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी (आइओसी) का सदस्य चुना गया है। नीता अंबानी के पक्ष में सभी 93 वोट पड़े। 2016 में रियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आइओसी सदस्य चुना गया था।

महाराष्ट्र

पांच दिन बाद जरांगे का अनशन स्थगित

मुंबई @ पत्रिका. महाराष्ट्र के जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने 5 दिन बाद अपना अनशन बुधवार को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा, मेरे समुदाय के सदस्य चाहते हैं कि मैं जिंदा रहूं, ताकि इस मुद्दे के लिए लड़ाई जारी रह सके।

ये माजरा क्या है | वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम की खोज, प्रकाश संश्लेषण को चुनौती

समुद्र तल में सूरज की रोशनी के बगैर बन रही है ऑक्सीजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने समुद्र में 'डार्क ऑक्सीजन' की खोज की है। टीम के शोध के मुताबिक प्रशांत महासागर के निचले भाग में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन पंप कर रही है। यह हिस्सा इतनी गहराई में है कि वहां सूरज की रोशनी पहुंचना नामुमकिन है। प्रकाश संश्लेषण (फोटोसिंथेसिस) के बिना ऑक्सीजन का बनना वैज्ञानिकों को भी हैरान कर रहा है।

द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नेचर जियोसाइंस जर्नल में छपे शोध में बताया गया कि समुद्र की सतह से 4,000 मीटर (13,100 फीट) नीचे पूर्ण अंधेरे में ऑक्सीजन का उत्पादन हो रहा है। इसे डार्क ऑक्सीजन नाम दिया गया। वैज्ञानिक अब तक मानते रहे हैं कि सूरज की रोशनी के बगैर ऑक्सीजन नहीं बन सकती। नई खोज प्रकाश संश्लेषण के जरिए ऑक्सीजन बनने की धारणा को चुनौती देती है।

13,100 *फीट नीचे पूर्ण अंधेरे में धातु पिंडों से उत्पादन*

गहराई में पानी के अणुओं का विभाजन

शोध के दौरान यह जानकारी भी हैरान करने वाली है कि समुद्र की गहराई में ऑक्सीजन पौधे नहीं बना रहे हैं। शोध के सह-लेखक एंड्रयू स्वीटमैन के मुताबिक वहां ऑक्सीजन धातु के नोड्यूल्स (पिंडों) से निकलती है, जो कोयले के ढेर के समान होते हैं। आलू के आकार के ये नोड्यूल्स पानी के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में बांटते हैं। स्वीटमैन ने कहा, इस खोज से नई बहस छिड़ सकती है।

जीवन की शुरुआत की पहेली

पृथ्वी की आधी ऑक्सीजन समुद्र से आती है। एंड्रयू स्वीटमैन का कहना है कि पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत के लिए ऑक्सीजन जरूरी थी। अब तक हमारी समझ रही है कि पृथ्वी पर ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रकाश संश्लेषक जीवों से शुरू हुई। अब इस पर फिर से विचार करने की जरूरत है कि जीवन की शुरुआत कहां से हुई।

पन्ना : जुनून ऐसा कि कर्ज लेकर 10 साल से पूरा परिवार तलाश रहा था हीरा

आखिर चमकी आदिवासी मजदूर परिवार की किस्मत, खदान से मिला सवा करोड़ का हीरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पन्ना (मध्यप्रदेश). हीरों की धरती पन्ना में फिर गरीब आदिवासी मजदूर परिवार की किस्मत चमक उठी। 10 साल परिवार के अथक परिश्रम के बाद परिवार को खदान से 19.22 कैरेट का जैम क्वालिटी का हीरा मिला है। इसे बुधवार को जिला हीरा कार्यालय में जमा कराया। हीरे की अनुमानित कीमत सवा करोड़ रुपए है। अहिरगांव निवासी चुनवादा गोंड ने इसी साल मई में हीरा खदान के लिए पट्टा बनवाया। उसे कृष्णा-कल्याणपुर में जमीन मिली। मंगलवार को चाल की धुलाई के दौरान बेटे राजू को हीरा मिला। इससे पहले से ही पूरा परिवार 10 साल से हीरा तलाश कर रहा था। परिवार का खर्च ट्रैक्टर की ड्राइवरी से होने वाली आमदनी से चलता था।

कर्जा चुकाएंगे, घर बनाएंगे : चुनवादा के परिवार को पिछले साल ही पीएम आवास आवंटित हुआ था। खदान लेने के लिए परिवार पर चार लाख का कर्जा हो गया था। चुनवादा का कहना है कि वह हीरा बिकने पर मिलने वाली राशि से सबसे पहले कर्जा चुकाएंगे। उसके बाद जमीन खरीदकर घर बनाएंगे। इसके बाद बच्चों की अच्छे से पढ़ाई कराएंगे।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ■ अलवर ■ अहमदाबाद ■ इंदौर ■ उज्जैन ■ उदयपुर ■ कोटा ■ कोलकाता ■ खंडवा ■ ग्वालियर ■ चेन्नई ■ छिंदवाड़ा ■ जगदलपुर ■ जबलपुर ■ जयपुर ■ जोधपुर ■ झुंझुनूं ■ दिल्ली ■ नागौर ■ नर्मदापुरम ■ पाली ■ बाड़मेर ■ बांसवाड़ा ■ बिलासपुर ■ बीकानेर ■ बेंगलूरु ■ भरतपुर ■ भिलाई ■ भीलवाड़ा ■ भोपाल ■ रतलाम ■ रायपुर ■ सतना ■ सागर ■ सीकर ■ सूरत ■ शहडोल ■ श्रीगंगानगर

सीएम ने दो अन्य मंत्रियों से भी की मुलाकात

भजनलाल ने शाह को दी योजनाओं की जानकारी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने अमित शाह को राजस्थान सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यों से अवगत कराया। अमित शाह ने भजनलाल को नए भारत का नया राजस्थान बनाने के लिए सुझाव भी दिए। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से भेंट की। उन्होंने पाटिल को जल जीवन मिशन और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) की जानकारी दी। इसी तरह भजनलाल ने केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य व सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से भी भेंट की।

ऊर्जा के नवीन स्रोतों के विकास पर चर्चा

मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा एवं हाउसिंग और अर्बन अफेयर्स मंत्री मनोहर लाल खट्टर से उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विद्युत क्षेत्र में ऊर्जा के नवीन स्रोतों के विकास पर विस्तार से चर्चा की।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रदेश के लिए यह रिकॉर्ड बजट, जो यूपीए सरकार से 14 गुना ज्यादा

राजस्थान को 9959 करोड़ रुपए का रेल बजट आवंटित: वैष्णव

सुरक्षा-संरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और यात्री सुविधाओं पर फोकस

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राजस्थान में रेल डवलपमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 9959 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए रेलवे प्रस्तावित प्लानिंग के अनुसार नए प्रोजेक्ट पर भी काम शुरू करेगा। प्रदेश में रेल यात्री सुविधाओं में विस्तार के साथ ही सुरक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को रेल भवन में मीडिया को बताया कि राजस्थान को रिकॉर्ड बजट आवंटित किया गया है। जबकि, यूपीए सरकार में औसतन 682 करोड़ रुपए ही आवंटन किया जाता रहा है। इस तरह यूपीए सरकार की तुलना में यह 14 गुना ज्यादा है। वैष्णव ने बताया कि अभी राजस्थान में 51 हजार 814 करोड़ रुपए के 32 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इसमें 4 हजार 191 किलोमीटर लंबी रेल लाइन भी शामिल है। इसके अलावा 85 स्टेशन को अमृत स्टेशन के रूप में रिडवलप कर रहे हैं। वर्ष 2014 से अब तक 1475 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में रेल डवलपमेंट का काम और गति पकड़ेगा, जिसके लिए अधिकारियों के साथ अगले पखवाड़े बैठक की जाएगी। वहीं, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि जो भी कार्य मिले हैं, वो तय समय में पूरे किए जाएंगे।

50 अमृत भारत ट्रेन स्वीकृत

मंत्री वैष्णव ने बताया कि देश में अमृत भारत ट्रेन का दायरा फैलेगा। 50 अमृत भारत ट्रेन स्वीकृत हो गई हैं। यह ट्रेन पूरी तरह नॉन एसी होगी। इसमें 11 कोच जनरल और 11 कोच स्लीपर के होंगे। हर सात से दस दिन में एक वंदेभारत ट्रेन आ रही है। वंदेभारत का स्लीपर वर्जन और वंदेभारत मेट्रो की टेस्टिंग प्रक्रिया चल रही है।

कवच 4.0 में सब कवर...

रेल हादसों को रोकने के लिए स्वदेशी एंटी प्रोटेक्शन सिस्टम कवच के 4.0 वर्जन को रोल आउट कर दिया गया है। यूरोप जैसे देश में ही इस तरह के प्रोजेक्ट को लाने में 20 से 22 साल लग गए, लेकिन भारत ने कुछ ही साल में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। हमारा कवच यूरोप में ईटीएस लेवल 2 से बेहतर है।

राजस्थान: तीस लाख उपभोक्ताओं को बिजली में राहत नहीं, हंगामा

एक प्रदेश में दो कानून कैसे: विपक्ष आपकी योजना को बढ़ाया: सरकार

ऊर्जा राज्य मंत्री के जवाब पर शोर-शराबा, जिनका नहीं हुआ रजिस्ट्रेशन, उनको नहीं मिलेगा योजना का फायदा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान स्पष्ट कर दिया कि 100 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में रजिस्ट्रेशन से वंचित रहे उपभोक्ताओं को योजना का फायदा नहीं मिलेगा। मंत्री के स्पष्टीकरण से सदन में सत्ता पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस भी हुई। विपक्ष ने कहा कि एक प्रदेश में दो कानून कैसे चलेंगे, लेकिन मंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि रजिस्ट्रेशन की बाध्यता आपकी सरकार ने रखी। हम बस योजना को आगे बढ़ा रहे हैं। रजिस्ट्रेशन नहीं करवाने वाले करीब 30 लाख उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली योजना का फायदा नहीं मिलेगा।

सादुलपुर विधायक मनोज कुमार के प्रश्न पर मंत्री नागर ने कहा कि जो परिवार मुफ्त बिजली योजना से वंचित रह गए हैं, उन्हें योजना में शामिल करवाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पिछली सरकार ने चुनाव नजदीक आने से एमनेस्टी स्कीम के रूप में यह योजना चालू की थी, जिसमें स्पष्ट था कि जो रजिस्ट्रेशन कराएगा उन्हीं को लाभ मिलेगा। अगर पिछली सरकार की मंशा होती तो रजिस्ट्रेशन का प्रावधान रखती ही नहीं। मनोज कुमार ने कहा कि आप सबको इस योजना में शामिल करना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन का प्रावधान हटा दें। आपकी सरकार को भी आठ माह हो चुके हैं। बिजली बिलों पर एक हजार रुपए तक फ्यूल चार्ज लगकर आ रहा है। इस पर मंत्री ने कहा कि 200 यूनिट उपभोग वाले उपभोक्ताओं पर किसी तरह का फ्यूल चार्ज नहीं लग रहा। इससे ज्यादा उपभोग पर फ्यूल चार्ज की वसूली नियमानुसार हो रही है।

टीकाराम जूली | हीरालाल नागर | मनोज कुमार

श्रेणी एक, पर लाभ नहीं: जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि एक ही श्रेणी के उपभोक्ता हैं और सिर्फ रजिस्ट्रेशन के नाम पर ही फायदा नहीं दिया जा रहा। एक प्रदेश में दो तरह के कानून नहीं चल सकते। गोविन्द सिंह डोटासरा ने भी बोलने की कोशिश की तो विस अध्यक्ष ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। काफी देर तक आरोप-प्रत्यारोप चले।

इसलिए फायदा नहीं: मंत्री

मंत्री ने कहा कि राजस्थान में कुल 1 करोड़ 29 लाख 9 हजार 968 उपभोक्ता हैं। रजिस्ट्रेशन कराने के बाद 98 लाख 23 हजार 314 उपभोक्ताओं को लाभ दिया जा रहा है। 30 लाख 86 हजार 654 उपभोक्ताओं का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। इस वजह से इन्हें मुफ्त बिजली योजना का फायदा नहीं मिल सकता।

सरिस्का

सेंचुरी में जमीन आवंटन पर हंगामा

जयपुर . विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरिस्का अभयारण्य क्षेत्र में जमीन आवंटन और नदी-नालों के पास अतिक्रमण करने के सवाल पर जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष पर भी सत्ता पक्ष ने अतिक्रमी होने का आरोप लगाया।

विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही से नेता प्रतिपक्ष का नाम हटवा दिया, लेकिन सदन के बाहर मूल प्रश्नकर्ता भाजपा विधायक शत्रुघ्न गौतम ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को अलवर यूआईटी ने अतिक्रमी माना है और अगर यह झूठ है तो अफसरों पर कार्रवाई की जाए। प्रश्नकाल के दौरान विधायक शत्रुघ्न गौतम के सवाल पर राजस्व मंत्री हेमंत मीना ने सदन में बताया कि गत 5 वर्षों में सरिस्का अभयारण्य के आस-पास राजगढ़ में काश्तकारों एवं अन्य को नदी व नालों में 803 प्रकरणों में कुल 487.89 हेक्टेयर भूमि (2 हजार बीघा) का आवंटन किया गया है।

आनंदपाल का एनकाउंटर नहीं, हत्या: कोर्ट

चूरू के तत्कालीन एसपी व छह पुलिसकर्मियों पर चलेगा केस

24 जून, 2017 को चूरू के मालासर गांव में मुठभेड़ के दौरान का फोटो।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट अस्वीकार, नजदीक से मारी गोली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. बहुचर्चित आनंदपाल सिंह एनकाउंटर प्रकरण में चूरू जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राहुल बारहठ सहित सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या व अन्य धाराओं में केस चलेगा। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीबीआई प्रकरण), जोधपुर महानगर ने बुधवार को सीबीआई की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट अस्वीकार कर दी तथा आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए नियमित फौजदारी प्रकरण दर्ज करने का आदेश पारित किया। गैंगस्टर आनंदपाल सिंह की 24 जून, 2017 को चूरू जिले के मालासर गांव में पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई थी। विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए राज्य सरकार की अनुशंसा पर केंद्र सरकार ने एनकाउंटर की जांच सीबीआई को सौंपी थी। सीबीआई ने प्रकरण की जांच करने के बाद 31 अगस्त, 2019 को कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की।

आनंदपाल सिंह

पत्नी ने प्रोटेस्ट याचिका पेश की थी

इससे व्यथित होकर आनंदपाल की पत्नी राज कंवर ने प्रोटेस्ट याचिका पेश की थी। प्रोटेस्ट याचिका पर प्रसंज्ञान आदेश पारित करते हुए पीठासीन अधिकारी युवराज सिंह ने चूरू के तत्कालीन एसपी बारहठ सहित कुचामन सिटी के तत्कालीन वृत्त अधिकारी विद्या प्रकाश, पुलिस निरीक्षक सूर्यवीर सिंह, हेड कांस्टेबल कैलाश चंद्र, कांस्टेबल सोहन सिंह, धर्मपाल एवं धर्मवीर के खिलाफ प्रसंज्ञान लिया।

विरोधाभासी तथ्य, जो केस चलाने की वजह बने

नजदीक से गोली मारने का आरोप: तत्कालीन कुचामन सिटी वृत्त अधिकारी विद्याप्रकाश की पिस्टल से चलाई गोली का खाली खोखा फायर आर्म्स परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार छत पर पाया गया था। पिस्टल से फायर के बाद गोली का खाली खोखा फायर करने वाले व्यक्ति के पास ही गिरता है। कोर्ट ने सवाल खड़ा किया कि जब विद्याप्रकाश आनंदपाल की मृत्यु होने तक छत पर नहीं गया था, तो उसकी पिस्टल की गोली का खाली खोखा छत पर कैसे पाया गया।

पोस्टमार्टम की अलग-अलग रिपोर्ट: मृतक आनंदपाल का दो बार पोस्टमार्टम किया गया था। प्रथम पोस्टमार्टम में शरीर पर 11 गोलियां लगने का तथ्य सामने आया। दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार आनंदपाल के शरीर से बंदूक की 2 गोलियां और बरामद की गई थी, इससे प्रथम पोस्टमार्टम पर सवालिया निशान लगता है।

किसान नेताओं ने राहुल से मुलाकात

एमएसपी गारंटी के मुद्दे को उठाएगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली में राहुल गांधी से मिलते किसान।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. किसान नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को संसद परिसर में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने किसान नेताओं को आश्वासन दिया कि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी किसानों का अधिकार है और इंडिया गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि यह उन्हें मिले।

उन्होंने किसान नेताओं को आश्वासन दिया कि वह इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों के साथ इस मुद्दे को उठाएंगे और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के कार्यान्वयन के लिए सरकार पर दबाव डालेंगे। राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि किसान नेताओं ने उनके आश्वासन पर संतोष और विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी का मामला संसद में प्रभावी और जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी ने संसद में अपने कार्यालय में बैठक के लिए किसान नेताओं को आमंत्रित किया था। शुरुआत में किसानों को संसद परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया गया था। जब किसानों से मिलने के लिए राहुल गांधी ने बाहर आने की बात कही तो अंततः किसान नेताओं को संसद परिसर के अंदर जाने की अनुमति दी गई, जहां उन्होंने राहुल गांधी के साथ विस्तृत बैठक की।

हाईकोर्ट के निर्देश पर रोक लगाई

'भूल जाने के अधिकार' पर कानून तय करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली @ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट इस बात की जांच करेगा कि क्या न्यायालयों द्वारा दिए गए उन निर्णयों के विरुद्ध 'भूल जाने के अधिकार' को लागू किया जा सकता है, जिनमें बरी किए गए व्यक्ति की पहचान उजागर की गई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ एक कानूनी डेटाबेस पोर्टल 'इंडियन कानून' द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के 3 मार्च के आदेश के विरुद्ध दायर चुनौती याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में पोर्टल को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए गए व्यक्ति की पहचान उजागर करने वाले निर्णय की पोस्ट हटाने का निर्देश दिया गया था।

आदेश में कहा गया है कि यद्यपि न्यायालयों से रिकॉर्ड के डेटा को संरक्षित करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन उन्हें ऐसे डेटा के संग्रह और व्यक्ति के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की भी आवश्यकता है। याचिकाकर्ता के वकील अपार गुप्ता ने कहा कि 'भूल जाने के अधिकार' के मुद्दे पर हाईकोर्ट के निर्णय एक दूसरे से टकराते हैं। केरल और गुजरात हाईकोर्ट का मानना है कि भूल जाने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन मद्रास हाईकोर्ट का आदेश इसके विपरीत कहता है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न हाईकोर्ट के विरोधाभासी निर्णयों से कानून का एक वास्तविक प्रश्न उभर रहा है। इस बात को स्वीकार करते हुए सीजेआई ने इस मुद्दे पर विस्तार से विचार करने की आवश्यकता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें कानून को सुलझाना होगा। न्यायालय ने याचिका में नोटिस जारी करते हुए मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर भी रोक लगा दी है।

गायक मुकेश की जयंती पर डाक टिकट जारी

मुकेश से अपना जुड़ाव महसूस करता था आम आदमी : शेखावत

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को प्रसिद्ध गायक मुकेश की सौवीं जयंती पर उनका स्मारक डाक टिकट जारी किया। महान गायक मुकेश को याद करते हुए शेखावत ने कहा कि किसी फनकार के लिए इससे बड़ा सौभाग्य नहीं हो सकता कि उसके जाने के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी उसके प्रशंसकों की संख्या नित्य-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

आकाशवाणी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि मैं यह मानता हूं कि अमरत्व अगर कुछ है तो वो यह है कि आपके जाने के बाद में भी उतनी संख्या में लोग आपके साथ में जुड़े रहें। ऐसे अमर गायक थे मुकेश जी। गायक मुकेश को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब मैं छोटा था, तब ज्यादा नहीं समझता था, उस समय मैंने पिताजी को मुकेश जी के गाने सुनते हुए देखता था, लेकिन जब मैं कॉलेज में आया, तब 'ओ महबूबा' गाना हम भी जोर-जोर से गाते थे। जब शादी हो गई, तब गाना 'चांद सी महबूबा हो मेरी' गाते थे।

कार्यक्रम में गायक मुकेश के पुत्र नितिन मुकेश समेत पूरा परिवार उपस्थित रहा।

धार भोजशाला मामला

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जैन समाज, याचिका स्वीकार

इंदौर@पत्रिका. धार भोजशाला मामले में जैन समाज ने जैन गुरुकुल होने का दावा करते हुए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में लगाई है। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया है। इससे पहले इंदौर हाई कोर्ट से याचिका खारिज हो गई थी। याचिकाकर्ता सलेकचंद जैन ने अधिवक्ता दिनेश प्रसाद राजभर के माध्यम से याचिका दायर की है।

सलेक चंद जैन ने बताया कि उनकी याचिका में दावा है कि भोजशाला से 1875 में हुई खोदाई के दौरान जैन यक्षिणी अम्बिका की मूर्ति निकली थी, जो अब ब्रिटिश संग्रहालय में सुरक्षित है। इस मूर्ति के साथ शिलालेख भी सुरक्षित हैं, जो अम्बिका देवी के जैन धर्म से संबंधित होने का प्रमाण हैं। इसी मूर्ति को सरस्वती देवी कहा जा रहा है। हाल ही में हुई खोदाई में जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां, जैन देवी-देवताओं की मूर्तियां, जैन तीर्थंकरों से जुड़े लांछन, कछुआ, बंदर, शंख और जैन शिल्प व जैन शिलालेख भी मिले हैं, अतः भोजशाला पर जैन समाज का दावा उचित है और इसे जैन समाज के सुपुर्द किया जाए।

सिविल लाइंस रेल ओवर ब्रिज दिसम्बर तक पूरा होगा

जयपुर. नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि सिविल लाइंस, जयपुर में निर्माणाधीन रेल ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य इस वर्ष दिसम्बर माह तक पूरा कर दिया जाएगा। विधायक गोपाल शर्मा के प्रश्न पर खर्रा ने बताया कि कार्य में ढिलाई के कारण पुल का कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है। ठेकेदार पर नियमानुसार जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि बीसलपुर पाइपलाइन तथा रेलवे की ओर से कुछ स्वीकृतियां नहीं मिलने के कारण पुल निर्माण के कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

अध्ययन | बदलती जीवनशैली में कार्यालय और घरेलू जिंदगी में सामंजस्य बैठाना हो रहा मुश्किल

ऑफिस में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में काम का तनाव

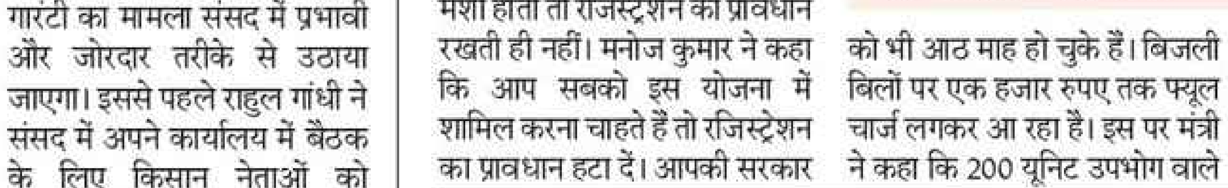

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. बदलती जीवनशैली में कार्यस्थल पर अधिकतर कर्मचारी काम के तनाव से जूझ रहे हैं। ऑफिस से घर पहुंचने के बाद भी यह तनाव बना रहता है।

इस तनाव से सबसे अधिक पीड़ित युवा व महिलाएं हैं। मेंटल एंड इमोशनल वेलनेस कंपनी के नवीनतम अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। यह भी तथ्य आया है कि कार्यालयों में तनावग्रस्त कर्मचारियों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अध्ययन में पाया गया कि कार्यस्थल पर 21 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के युवा और पुरुषों की तुलना में महिलाओं में काम का तनाव अधिक होता है। जयपुर के मनोचिकित्सक केंद्र में रोजाना 15 से 20 मरीज तनावग्रस्त होकर पहुंच रहे हैं। इनमें कामकाजी महिलाएं ज्यादा हैं।

तनाव का कारण

महिलाओं में: कामकाज और जीवन में संतुलन नहीं होना। कम मनोबल, आलोचना का डर, जजमेंट, शिफ्ट बदलना।

पुरुषों में: कार्यस्थल पर लगातार बदलाव से पुरुष कर्मचारियों में तनाव के हालात मिले, रिमोट और हाइब्रिड वर्क कल्चर भी कारण।

अवसाद का शिकार हो गई

जयपुर में मानसरोवर निवासी रूपाली गर्ग आठ वर्ष से जॉब कर रही हैं। शादी के बाद काम और घर दोनों में संतुलन बनाना मुश्किल हो रहा था। ऑफिस में कोई गलती होती तो महिला हो कहकर आलोचना करने लगते थे। इससे धीरे-धीरे अवसाद का शिकार होने लगी। कुछ ही महीनों में मुझे जॉब छोड़नी पड़ी। अब सेहत में सुधार है।

कई तरह की बीमारियां

लगातार और लंबे तनाव में रहने से शरीर में अधिक मात्रा में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) भी बनने लगता है, जिससे शरीर में मोटापा, कोलेस्ट्रॉल, बीपी, शुगर जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसी के साथ एकाग्रता की कमी, डिप्रेशन और एंग्जाइटी बढ़ने लगती है। **धर्मदीप सिंह,** मनोरोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक केंद्र, जयपुर

राजस्थान सरकार और हुडको के बीच एमओयू

बुनियादी परियोजनाओं के लिए प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का मिलेगा ऋण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने तथा पेयजल और सिंचाई के लिए बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हाउसिंग एंड अरबन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) एवं राज्य सरकार के बीच हुआ एमओयू विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर जैसलमेर सौर ऊर्जा संयंत्र के वर्चुअल उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कंपनी रिन्यू की ओर से जैसलमेर में सौर ऊर्जा संयंत्र से 400 मेगावाट का उत्पादन प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

शेष 200 मेगावाट का उत्पादन अक्टूबर तक प्रारंभ हो जाएगा। इस दौरान हुडको ने राज्य सरकार के साथ एक लाख करोड़ रुपए का एमओयू किया। जिसके तहत आगामी 5 वर्षों तक पानी, सिंचाई और बिजली जैसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार को प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। बुधवार को जल जीवन मिशन के लिए हुडको की ओर से आरडब्ल्यूएसएससी को 1577 करोड़ रुपए का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पोलमपोल भायो

अबकी आँध्र-बिहार सूँ, गठबन्धन मजबूत।
सज्यो थाळ सौगात को, सुगंध-मिठास सबूत!!

हवा में हाईवे: अधिकारियों की लापरवाही के चलते राजस्व रिकॉर्ड में नहीं हो सका अंकन

रिकॉर्ड में सूरतगढ़-बीकानेर के बीच 40 किमी हाईवे गायब

हनुमंत ओझा
patrika.com

सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर). देश के सबसे पुराने हाईवे में शुमार राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-62 पर भले ही दिन रात हजारों वाहनों का आवागमन रहता हैं, लेकिन इस हाईवे का सूरतगढ़ से बीकानेर के बीच करीब 40 किमी भाग आज भी हवा में हैं। सुनने में शायद अजीब लगे, लेकिन राजस्व विभाग का रिकॉर्ड तो कम से कम यही कहता हैं।

राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में लगभग चार दशक पुराना यह नेशनल हाईवे सूरतगढ़ में अस्तित्व में ही नहीं हैं। हालांकि बीकानेर से श्रीगंगानगर के बीच वर्ष 2018 में नेशनल हाईवे का पुनर्निर्माण भी करवाया गया था, लेकिन राजस्व विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग (नेशनल हाईवे) के पूर्ववर्ती अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज तक इस नेशनल हाईवे के इस 40 किमी भाग का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन नहीं हो सका हैं, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इसका गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया गया था। ऐसे में नेशनल हाईवे का राजस्व रिकॉर्ड में ही दर्ज नहीं होना एक बड़ी विभागीय चूक हैं।

पहले एनएच 15 नाम से जाना जाता था

1986 में बने इस नेशनल हाईवे को पूर्व में एनएच-15 के नाम से जाना जाता था। गुजरात के कांडला से पंजाब के अमृतसर तक बना यह हाईवे देश के सबसे बड़े हाईवे में भी शामिल था। इसमे एनएच 65 और 14 का भी कुछ भाग शामिल था। लेकिन सूरतगढ़ क्षेत्र में उपनिवेशन विभाग के आधे अधूरे रिकॉर्ड तथा राजस्व विभाग की ओर से खसरों की चकबंदी व तरमीम के अभाव में राजस्व विभाग ने इसे रिकॉर्ड में अंकित करने में रुचि नहीं दिखाई। हालांकि तब केंद्र की ओर से इसका गजट नोटिफिकेशन भी निकाला गया था। जिसके आधार पर नेशनल हाईवे को रिकॉर्ड में अंकित किया जा सकता था।

नेशनल हाईवे का सूरतगढ़ से अर्जुनसर तक का भाग राजस्व रिकॉर्ड में अंकित नहीं है। हालांकि कुछ स्थानों पर हाईवे दर्ज भी है। इसका मुख्य कारण चक प्लान का धरातलीय स्थिति से मैच नहीं होना है। साथ ही पीडब्ल्यूडी एनएच ने भी गजट प्रस्तुत कर हाईवे को दर्ज नहीं करवाया है।

- हाबूलाल मीणा, तहसीलदार, सूरतगढ़

अधिकारियों को रिकॉर्ड में दर्ज करने के निर्देश

नेशनल हाईवे संख्या-62 सूरतगढ़ से बीकानेर के बीच क्षेत्र में लगभग 40 किमी भाग राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होने की बात सामने आई है। इसका कारण सार्वजनिक निर्माण विभाग एनएच की तरफ से गजट उपलब्ध नहीं करवाना बताया गया है। इस संबंध में अधिकारियों को संबंधित विभाग से गजट लेकर हाईवे को रिकॉर्ड में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

- कन्हैयालाल सोनगरा, एडीएम, सूरतगढ़

विधायक मीणा पहुंचे एसओजी

पेपरलीक मामले में मगरमच्छों के खिलाफ सबूत दिए: किरोड़ी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भाजपा सरकार बनने के बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) गत पांच वर्ष में आयोजित हुई प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपरलीक मामलों का खुलासा करने में जुटी है। इस बीच बुधवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके सवाईमाधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा घाटगेट स्थित एसओजी मुख्यालय पहुंचे। विधायक मीणा ने एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह से मुलाकात की और उन्हें आरएएस, रीट व एसआइ भर्ती परीक्षा में पेपरलीक से संबंधित कई दस्तावेज सौंपे।

बाद में पूर्व मंत्री ने बताया कि एसओजी अभी तक छोटे लोगों की गिरफ्तारी की हैं। अब एसओजी को बड़े अपराधियों के खिलाफ सबूत दिए हैं, जो पेपरलीक और एसओजी को कार्रवाई करने से रोकने के लिए फोन करते थे। मीणा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 6 नेताओं पर आरोप लगाया। उन्होंने आरपीएससी के एक पूर्व अध्यक्ष पर साक्षात्कार में कई अभ्यर्थियों को अच्छे नंबर देने व निजी कॉलेजों में कॉपी चेक करवाने का आरोप भी लगाया।

एसओजी ने लाखों रुपए वसूले

विधायक मीणा ने एक पत्र को पेपर लीक मामले में गिरफ्तार हो चुके भूपेन्द्र सारण (भूपेन्द्र अभी जेल में है) का होने का दावा करते हुए कहा कि उन्हें यह पत्र 10 दिसम्बर 2022 को मिला था। भूपेन्द्र सारण ने इस पत्र में एसओजी के तत्कालीन एक निरीक्षक पर 64 लाख रुपए लेने का आरोप लगाया। विधायक मीणा ने निरीक्षक पर आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले की अहम कड़ी उदयराम व सुरेश ढाका को उसने किसी स्थान पर छिपाकर रखा है। जिस दिन एसओजी इन दोनों आरोपियों को पकड़ लेगी। उस दिन कई पेपर लीक मामले में कई बड़े चेहरे सामने आ जाएंगे।

ट्रेंडिंग वीडियो

1.

खरगे को आया गुस्सा, 'माताजी बोलने में एक्सपर्ट हैं'

2.

राहुल संग मुलाकात से गदगद किसान, सरकार को अल्टीमेटम

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 30 को

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत छह विषयों की पूर्व में आयोजित काउंसलिंग में अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर दिया है। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि 15 से 17 जुलाई तक अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत और हिंदी के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हुई थी। इसमें अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 30 जुलाई को होगी। इसके तहत सुबह 9 बजे सामाजिक विज्ञान, संस्कृत और हिंदी तथा दोपहर 1 बजे अंग्रेजी, गणित और विज्ञान के अभ्यर्थियों का उपस्थिति देनी होगी। अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन पत्र और सभी शैक्षिक, प्रशैक्षिक दस्तावेज साथ लाने जरूरी होंगे।

राजस्थान बोर्ड की मुख्य परीक्षा-2025 के आवेदन आज से

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2025 की मुख्य परीक्षा, वर्ष 2024 की पूरक एवं प्रायोगिक परीक्षा की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। मुख्य परीक्षा के आवेदन 25 जुलाई से 23 अगस्त तक भरे जाएंगे। जबकि उच्च माध्यमिक पूरक प्रायोगिक परीक्षा 25 से 30 जुलाई व पूरक सैद्धांतिक परीक्षा 12 से 14 अगस्त तक होगी। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि मुख्य परीक्षा के लिए नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थी सामान्य परीक्षा शुल्क के साथ 25 जुलाई से आवेदन पत्र भर सकेंगे। एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क के साथ 24 अगस्त से 7 सितम्बर तथा असाधारण शुल्क के साथ 13 सितम्बर से 27 सितम्बर 2024 तक आवेदन किया जा सकेगा। नियमित परीक्षार्थियों को शुल्क 600 व स्वयंपाठी को 650 रुपए देना होगा। प्रायोगिक परीक्षा शुल्क 100 रुपए प्रति विषय होगा।

पढ़ाई के साथ अनुशासन और मोबाइल की लत छुड़ाने की वजह से बढ़ रहा हॉस्टल कल्चर

सपनों की राह में मोबाइल न बने ब्रेकर, इसलिए पापा हॉस्टल में करवा रहे दाखिला

रमेश शर्मा/अजय शर्मा
patrika.com

सीकर. स्कूली और कॉलेज विद्यार्थियों में लगातार बढ़ती मोबाइल की आदत से हॉस्टल कल्चर भी बदल गया है। पहले जहां अभिभावकों की ओर से बच्चों को अपने क्षेत्र में बेहतर शिक्षण संस्थान नहीं होने पर ही हॉस्टल में दाखिला दिलाया जाता था, लेकिन बदलते दौर में बच्चों को मोबाइल की लत छुड़ाने, बेहतर पढ़ाई, अनुशासन और जीवन की सीख के लिए हॉस्टल कल्चर को पसंद किया जा रहा है। अभिभावकों की बदलती सोच की वजह से शिक्षानगरी में हॉस्टल व पीजी में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस साल सीकर में एक लाख से अधिक विद्यार्थी अब तक हॉस्टल और पीजी में दाखिला ले चुके हैं। खास बात यह है कि कई ऐसे भी छात्र हैं जो स्कूल, कॉलेज और कोचिंगों से नियमित रुप से अप-डाउन कर सकते हैं। लेकिन परिजन की ओर से पढ़ाई और सेहत को ध्यान में रखते हुए हॉस्टल में ही दाखिला दिलाया जा रहा है।

फैक्ट फाइल

सीकर में हॉस्टल: ***लगभग 2300***

पीजी: ***2800 से अधिक***

हॉस्टलों में इस साल छात्र: ***1 लाख से अधिक***

स्कूल, कॉलेज व कोचिंग में पढ़ाई करने वाले चुन रहे छात्रावास: ***औसत 70 फीसदी***

बच्चों को सात दिन में एक बार इस तरह से करवाई जाती है परिजन से बात

इसलिए छूट रही लत

शिक्षानगरी के ज्यादातर छात्रावासों में मोबाइल पर पूरी तरह पाबंदी है। कई हॉस्टलों में तो स्टाफ को ड्यूटी पर आते ही अपना स्मार्टफोन जमा कराना पड़ता है। यहां रहने वाले विद्यार्थियों की परिजन से सात दिन में एक बार बात कराई जाती। विद्यार्थियों की दिनचर्या सुधारने के लिए सुबह पांच बजे से लेकर रात दस बजे का कलैण्डर तय है। इसके हिसाब से विद्यार्थियों को पढ़ाई कराई जाती है। वहीं विद्यार्थियों के मनोरंजन व शारीरिक व मानसिक फिटनेस के लिए हर दिन 40 मिनट खेलों का अभ्यास कराया जाता है।

परिजन भी निभाएं जिम्मेदारी

कॅरियर काउंसलर वेदप्रकाश बेनीवाल ने बताया कि शिक्षानगरी के छात्रावासों में दाखिला लेने वाले कई विद्यार्थियों के अभिभावकों ने मोबाइल की लत की मजबूरी से छात्रावास में दाखिला दिलाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि बच्चों की मोबाइल फोन की आदत छुड़ाने के लिए अभिभावकों को भी त्याग करना होगा। अभिभावकों को बच्चों को समय देना होगा और उनके साथ आउट डोर गेम खेलें, उनसे बात करें। उनको अपनी बात बताने का मौका और माहौल दें।

हॉस्टल में आते ही चमके रहे नौनिहाल

केस 01

हॉस्टल में रहकर की पढ़ाई फिर नीट में पूरे नंबर

जयपुर निवासी देवेश जोशी ने नीट की तैयारी के लिए पिछले साल सीकर में कोचिंग के साथ हॉस्टल में दाखिला लिया। यहां पांच घंटे कोचिंग और फिर हॉस्टल के पढ़ाई के माहौल से काफी फायदा मिला। देवेश ने नीट में 720 में से 720 अंक भी हासिल किए। देवेश ने बताया कि जब घर पर रहते हैं तो मोबाइल फोन किसी न किसी वजह से हाथ में आ ही जाता है। मोबाइल मेरे सपनों की राह में ब्रेकर नहीं बने, इसलिए मैंने हॉस्टल को चुना।

केस 02

बच्चे की आदत से परिजन परेशान, हॉस्टल में दाखिला

भरतपुर निवासी कक्षा दसवीं के एक छात्र सौरभ की दिनचर्या में मोबाइल गेम्स रच बस गए। छात्र के घंटों तक मोबाइल देखने की लत से अभिभावक भी परेशान हो गए। ऐसे में सौरभ का सीकर के हॉस्टल में दाखिला दिला दिया। शुरुआत में कई दिनों तक बच्चे का मन नहीं लगा। बाद में स्कूल प्रबंधन ने बच्चे का मन लगाने के लिए क्रिकेट के पुराने शौक को नई रफ्तार दी। सौरभ ने बताया कि अब मोबाइल देखने का मन भी नहीं करता है।

एक्सपर्ट व्यू...

तकनीक के इस दौर में मोबाइल जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। मोबाइल बच्चों की पढ़ाई के साथ सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। इसके अधिक उपयोग से बच्चों में इस तरह की मनोवृत्ति आ रही है कि वह अपनों से दूर होते जा रहे हैं। मोबाइल पर हिंसक गेम खेलने और आपत्तिजनक सामग्री देखने के बाद बच्चा अकेला रहना पसंद करता है। छोटी-छोटी बातों पर नाराज होता है। मोबाइल हाथ से लेते ही गुस्सा करता है या तोड़फोड़ करने की कोशिश करता है। **-डॉ. पीयूष सुण्डा,** सीकर

छात्रावास में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। कई अभिभावकों की ओर से बच्चों को मोबाइल की लत से दूर करने के साथ पढ़ाई कराने के लिए छात्रावास व पीजी को ज्यादा पंसद किया जा रहा है। **-बाबूलाल मील,** एक्सपर्ट, सीकर

छात्रा को गलत मैसेज भेजने का मामला

शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डूंगरपुर. साबला. जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रीछा में शिक्षक जितेंद्र मीणा की ओर से छात्रा को गलत मैसेज भेजने के मामले में दूसरे दिन गांव में व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध जताया। ग्रामीणों ने आरोपी शिक्षक को निलम्बित कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की। पुलिस आरोपी शिक्षक की तलाश में जुटी हैं। शिक्षा विभाग की जांच टीम ने भी मंगलवार को रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को भेज दी हैं। उल्लेखनीय हैं कि मामले में मंगलवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर स्कूल पर ताला जड़ दिया था, जिसके बाद शिक्षक को एपीओ कर दिया गया था।

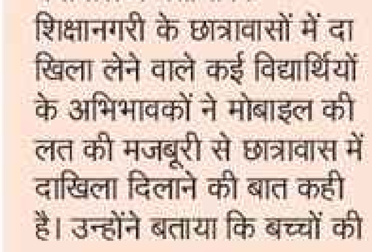

ग्रामीणों के लिए बयान: मामले में शिक्षा विभागीय जांच दल में शामिल साबला एसीबीईओ कुलदीप जैन, राउमावि गोल के उपप्रधानाचार्य प्रफुल्ल चौहान व राउमावि खलील के उप प्रधानाचार्य दिनेश मीणा स्कूल पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर धरना प्रदर्शन न कर जांच में सहयोग की बात कही। ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के बयान भी लिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी आरएल डामोर ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शिक्षक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार के खिलाफ आक्रोश, डॉक्टरों ने तले पकौड़े

सीकर. मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने डाइंग कैडर के विरोध में बुधवार को अनूठे तरीके से प्रदर्शन किया। चिकित्सकों ने बुधवार को कल्याण अस्पताल के सामने ट्रोमा सेंटर के सामने पकौड़े तलकर मरीजों के परिजनों को खिलाई। इस दौरान चिकित्सकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। फोटो: ***पंकज पारमुवाल***

पहचान इमामुद्दीन करीब 35 साल से कैनवास पर बयां कर रहे वन्यजीवों की पीड़ा

खुद बोल-सुन नहीं सकते, लेकिन इनकी बनाई तस्वीरें बोलती हैं

शुभम मित्तल
patrika.com

सवाईमाधोपुर. वन्यजीवों से लगाव रखने वाले इमामुद्दीन काजी भले ही वन्यजीवों के हावभाव और पीड़ा को मुंह से बता नहीं पाते, लेकिन पेंटिंग में उनकी सजीव तस्वीरें उकेरकर लोगों को बखूबी उनकी सच्चाई से रूबरू करा देते हैं। 35 सालों से लगातार वन्यजीवों की चित्रकारी में जुटे इमामुद्दीन ने रणथम्भौर को विश्व में एक खास पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कई पेंटिंग विदेशों में लाखों की कीमत में बिक चुकी हैं। साथ ही वे बॉलीवुड के संजय दत्त से लेकर कई प्रसिद्ध राजनैतिक लोगों को बाघों की पेंटिंग गिफ्ट कर चुके हैं।

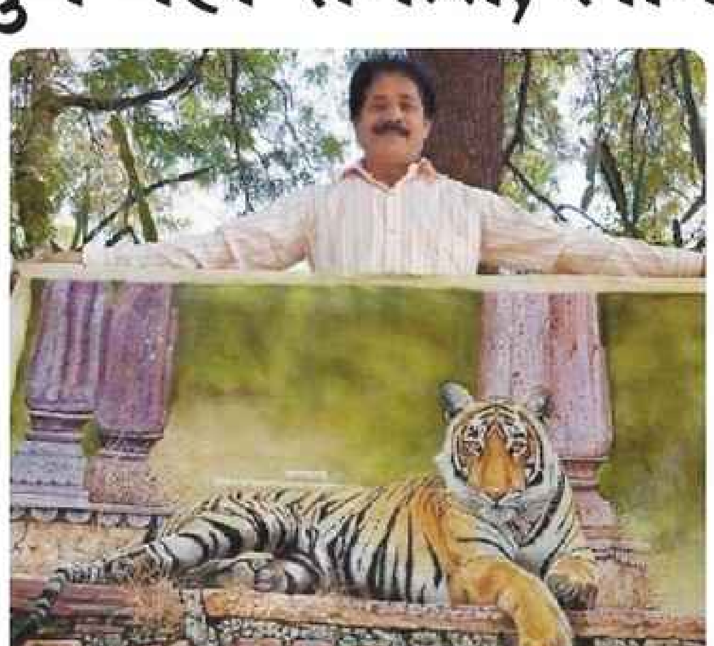

सवाईमाधोपुर. बाघिन मछली की बनाई पेंटिंग दिखाते इमामुद्दीन।

वन्यजीवों की पीड़ा को कैनवास पर उतारा

आलनपुर निवासी इमामुद्दीन काजी बचपन से ही बोल और सुन नहीं सकते। लेकिन उन्होंने वन्यजीवों की खासियत और पीड़ा को कैनवास पर कुछ ऐसे उतारा है, जिससे इनकी तस्वीरें सब कुछ बोलती नजर आती हैं। कैनवास पर वे अपनी भावना बखूबी उतार रहे हैं।

हर साल प्रदर्शनी

इनकी बनाई कई बाघ व अन्य वन्यजीवों की पेंटिंग हर साल प्रदर्शनी में भी लगाई जाती है। इसके लिए दिल्ली की एक आर्ट गैलरी की ओर से उनकी सहायता भी की जाती है। इसके अलावा कई ओर शहरों में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं।

वॉल पेंटिंग महारथ

इमामुद्दीन को वॉल पेंटिंग पर चित्रकारी करने में महारथ हासिल है। उन्होंने कई बार रणथम्भौर बाघ परियोजना के कई क्षेत्रों में वन विभाग के कार्यालयों व अन्य स्थानों पर दीवारों पर भी वन्यजीवों की चित्रकारी को उकारा है।

बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री

इमामुदीन प्रसिद्ध बाघिन मछली की भी पेंटिंग बना चुके हैं। इमामुद्दीन की कला पर करीब आठ से दस साल पहले वन विभाग की ओर से एक डॉक्यूमेंट्री का निर्माण भी किया जा चुका है। इस डॉक्यूमेंट्री में वन्यजीवों की चित्रकारी करने और वन्यजीवों की पेंटिंग को बेचने वाले लोगों की राय जानी गई है और उनके संघर्ष को दर्शाया गया है। गौरतलब है कि वर्तमान में रणथम्भौर में 15 से अधिक ऐसे लोग है जो वाइल्ड लाइफ पेंटिंग के काम से जुड़े हैं, लेकिन अधिकतर लोग इमामुद्दीन के शागिर्द रह चुके हैं।

परिवहन मंत्री ने हरी झंडी दिखाई

रोडवेज के बेड़े में आने लगी नई बीएस-6 बसें...पांच मिली

नई बस का मुआयना करते परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. रोडवेज के बेड़े में नई बसों का आना शुरू हो गया है। बीएस-6 की 510 बसों की खरीद की जा रही है। इनमें से पांच बसें तैयार होकर आ गई हैं। उप मुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को इन बसों की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडवेज को अभी 505 बसें और मिलनी हैं। बैरवा ने कहा कि बसें नवीनतम प्रदूषण नियंत्रण मानक युक्त बीएस-6 श्रेणी की हैं। यह सभी वाहन वीटीएस (व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम) और महिला सुरक्षा पैनिक बटन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हैं। साथ ही इनमें यात्रियों की सुविधा के लिए प्रत्येक पंक्ति में मोबाइल चार्जर सॉकेट लगाए गए हैं। इस मौके पर बैरवा ने कहा कि 1650 कार्मिकों की भर्ती और 1300 नई बसें शामिल करने की घोषणा बजट में की गई है।

समाधान पोर्टल का लोकार्पण

रोडवेज में सफर कर रहे यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए निगम की आइटी शाखा की ओर से तैयार किए गए समाधान पोर्टल का भी लोकार्पण किया। विभागीय वेबसाइट https:// transport. rajasthan. gov. in/ rsrtc पर उपलब्ध पोर्टल के माध्यम से टिकटधारकों को बिना कार्यालय में उपस्थित हुए शिकायत दर्ज करवाने की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे दर्ज शिकायतों पर सक्षम स्तर से होने वाली कार्यवाही में पारदर्शित आएगी। गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका ने 18 जुलाई को लंबा सफर, टेढ़ी डगर, मंजिल मुश्किल, गिरने का डर..शिकायत लेकिन करें किधर.. शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया। इसमें यात्रियों की पीड़ा को उजागर किया था।

शाबाश कार्तिक: सीसीटीवी कैमरे में कैद घटना

बंदूक के बल पर मां से लूट होते देख बेटे ने बोतल से किया बचाव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गजसिंहपुर (श्रीगंगानगर). कस्बे में बाइक सवार दो युवकों ने बंदूक के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया लेकिन बुजुर्ग महिला के साथ 14 वर्षीय किशोर ने सूझबूझ दिखाते हुए वारदात को विफल कर दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जैसे ही लोगों को घटना का पता लगा तो भी किशोर के हौसले की सराहना होने लगी। घटनाक्रम के अनुसार वार्ड दो में एक बुजुर्ग महिला अपने 14 वर्षीय बेटे कार्तिक के साथ मंगलवार दोपहर बाजार की तरफ जा रही थी। पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने पिस्तौल दिखाकर महिला से बैग छीनने का प्रयास करने लगे। उसी समय महिला के साथ मौजूद 14 वर्षीय बेटा पानी की बोतल हाथ में लेकर युवकों से भिड़ गया। इसके बाद आरोपियों ने किशोर को पिस्तौल से डराने का प्रयास भी किया, लेकिन तब महिला में भी हिम्मत आई और वह भी युवकों पर झपट पड़ी। मां-बेटे का हौसला देख हमलावर घबरा गए और बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। प्रभारी सुरेश सांखला का कहना है कि इस संबंध में थाने में कोई परिवाद नहीं दर्ज करवाया गया। पुलिस अपने स्तर पर ही जांच-पड़ताल कर रही है। हालांकि इस मामले को लेकर पीड़ित महिला ने पुलिस थाने में कोई परिवाद नहीं दी हैं।

कार्तिक

कोरोना काल के 2 साल में बनाए 200 से अधिक चित्र

83 की उम्र में कूंची और रंगों के संगम से विचारों को दे रही हैं रूप

पत्रिका मधुलिका सिंह patrika.com

उदयपुर। उम्र के जिस पड़ाव में अक्सर लोग कुछ नया करने से कतराते हैं और आराम करते हुए जीवन जीना चाहते हैं, उस उम्र के लोगों के लिए उदयपुर की सविता द्विवेदी एक मिसाल हैं। सविता द्विवेदी 83 वर्ष की हैं और करीब 4 साल पहले कोरोना में उन्होंने कुछ नया करने की सोच से हाथ में कूंची पकड़ी थी। कूंची से अपने विचारों को चित्रों के रूप में कैनवास पर उतारा और उसमें रंग भरे। राजस्थानी संस्कृति को दर्शाते उनके चित्र जीवन के प्रति आशावादी सोच का प्रतीक हैं और किसी भी उम्र में हार न मानने और कुछ नया करते रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

नहीं ली पेंटिंग की विधिवत शिक्षा

सविता ने बताया कि चित्रकारी की शुरुआत कोरोना काल में हुई। पहली बार ही कागज और कलम हाथ में लिए। इससे पहले वे कभी न तो स्कूल गईं और न ही पेंटिंग ही सीखी थी। इनसे दोस्ती ऐसी हुई कि अब इनके बिना रह नहीं पातीं। आज 83 वर्ष की उम्र में भी वह नियमित रूप से चित्रकरी करती हैं, रात नींद नहीं आने पर चित्र लेकर बैठ जाती हैं। उन्हें इस काम में खुद के जीवन से ही चित्रों के विषय मिल जाते हैं जैसे तीज त्योहार, शुभ प्रसंग, यादें, पुरानी फिल्में आदि।

कला के प्रति प्रेम शुरू से ही

सविता के बेटे प्रो. हेमंत द्विवेदी, मोहनलाल सुखाड़िया विवि के विजुअल आर्ट्स विभाग में हैं। उन्हें भी मां के इस हुनर का पहले पता नहीं था। उनका मानना है कि स्त्री स्वयं सृजनकर्ता होती है, जननी होती है और शायद मां के साथ यही हुआ। उन्होंने अपने विचारों को सौंदर्य और प्रयोगसिद्धि के साथ एक खास अंदाज में प्रस्तुत किया और चित्रकला के प्रति ये गहरा और अनदेखा प्रेम अब उभर कर आया है। हालांकि कला के प्रति प्रेम उनका शुरू से ही रहा है, जो दैनिक जीवन के कार्यों में हमेशा देखने को मिलता रहा। उनके मुताबिक मां के चित्रों का संकलन अधिक होने पर उनकी चित्र प्रदर्शनी भी लग चुकी है।

स्टाइल इन रेनी सीजन

बारिश के मौसम में भी नजर आएं स्टाइलिश

*बारिश का मौसम सुहावना होता है इसलिए तो कहते हैं बरखा बहार लाई। पर यह मौसम नमी और चिपचिपाहट भी लेकर आता है। इस मौसम में तरह-तरह के रंग फिजा में छाए रहते हैं, वहीं उमस का माहौल भी रहता है। इस मौसम नमी और चिपचिपाहट से बचते हुए कपड़ों को स्टाइल किया जा सकता है। इसके लिए फैशन डिजाइनर **प्रीति टांक** कुछ टिप्स शेयर कर रही हैं...*

- **इस मौसम** में लड़कियों और महिलाओं के लिए हल्के कपड़ों में 'वाइड-लेग पैंट स्टाइलिश ऑप्शन हैं। कॉटन या लिनेन में पलाजो और कूलॉट्स जैसे विभिन्न बॉटमवियर के साथ शर्ट और कुर्ती पहन कर कैजुअल लुक पा सकती हैं।
- **मानसून** में अपने स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए आप पीला, नारंगी, नींबू हरा, गुलाबी और लाल रंग चुन सकती हैं। साधारण शॉर्ट्स, टी-शर्ट, ड्रेस या कुर्तियां बरसात में पहनने के लिए सबसे अच्छे ऑप्शन्स हैं।
- **इस** मौसम में पोशाक चुनते समय, वातावरण में अतिरिक्त नमी से निपटने के लिए हल्के और हवादार कपड़े जैसे लिनेन, कॉटन और ऑर्गेन्जा बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये आपकी त्वचा से चिपकते भी नहीं हैं।
- **खूबसूरत** और स्टाइलिश दिखने के लिए फ्लोरल प्रिंट सबसे अच्छा तरीका है। इसमें बड़े और बोल्ड प्रिंट के बजाय छोटे प्रिंट चुनें, क्योंकि वे आपके पूरे पहनावे में संतुलन और समरूपता बनाएंगे।

ट्रेंडिंग टॉपिक

डीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाई

भीषण गर्मी के चलते जहां सरकारी अफसर काम से जी-चुरा रहे हैं। वहीं देवरिया जिले की डीएम दिव्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दिखाया गया है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों के निरीक्षण के दौरान सरकारी अधिकारियों ने तेज धूप का हवाला दिया तो दिव्या ने कहा कि अरे धूप ही तो है, पिघल थोड़े ही जाएंगे। उनकी इस बात से अन्य अधिकारी भी सचेत हो गए। रेवाड़ी की रहने वाली दिव्या ने देश सेवा के जज्बे के कारण लंदन की नौकरी छोड़ कर आइएएस की परीक्षा पास की। वह पहले मिर्जापुर की जिलाधिकारी भी रह चुकी हैं।

News ऑफ द डे

डॉ. दिव्या करेंगी खिलाड़ियों की मेंटल हैल्थ दुरुस्त

इस बार पेरिस ओलम्पिक में खिलाड़ियों की नींद के साथ उनकी मेंटल हैल्थ का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। किसी भी तरह से खिलाड़ियों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित न हो इसके लिए ओलम्पिक दल के साथ मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी पेरिस जाएंगे। इस दल में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. समीर पारीख के साथ-साथ स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. दिव्या जैन भी हैं। दिल्ली की डॉ. दिव्या इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन में मेडिकल कमीशन की मेम्बर हैं। वह खिलाड़ियों पर सकारात्मक प्रभाव के लिए काम करेंगी।

पत्रिका शी न्यूज़ आप पत्रिका शी न्यूज फेसबुक पेज के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

राबाउमावि पूंजला व एमजीजीएस पूंजला एक ही परिसर में हो रहे संचालित, प्रथम पारी को लेकर विवाद

स्कूल के गेट पर ताला, सड़क पर लगी पाठशाला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

जोधपुर. शहर के मगरा पूंजला क्षेत्र स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हिंदी माध्यम की छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। वहीं पहली पारी में आने वाले महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों ने बाहर सड़क पर बैठकर पढ़ाई की। ऐसे में एक ओर हिंदी माध्यम की छात्राएं गेट पर अपने बस्ते लटका कर प्रदर्शन करते नजर आई, वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक परेशान होते दिखाई दिए। हंगामा बढ़ने पर दोनों विद्यालयों के शिक्षकों, स्टाफ व अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान अंग्रेजी माध्यम के छोटे-छोटे बच्चे और अभिभावक भी परेशान होते दिखाई दिए। करीब तीन घंटे चले प्रदर्शन के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी पुरुषोत्तम राजपुरोहित ने मौके पर पहुंचकर दोनों विद्यालयों के प्रिंसिपल से वार्ता कर ताला खुलवाया और विद्यार्थियों को घर भेजा।

> इस मामले में एसडीएमसी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें दोनों विद्यालयों के प्रिंसिपल ने एक साथ प्रथम पारी में विद्यालय संचालित करने की सहमति दी है। इस प्रस्ताव को आगे निदेशालय भेजा गया है।
> **-सीमा शर्मा,** मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जोधपुर

राबाउमावि हिंदी माध्यम की छात्राओं ने मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। एमजीजीएस अंगेजी माध्यम के विद्यार्थी ताला खुलने का इंतजार करते दिखे।

स्कूल में शिक्षकों पर चाकू से हमले की वारदात का खुलासा

पेट्रोल और चाकू के दम पर स्कूल को हाइजैक करने के प्रयास में था आरोपी

आरोपी को खुद का मृत्यु प्रमाण पत्र बना होने व जमीन खुर्द-बुर्द करने की थी आशंका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

बालोतरा. सिवाना थाना क्षेत्र के धारणा गांव के चूली बेरा स्कूल में एक सिरफिरे की ओर से चाकू से दो शिक्षकों सहित तीन पर हमले के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मुझे यह कहा गया है कि मेरा मृत्यु प्रमाण पत्र बना हुआ है और मुझे मृत घोषित कर दिया जाएगा। मेरी पत्नी व बच्चों के साथ कोई अनहोनी घटना घटित हो सकती है तथा मेरी जमीन जायदाद को खुर्द-बुर्द कर दी जाएगी। आरोपी स्कूल के बच्चों को हाइजेक कर प्रशासन पर दबाव बना खुद को जिंदा साबित करना चाह रहा था। फिलहाल आरोपी पुलिस रिमांड पर है। पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है।

एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि शुक्रवार को सिवाना क्षेत्र के चूली बेरा स्कूल में मिठोड़ा निवासी बाबुराम पुत्र पूनमाराम भील ने एक कक्षा कक्ष में पेट्रोल व चाकू लेकर गया था तथा कक्षा में बैठे बच्चों व शिक्षिका को बंद कर दिया। स्कूल के प्रधानाध्यापक व अन्य शिक्षकों ने दरवाजा तोड़ा तो आरोपी ने उन पर चाकू से वार किया। बीच-बचाव में आए ग्रामीण को भी चोटें लगी थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को मौके पर पकड़ कर धुनाई कर दी। मौके पर पहुंची ने आरोपी को भीड़ से छुड़ा अस्पताल में उपचार करवाने के बाद आरोपी बाबूराम को गिरफ्तार कर लिया।

मामले की जांच के लिए सिवाना डीएसपी नीरज शर्मा के सुपरविजन में गठित एसआइटी की जांच में सामने आया कि आरोपी को आशंका थी कि उसका मृत्यु प्रमाण पत्र बना कर उसकी जमीन खुर्द-बुर्द की जा सकती हैं। इस पर उसने खुद को जिंदा साबित करने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाना चाह रहा था। आरोपी इससे पहले भी प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए मोबाइल टॉवर भी चढ़ चुका है। स्वयं की पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा कर चुका है। आरोपी बाबुराम बार-बार घटना घटित कर अपने आप को जिंदा होने का प्रमाण देना चाहता है।

रोजगार की तलाश में गया था गुजरात, वापस आकर बनाई योजना

आरोपी बाबूराम करीब एक पखवाड़ा पहले ही रोजगार की तलाश में गुजरात के करजन इलाके में गया था। रोजगार नहीं मिलने पर 18 जुलाई शाम को वहां से बस से सिवाना के लिए रवाना हो गया। बीच रास्ते में आरोपी ने रामपुरी चाकू व पेट्रोल भी लिए। सुबह सिवाना पहुंचने पर आरोपी ने शराब पीकर दोपहर को सिवाना से पादरू होते हुए सिणधरी जाने वाली बस में बैठ गया। आरोपी बाबुराम का उद्देश्य था की मैं घर जाकर पानी की टंकी के पास छुपकर बैठ जाऊंगा तथा रात्रि या सुबह के समय कोई बड़ी आपराधिक घटना कारित कर सकूं व स्वयं पर पेट्रोल छिड़क आग लगाने की प्रशासन को धमकी दूंगा। बस जैसे ही चूली बेरा स्कूल के पास पहुंची तो आरोपी के दिमाग में आया कि स्कुल के बच्चों को बंधक बना कर प्रशासन पर दबाव बनाऊं।

तस्कर की एक करोड़ की सम्पत्ति फ्रीज की तैयारी

जोधपुर @ पत्रिका. जोधपुर जिला ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में सक्रिय एक आरोपी की करीब एक करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को अभिग्रहण करने की कार्रवाई शुरू की है। आरोपी की और भी सम्पत्तियां होने की संभावना है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि कपूरिया गांव निवासी किशनाराम पुत्र रामूराम जाट काफी समय से मादक पदार्थ की तस्करी में सक्रिय है। उसके खिलाफ 23 फरवरी 2018 को भोजासर, 7 मार्च 2018 को मतोड़ा, 7 अगस्त 2019 को खेड़ापा और 22 अगस्त 2023 को भोजासर थाने में मादक पदार्थ तस्करी के मामले दर्ज हैं।

दुकान पर बैठे युवक का दिनदहाड़े अपहरण

पलसाना @ पत्रिका. रानोली कस्बे में दिनदहाड़े दुकान पर बैठे एक युवक के अपहरण कर लिया। पुलिस ने आरोपियों का पीछा कर घटना के दो घंटे बाद ही युवक को दस्तयाब कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

रानोली थाने के एएसआइ बलबीर सिंह ने बताया कि रानोली बस स्टैंड स्थित हनुमान यादव की दुकान पर दोपहर में किशनपुरा निवासी राहुल जाट (21) बैठा था। इस दौरान वहां पर दो गाड़ियों में सवार होकर आए त्रिलोकपुरा निवासी अशोक, हिम्मत सिंह व अन्य लोग राहुल का अपहरण कर गाड़ी में डालकर फरार हो गए। पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले तो दो गाड़ियों की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया। आरोपी सीकर होते हुए सांवली रोड से देवगढ़ रोड पर पीड़ित को छोड़कर फरार हो गए।

गुजरात से माउंट आबू घूमने आया था परिवार

सैलानी के ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार

माउंट आबू @ पत्रिका. थाना पुलिस ने पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में सात घूम के पास पर्यटक के हुए ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश कर गुजरात के बनासकांठा क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दल ने तलहटी, मानपुर, आबूरोड क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए संदिग्धों को चिह्नित कर गुजरात के बनासकांठा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से त्रिवेन्द्र कुमार उर्फ टीवा, राहुल पुत्र पुनाभाई गरासिया, जयेश चौहान, और मुकेश गरासिया को दस्तयाब कर माउंट आबू थाने में लाया गया। आरोपियों ने पूछताछ करने पर आपसी कहासुनी के बाद घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

यह थी घटना : 15 जुलाई को माउंट आबू पुलिस थाने में मंगाभाई पुत्र पद्माभाई निवासी रुनी, पुलिस थाना बालेनणा जिला पाटन गुजरात ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह, उसका भांजा संजय, साहिल, भतीजे किरण, निकुल व रिश्तेदार मयंक, रसिक सहित सातों जने माउंट आबू घूमने आए थे। नक्की झील में बोटिंग के बाद माउंट आबू से दोपहर में वापस जाने के लिए रवाना हो गए। माउंट आबू-आबूरोड के बीच रास्ते में सात घूम के पास वे लघुशंका करने रुके थे। जहां पर पहले से दो युवक दीवार पर बैठे हुए थे। इस दौरान साहिल की उन दोनों युवकों से कहासुनी हो गई। कुछ समय बाद बाइक से तीन युवक और माउंट आबू की तरफ से आए और पांचों ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

नीमकाथाना @ पत्रिका. जिले के झिरना मोड़ पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई तथा दूसरा घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घटना की सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया। मृतक के शव को नीमकाथाना जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। अगली सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार भूदोली निवासी धर्मपाल और जितेंद्र गाड़ी में सवार होकर श्रीमाधोपुर अपनी बहन को छोड़कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान झिराना मोड़ के पास हादसा हो गया। हादसे में धर्मपाल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसको गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक धर्मपाल के शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया।

1971 के युद्ध में शहीद हुए थे पिता, तब ढाई महीने की थी बेटी

शहीद की प्रतिमा का अनावरण, बेटी की आंखें छलकी

ह्यूमन एंगल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

गणेश्वर/नीमकाथाना. गांव बल्लमदासपुरा (गावड़ी) में शहीद नायक सवाई सिंह की प्रतिमा का अनावरण सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजोर व कर्नल अजय शर्मा ने किया। प्रतिमा अनावरण के दौरान शहीद की बेटी विनोद कंवर अपने आंसुओं को छलकने से नहीं रोक सकी।

प्रेमसिंह बाजोर ने कहा कि शहीदों के सम्मान में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए, हम सब को देश और समाज से में आगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने लाडलो को देश सेवा का पाठ पढ़ाये, बच्चो को मोबाइल के दुरुपयोग से रोके। हर मांगलिक कार्यो में शहीदों को याद करना चाहिए। कर्नल अजय शर्मा ने शहीद परिवार का सम्मान किया। शहीद के नाम का विद्यालय होगा जिसके प्रयास तेज कर दिए गए हैं। नीमकाथाना जिले में खेतडी व उदयपुरवाटी के अलावा 1400 शहीद परिवार हैं। प्रदेश में 1773 शहीदों की प्रतिमा लगाई जा चुकी हैं। नाथा की नांगल निवासी श्रीपाल ने शहीद का परिचय दिया। 1971 में भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए सवाई सिंह के एक बेटी थी वहीं घर का चिराग थी। उस समय बेटी विनोद कंवर करीब ढाई महीने की थी। जीवित रहते हुए उसने अपने पिता की शक्ल तक नहीं देखी, आज उसी के देख रेख में शहीद पिता की प्रतिमा का अनावरण हुआ। वीरांगना शकुंतला कंवर अब इस दुनिया में नहीं है। बेटी विनोद के तीनों बेटे सरकारी नौकरी में हैं।

आज का राशिफल गुरुवार, 25 जुलाई 2024

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* कॅरियर संबंधी महत्वपूर्ण फैसले लेने पड़ेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परिवार के साथ लंबी यात्रा के योग हैं।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* सामाजिक समारोह में शामिल होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पिता के साथ गंभीर विषय पर चर्चा होगी।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* धार्मिक कार्यों में सहभागिता होगी। समय के साथ कार्यों को पूर्ण करें। आलसी रवैये से नुकसान हो सकता है।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डु, डे, डो* मनचाहा जीवन साथी मिलने से प्रसन्न होंगे। आपके व्यवहार से लोग आकर्षित होंगे। पूजा पाठ में शामिल होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* पूंजी निवेश से अच्छा परिणाम प्राप्त होगा। नए वस्त्रों की प्राप्ति आज हो सकती है। वाहन पर धन खर्च होगा।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* कारोबार में नई तकनीक से लाभ होगा। कार्यस्थल पर कर्मचारियों की अनियमिता से परेशान रहेंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* वित्तीय मामलों में दूसरों पर भरोसा न करें। भावनात्मक संबंधों में नजदीकियां बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की मिलेगी।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* व्यस्त जिंदगी में कुछ समय अपनों को भी दें। आज कठोर वाणी से काम बिगड़ सकते हैं।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* व्यर्थ की चिंता छोड़ दें। आज सफलता के योग है। धार्मिक यात्रा संभव।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* लंबे समय से चले आ रहे विवाद आज सुलझ सकते है। संतान सुख संभव। विदेश जाने के योग है।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* अपना व्यवहार और आचरण बदले। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर तनावपूर्ण माहौल रहेगा।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* परिवार के खिलाफ जा सकते है। जल्दबाजी में कुछ फैसले लेने पड़ेंगे। संचित धन का उपयोग सतर्कता पूर्वक करें।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र
ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	मुहर्रम-18	मास:	श्रावण
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	कृष्ण

आज का दिन
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

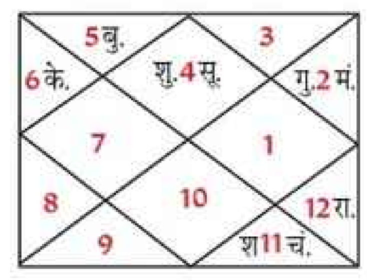

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 07-32 तक शुभ, पूर्वाह्न 10-53 से अपराह्न 03-54 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा सायं 05-34 से सूर्यास्त तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-06 से दोपहर 01-00 बजे तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: पंचमी पूर्णा संज्ञक तिथि अर्द्धरात्रोत्तर 01-59 तक, तदन्तर षष्ठी नन्दा संज्ञक तिथि है। पंचमी तिथि में समस्त शुभ व मांगलिक कार्य, स्थिर व चंचल कार्य, सिद्ध होते हैं। किन्तु कर्ज देना अच्छा नहीं होता। षष्ठी तिथि में युद्ध, वास्तु अलंकार व अन्य मांगलिक कार्य सिद्ध होते हैं।

नक्षत्र: पूर्वाभाद्रपद "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र सायं 04-16 तक, तदुपरान्त उत्तराभाद्र पद "ध्रुव व ऊर्ध्वमुख" संज्ञक नक्षत्र है। पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र में कारीगरी, साहस, काटना, कृषि, विद्या व जल-यन्त्र सम्बन्धी कार्य और उत्तराभाद्र पद नक्षत्र में सभी शुभ व मांगलिक कार्य करने योग्य हैं।

योग: शोभन नामक नैसर्गिक शुभ योग प्रात: 07-48 तक, तदन्तर अन्तरात 04-34 तक प्रीति नामक नैसर्गिक शुभ योग और इसके बाद सुकर्मा नामक शुभ योग है।

करण: कौलव नामकरण अपराह्न 03-19 तक, तदन्तर तैतिल व गरादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज नाग पंचमी (राजस्थान), मेला नाग पंचमी व हरदेव पूजा जयपुर (राज.) तथा पंचक सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

चंद्रमा : चंद्रमा कुम्भ राशि में पूर्वाह्न 10-45 तक तदुपरान्त मीन राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज गृह-प्रवेश का अतिआवश्यकता में पूर्वाभाद्र नक्षत्र मुहूर्त है, पर नक्षत्र त्याज्य दोष युक्त है।

दिशाशूल: गुरुवार को दक्षिण दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार पूर्वाह्न 10-45 तक पश्चिम दिशा की व इसके बाद उत्तर दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभ है।

राहुकाल (मध्यममान से): दोपहर बाद 1-30 बजे से अपराह्न 3-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर हैं।

आज जन्म लेने वाले बच्चे-आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (द, दी, दू, थ, झ) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। पूर्वाह्न 10-45 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि कुम्भ व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि मीन है। कुम्भ राशि के स्वामी शनिदेव व मीन राशि के स्वामी देव गुरु बृहस्पति हैं। सामान्यत: ये जातक मान-सम्मान पाने वाले, विद्यावान, ज्योतिष प्रेमी, धनवान और प्रतिष्ठा पाने वाले होते हैं। इनका भाग्योदय 26-27 वर्ष की आयु तक होता है। कुम्भ राशि वाले जातकों को सभी क्षेत्रों में सफलता मिलेगी। राज-समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से कुछ पीड़ा हो सकती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बजटीय प्रावधानों की दी जानकारी, 92 हजार करोड़ के निवेश की बात कही

कुंभ के लिए बड़ी संख्या में चलेंगी स्पेशल ट्रेन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि अगले साल प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बड़ी तादाद में स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना पर उनका विभाग गंभीरता से विचार कर रहा है।

वैष्णव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उत्तर, उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्व रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पत्रकारों को बजटीय प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश में रेल विकास के लिए कुल 92 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीए के कार्यकाल 2004 से 2014 में उत्तर प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए 1109 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में बढ़ाकर 19 हजार 848 करोड़ रुपए कर दिया गया है। जो पिछली सरकार की तुलना में 18 गुना ज्यादा है।

40 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स को चिन्हित किया

वैष्णव ने कहा कि कुंभ सुगम रूप से चलें और श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए 40 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशन का विभिन्न चरणों में पुनर्विकास होगा। कुंभ की तैयारियों की समीक्षा मुख्यमंत्री स्वयं कर रहें हैं। कहीं कोई कमी नहीं रहें, इसके लिए जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया जा रहा है।

10 सालों में 4900 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बिछाए

उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में पिछले 10 सालों में 4900 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं, जो पूरे स्विट्जरलैंड के रेलवे ट्रैक की लंबाई से अधिक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी रेल ट्रैकों/मार्गों का 100 फीसदी विद्युतीकरण हो चुका हैं। रेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में 1490 फ्लाईओवर/अंडरपास का निर्माण हुआ है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का जीवन सुगम हुआ है और दुर्घटनाओं की संख्या कम हुई है।

ललितपुर : युवक की चाकू मार कर हत्या: ललितपुर @ पत्रिका. सदर कोतवाली क्षेत्र में चाकू लगने से घायल युवक की बुधवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ग्राम मैलवारा खुर्द निवासी संतराम राय (35) अपने बहनोई मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ निवासी सोवरन के साथ मंगलवार को नवीन गल्ला मंडी स्थित बैंक में कृषि कार्ड के रुपए जमा करने आया था। रुपए जमा करने के उपरांत वह दोनों सदर कोतवाली अंतर्गत बाजार आए। जब वह सावरकर चौक के पास लक्ष्मीपुरा मार्ग पर थे, तभी उसके ही गांव के निवासी प्रकाश सेन ने अपने दो साथियों के साथ उस पर चाकूओं से हमला कर दिया। जिससे संतराम घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने टीमों को गठित कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं।

गोण्डा : पोते ने की दादा की हत्या, तीन गिरफ्तार: गोण्डा @ पत्रिका. मनकापुर क्षेत्र में पटेश्वरी हत्याकांड का खुलासा कर पुलिस ने बुधवार को एक युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गत 20 जुलाई को भरहूभट्टा गांव में पटेश्वरी नामक एक 77 वर्षीय वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। इस सिलसिले में परिजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले के खुलासे के लिए गठित टीम ने घटना का अनावरण कर हत्यारोपी रिंका चौहान, दिनेश और सलमान को मनकापुर क्षेत्र में स्थित फायर स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और मोबाइल बरामद कर लिया। आरोपी रिंका ने बताया कि उसके दादा पटेश्वरी ने उसको संपत्ति से बेदखल कर सारी संपत्ति अन्य पौत्र के नाम कर रहे थे, जिससे क्षुब्ध होकर उसने अपने मित्र दिनेश संग अपने दादा की हत्या कर दी।

यूपी : विधानसभा सत्र 29 जुलाई से होगा शुरू, कार्यक्रम जारी: लखनऊ @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत 29 जुलाई से होगी। विधानमंडल सत्र को लेकर कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विधानमंडल का सत्र 29 जुलाई को शुरू होगा और 2 अगस्त को खत्म होगा। सत्र के पहले दिन औपचारिक कार्य होंगे। इस दौरान अध्यादेशों, अधिसूचनाओं और नियमों को सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसके बाद 30-31 जुलाई और 1-2 अगस्त को विधायी कार्य होंगे।लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विधानसभा का यह पहला सत्र होगा। इस सत्र में विपक्षियों की ओर से राज्य के कानून व्यवस्था के साथ-साथ बाढ़ की स्थितियों और किसानों से जुड़े मुद्दे को लेकर सरकार से जवाब मांगा जा सकता है। वहीं, विपक्ष प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक का मुद्दा भी उठा सकता है।

बजट पर बोले अखिलेश यादव

सरकार बचाने के लिए दिया जा रहा है स्पेशल पैकेज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए आम बजट को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोगों को चपत लगाने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि बजट से उत्तर प्रदेश की जनता निराश है। डबल इंजन की सरकार से उत्तर प्रदेश की आस पूरी नहीं हुई। उत्तर प्रदेश में नौजवानों के पास नौकरी का संकट है। यह सरकार युवाओं को सम्मान जनक रोजगार नहीं दे सकती है। भाजपा की सरकार में उत्तर प्रदेश पीछे छूट गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जो बजट पेश हुआ है, उससे साफ दिखाई देता है कि सरकार कितनी कमजोर है। हम लोग तो किसानों के लिए समर्थन मूल्य मांग रहे थे। किसान-गरीब के लिए पैकेज मांगते हैं। लेकिन, यह सरकार उन्हें पैकेज दे रही है, जो सरकार चलवा रहे हैं। सरकार चलवाने के लिए पैकेज मिल रहा है। बिहार को पैकेज मिला, आंध्र प्रदेश को पैकेज मिला।

कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों के नाम के मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यह सौहाद्र की जीत है। भाजपा नफरत फैलाती है। जनता नफरत के खिलाफ एकजुट है। भाजपा अब नफरत फैलाने में सफल नहीं होगी।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को जानकारी है कि कैंसर की बीमारी बढ़ रही है, लेकिन भाजपा सरकार समाजवादी सरकार के दौरान लखनऊ में बनाए गए कैंसर इंस्टीट्यूट के लिए बजट नहीं दे रही। सरकार कैंसर इंस्टीट्यूट नहीं चला पा रही है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। किसान की आय दोगुनी करने का कोई रोडमैप नहीं है। किसानों की फसलों में एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं मिला। मंडियों के लिए कोई बजट नहीं दिया गया। भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों को धोखा दिया है। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चौपट है।

डबल इंजन की सरकार आपस में टकरा रहीं

उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार आपस में टकरा रही है। ऐसा लगता है उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने दिल्ली सरकार से बजट में कुछ मांगा ही नहीं। केन्द्र की सरकार ने उत्तर प्रदेश को बजट में कुछ विशेष देना तो छोड़िए, उत्तर प्रदेश का नाम तक नहीं लिया। समाजवादी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जहां तक बनाया था, आज भी वहीं तक रह गया। अगर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को गाजीपुर बलिया से बक्सर तक जोड़ दिया जाता, तो देश में भागलपुर से दिल्ली तक पूरा एक्सप्रेस-वे मार्ग मिल जाता, लेकिन सरकार ने उसके लिए बजट नहीं दिया। भाजपा का कम्युनल मुद्दा खत्म हो गया है। सम्प्रदायिकता का दिया आखिरी समय में फडफड़ा रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने हिमांशु कुमार को किया गिरफ्तार, 160 करोड़ की संपत्ति जब्त

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने लंबे समय से फरार चल रहे शाइन सिटी ग्रुप ऑफ कंपनीज के बड़े राजदार हिमांशु कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

कोर्ट में पेश करने पर हिमांशु कुमार की 7 दिनों की कस्टडी रिमांड मंजूर की गई है। यह गिरफ्तारी शाइन सिटी के मामलों में बड़ी सफलता मानी जा रही है। ईडी ने शाइन सिटी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। कंपनी और उसके निदेशकों की 160.28 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। यह संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत दर्ज मामलों की जांच के दौरान जब्त की गई हैं।

हिमांशु कुमार वर्तमान में निवेशकों से वसूले गए पैसों से हाउसिंग प्रोजेक्ट चला रहे हैं। ईडी की जांच में यह भी पता चला कि इन परियोजनाओं के माध्यम से भी लोगों को ठगा जा रहा है। हिमांशु कुमार की गिरफ्तारी शाइन सिटी की धोखाधड़ी में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ईडी की सख्त कार्रवाई से उम्मीद है कि इस मामले में और भी बड़े खुलासे होंगे और दोषियों को सजा मिलेगी। कंपनी की धोखाधड़ी से प्रभावित लोगों को न्याय मिलने की संभावना बढ़ गई है।

554 एफआईआर के आधार पर जांच

ईडी ने शाइन सिटी के खिलाफ दर्ज करीब 554 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी कंपनी के प्रमोटरों और सहयोगियों ने पोंजी-पिरामिड स्कीम की आड़ में जनता से धन इकट्ठा किया और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश के झूठे वादों के माध्यम से लोगों को ठगा। हिमांशु कुमार ने श्रद्धा सबुरी इंफ्रा-डेवलपर्स, स्केपर्स रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड, भव्या ब्रॉडकास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और रियलकॉन लिंक जैसी कई फर्जी कंपनियां स्थापित की। इन कंपनियों के माध्यम से ग्राहकों से एकत्रित धन को विभिन्न संस्थाओं में ट्रांसफर किया गया। हिमांशु कुमार के व्यक्तिगत खातों और उसकी स्वामित्व वाली कंपनियों में करीब 40 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

पेपर लीक मामला

मास्टरमाइंड राजीव नयन को हाईकोर्ट से मिली जमानत

प्रयागराज @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आरओ, एआरओ भर्ती परीक्षा पेपर लीक के मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा को इलाहाबाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने जमानत दे दी है।

जस्टिस संजय कुमार पचौरी की सिंगल बेंच ने मामले में सुनवाई की। हालांकि आरोपी अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। राजीव नयन मिश्रा को इससे पहले पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने के मामले में भी जमानत मिल चुकी है। आरओ, एआरओ पेपर लीक मामले में कौशांबी में दर्ज एफआईआर में भी वह जमानत पा चुका है। हालांकि कौशांबी पुलिस ने राजीव नयन मिश्र और उसके गिरोह के 22 अन्य लोगों के खिलाफ एक दिन पहले ही गैंगस्टर का केस दर्ज किया है।

फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं देने पर संभागीय निरीक्षक निलंबित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. प्रदेश सरकार ने चित्रकूट में स्कूली बस का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही बरतने पर जिले के संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जबकि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के विरूद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

दरअसल, मंगलवार को चित्रकूट के श्रीजी इंटर कॉलेज, खोह के छोटे-छोटे बच्चों को लेकर आ रही दो बसों को वाहन का फिटनेस समाप्त होने के कारण सहायक संभागीय परिहन अधिकारी (प्रवर्तन) चित्रकूट की टीम ने सीज कर बच्चों सहित 10 किमी दूर पुलिस लाइन ले जाया गया। जहां वाहन को 11:15 बजे सीज कर फायर सर्विस परिसर पुलिस लाइन में दाखिल किया गया व 01:05 बजे छोड़ा गया। इसके चलते करीब दो घंटे तक बस को खड़ा रखा गया। मामला बुधवार को संज्ञान में आने के बाद योगी सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की।

खुलासा : शादी से मना करने पर की थी पिता की हत्या, बेटा गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बस्ती. दुबौलिया क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को बिहारी हत्या काण्ड का खुलासा करते हुए आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को सांडपुर गांव में खेत में सो रहे बिहारी (60) की हत्या कर दी गई थी। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी, जिसमें दुबौलिया पुलिस एवं स्वाट टीम ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपी पुत्र राजकुमार को विशेषरगंज बाजार से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसके पिता बात-बात में गाली देते थे। 2020 में उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी, जिसके कारण वह दूसरी शादी करने के लिए उनसे कहता था, लेकिन वो मना कर देते थे। जिससे वह बहुत परेशान हो गया था। इसलिए 11 जुलाई की रात को खेत में सो रहे पिता की उसने लाठी से प्रहार कर हत्या कर दी।

बुंदेलखंड | उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना की जानकारी भी दी

शस्य तकनीकी का किया जा रहा मानकीकरण : डॉ. सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में प्याज की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए उन्नत किस्मों की पहचान और उनकी शस्य तकनीकी का मानकीकरण भी किया गया है।

डॉ सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर क्षेत्र विशेष की शोध प्राथमिकताओं पर परियोजनाओं का सतत वित्त पोषण किया जा रहा है।

उन्होंने काला नमक चावल की दो नवीन प्रजातियों का विकास और विभिन्न कृषि यंत्रों के विकास की जानकारी दी। जो भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के सहयोग से किए गए हैं।

उन्होंने पेठा उद्योग के लिए पेठा कद्दू की उन्नत किस्मों का विकास, कछार क्षेत्र में उच्च उत्पादकता वाली सब्जियों की किस्मों का मूल्यांकन और आम में अनियमित फलन प्रबंधन के कार्यों पर भी चर्चा की और कहा कि इसके अलावा, बुंदेलखंड क्षेत्र में खरीफ प्याज की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए उन्नत किस्मों की पहचान और उनकी शस्य तकनीकी का मानकीकरण भी किया गया है।

उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना की जानकारी दी, जिसके तहत उत्कृष्ट कार्यों के लिए वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि नीति, कृषि विश्वविद्यालय मेरठ और पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय मथुरा की स्थापना के प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं।

मिलेट्स से संबंधित 10 परियोजनाओं का क्रियान्वयन

डॉ. सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मिलेट्स/पौष्टिक अनाज की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत मिलेट्स से संबंधित 10 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। फसल मौसम सतर्कता समूह की साप्ताहिक/पाक्षिक बैठकों के माध्यम से किसानों को मौसम और कृषि संबंधित संस्तुतियां पहुंचाई जा रही हैं।

उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत कृषि शिक्षा में सुधार के लिए उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा की गई, जिसमें एग्रीकल्चर इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना, छात्रों की प्रवेश संख्या में वृद्धि, शिक्षकों के रिक्त पदों को भरना और नए कोर्स का संचालन शामिल है।

पटना में बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी व कार्यकर्ताओं ने विधानसभा मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने बलपूर्वक कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया।

विपक्ष के हंगामे से बिहार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

पोस्टर-बैनर लेकर सदन के बीच पहुंचे विपक्षी, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बावजूद विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. विधानसभा में मॉनसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और राज्य में 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर विपक्ष के भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही भोजनावकाश तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने जनहित के मद्देनजर उनकी ओर से दिए गए कार्यस्थगन प्रस्तावों को स्वीकार करने पर जोर दिया। हालांकि, सभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने उन्हें उचित समय पर मुद्दे को उठाने का सुझाव दिया, जिस पर विपक्षी सदस्य पोस्टर और बैनर लेकर सदन के बीच में आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

सीएम नीतीश कुमार ने विपक्ष खासकर कांग्रेस सदस्यों की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बावजूद विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे।

आरक्षण सीमा 50% से बढ़ाकर 65% की

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रश्नकाल के दौरान हस्तक्षेप करते हुए हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने और ध्यान से उनकी बात सुनने को कहा। लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी मांगों के समर्थन में हंगामा करते रहे। उन्होंने कहा कि सभी दलों के नेताओं की सहमति और समर्थन से उन्होंने जाति आधारित सर्वेक्षण कराया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर एससी, ईबीसी और ओबीसी के लिए आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दी गई। उन्होंने केंद्र से राज्य के 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश पहले ही कर दी है।

बक्सर में दूध व्यवसायी की हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बक्सर. मुफस्सिल थाना क्षेत्र में अपराधियों ने दूध व्यवसायी की हत्या कर दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि महदह गांव निवासी दूध व्यवसायी मनोज यादव (45) मंगलवार की रात घर के बाहर सोया हुआ था। इस दौरान अपराधियों ने धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मनोज के परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

मानव तस्कर से एसएसबी ने नाबालिग लड़की को कराया मुक्त

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुपौल. सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने मानव तस्करी के उद्देश्य से नेपाल से भारत ले जा रहे एक नाबालिग लड़की को तस्कर से मुक्त कराया है।

45वीं बटालियन के कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि सीमा चौकी कुनौली के क्षेत्र में सीमा स्तंभ संख्या 223 के पास एक पारंपरिक मार्ग है। इस मार्ग पर सीमा चौकी द्वारा चेक पोस्ट स्थापित कर 24 घंटे ड्यूटि तैनात रहती है। इस क्रम में गश्ती दल द्वारा देखा गया की 500 मीटर भारतीय सीमा से एक लड़का एक लड़की को साथ में लेकर नेपाल से भारत आने का प्रयास कर रहा था।

संदेह के आधार पर गश्ती दल द्वारा रोका कर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान लड़की ने अपना नाम कल्पना (काल्पनिक नाम) उम्र 17 वर्ष बताया। व्यक्ति से पूछताछ में उसने अपना नाम अर्जुन, ग्राम पृथ्वीपुर, जिला बदायूं यूपी बताया।

दोनों सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में थे

उसने बताया कि पिछले 06 महीने से यह दोनों सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में थे एवं उन्होंने शादी रचा ली और अब लड़का नाबालिग लड़की को लेकर अपने घर बदायूं जा रहा है। आधार कार्ड देखने पर लड़की नाबालिग थी तथा शादी के संदर्भ में लड़की के घरवालों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। भारत में नाबालिग के साथ विवाह गैर कानूनी होने के कारण आवश्यक कागजी कार्यवाई के उपरांत संबन्धित सभी दस्तावेजों सहित लड़का एवं नाबालिग लड़की को थाना कुनौली के सुपुर्द कर दिया गया।

व्यवसायी के घर डकैती करने वाले नौ अपराधी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजगीर. नालंदा जिले की सोहसराय थाना पुलिस ने सोहडीह मुहल्लाल में पिछले 10 जुलाई को व्यवसायी के घर हुई डकैती कांड का उद्भेदन करते हुए नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने बताया कि इनके पास से 8 लाख 80 हजार रुपए, 179 ग्राम सोना, तीन किलो 700 ग्राम चांदी, डकैती में इस्तेमाल की गई कार, दो देशी कट्टा और 10 कारतूस बरामद किए हैं।

दो बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

पटना @ पत्रिका. राजधानी के रूपसपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना दीघा एम्स एलिवेटेड रोड पर हुई।

हेमंत सोरेन की पहल

कैमरून, दक्षिणी अफ्रीका में फंसे 27 प्रवासी मजदूरों की कुशल घर वापसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखंड सरकार के त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से कैमरून, दक्षिण अफ्रीका में फंसे झारखंड के 27 प्रवासी श्रमिकों की बुधवार को सकुशल घर वापसी हो गई।

सभी 27 प्रवासी श्रमिक बॉम्बे मेल ट्रेन नंबर 12322 से झारखंड के पारसनाथ स्टेशन पहुंचे। स्टेशन पर जिला प्रशासन ने उनका स्वागत किया। विदित हो कि झारखंड सरकार ने वापस लौटे 27 प्रवासी मजदूरों की सकुशल वापसी के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा था। उसके बाद विदेश मंत्रालय की सक्रियता से मजदूरों की वापसी संभव हो सकी।

पारसनाथ रेलवे स्टेशन पर कैमरून, दक्षिण अफ्रीका से लौटे प्रवासी श्रमिकों का एक समूह।

हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया

इस दौरान सभी श्रमिकों ने कहा कि मुख्यमंत्री के त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से हमलोग आज अपने घर सकुशल लौटे हैं। लौटने वालों श्रमिकों में 18 बोकारो, 4 गिरिडीह तथा 5 हजारीबाग जिले के श्रमिक हैं। सीएम ने भी मोबाइल पर श्रमिकों से संवाद कर उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

आंदोलन नहीं, बातचीत से ही खुलेगी समाधान की राह

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक तटस्थ अम्पायर की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसान लम्बे समय से आंदोलनरत हैं। पंजाब से हरियाणा में किसानों की आवाजाही रोकने के लिए इस साल फरवरी में ही शंभू बॉर्डर को बंद किया गया था। पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसे खोलने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ हरियाणा राज्य ने अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हरियाणा सरकार की दलील थी कि शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। इस बीच बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है। ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, यह लग रहा है। ऐसा इसलिए भी कि आंदोलनरत किसान आरोप लगा रहे हैं कि केन्द्र सरकार ने उन्हें अब तक जो आश्वासन दिए हैं उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है।

यह सच भी है कि बात करने से ही बात बनती है। स्वतंत्र विशेषज्ञों की समिति बनती है तो उसका स्वरूप क्या होगा यह तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है।

केंद्रीय बजट: राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के प्रति प्रतिबद्धता सराहनीय, प्रत्यक्ष कर का दायरा व्यापक करने की जरूरत

शिक्षा व प्रशिक्षण से रोजगार तक समर्थन

अजीत रानाडे
लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं (द बिलियन प्रेस)
@patrika.com

दरअसल, भारत को बड़े पैमाने पर मानव पूंजी में निवेश की जरूरत है ताकि दीर्घकालिक, टिकाऊ और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सके। उस निवेश को सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत के बेंचमार्क तक पहुंचाने की जरूरत है, जबकि फिलहाल यह इसका आधा ही है। यह निवेश निजी और सार्वजनिक दोनों स्रोतों से आ सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार के पहले बजट ने मोदी 3.0 की आर्थिक नीतियों की रूपरेखा तैयार कर दी है, जिसे एनडीए सहयोगियों की मंजूरी की भी जरूरत होगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का यह रेकॉर्ड सातवां बजट था, भले ही बजट प्रस्ताव छह महीने के लिए लागू होंगे। अगले साल नए बजट से पहले, ये प्रस्ताव सरकार की आर्थिक दृष्टि को सुस्पष्ट करते हैं। स्पष्टतया: रोजगार सृजन, कौशल और प्रशिक्षण, युवाओं के लिए प्रशिक्षण और छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। बजट प्रस्तावों में ऊर्जा चुनौती का भी उल्लेख है क्योंकि अब वक्त कोयला और जीवाश्म ईंधन से हरित और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की ओर जाने का है। इसलिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के साथ परमाणु ऊर्जा का उल्लेख किया जाना महत्त्वपूर्ण है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के आम बजट प्रस्तावों का मुख्य जोर या उद्देश्य रोजगार सृजन पर और छोटे व्यवसायों की मदद पर है। रोजगार सृजन आजीविका और कौशल प्रोत्साहन के माध्यम से किया जाना है जबकि छोटे व्यवसायों की मदद एमएसएमई को किसी भी संपार्श्विक प्रतिभूति (कोलेटरल) के बिना और निर्यात बाजारों तक पहुंच को सक्षम बनाकर की जानी है। कैपिटल गेन पर भी टैक्स में बढ़ोतरी हुई है। कुछ अर्थों में, इस बजट को श्रम-केंद्रित विकास की एक धुरी भी कहा जा सकता है जिसमें मानव पूंजी में बढ़ोतरी और सुधार शामिल है। सरकार ने अब रोजगार सृजन और रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित किया है बनिस्पत उत्पादन और राजस्व को प्रोत्साहन देने के। मानव पूंजी में निवेश के लिए प्राथमिक शिक्षा और आंशिक रूप से माध्यमिक शिक्षा को सार्वजनिक धन से वित्तपोषण जरूरी है क्योंकि इसके सामाजिक लाभ बेहद व्यापक हैं। लेकिन, कॉलेज शिक्षा और कौशल व प्रशिक्षण सहित आगे की शिक्षा को करदाताओं द्वारा वित्तपोषित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उच्च शिक्षा और कौशल का लाभ मुख्य रूप से व्यक्ति को मिलता है और समाज को केवल गौण रूप से। कौशल और कॉलेज की डिग्री और डिप्लोमा के अतिरिक्त लाभ उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन के संदर्भ में हैं, पर तब भी इसे मुफ्त प्रदान करने का कोई मजबूत औचित्य नहीं है। भारत को कौशल प्रदान करने के लिए मुख्य चुनौती यह है कि प्रशिक्षित होने के लिए उत्सुक अधिकांश युवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वास्तविक लागत वहन नहीं कर सकते हैं। अधिकांश कौशल प्रशिक्षण ऑन-द-जॉब लर्निंग के रूप में होता है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम में इसे शामिल किया जाए। शीर्ष स्तरीय कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप भी करते हुए सीखने की दिशा में एक अहम कदम होगा। कौशल और उच्च शिक्षा के लिए शुल्क छात्र यानी प्राथमिक लाभार्थी को ही वहन करना चाहिए। यह बजट छात्र ऋण तक आसान और सस्ती पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अच्छा काम करता है। आने वाले वर्षों में भारत में उच्च शिक्षा के वित्तपोषण का यह प्रमुख तरीका होना चाहिए। एमएसएमई का उद्योग, निर्यात और रोजगार में बड़ा हिस्सा है, इस पर फोकस भी स्वागतयोग्य है।

घाटे को कम करने के लिए रिजर्व बैंक से मिले राजकोषीय लाभ के आधे हिस्से का ही उपयोग राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है। भारत को आयकर रणनीति पर व्यापक पुनर्विचार की जरूरत है। प्रत्यक्ष कर का दायरा व्यापक करने की जरूरत है, स्लैब शून्य से लेकर शीर्ष दर तक कुछ लाख रुपए के दायरे में न हों। शीर्ष स्तर उच्च आय पर लागू होना चाहिए, जैसे कि 1 करोड़ से अधिक। पर छूट खत्म होनी चाहिए। जैसा कि वित्त मंत्री ने कहा, कर सुधारों के लिए नया व्यापक आर्थिक ढांचा आने वाला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए ढांचे में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं का दोहन करने के लिए भारत लाभप्रद स्थिति में होगा। इसलिए सभी क्षेत्रों में आयात शुल्क कम करने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। कैपिटल गेन्स पर कर की उच्चतर दर का अस्थायी असर पड़ सकता है, पर लचीलेपन और मध्यम मुद्रास्फीति के साथ उच्च वृद्धि के कारण दुनिया में भारत की अलग छवि है। रोजगार सृजन व कौशल को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों और राजकोषीय समेकन के साथ कोई कारण नहीं है कि उच्च विकास को बरकरार नहीं रखा जा सकता है। देर-सबेर वित्तीय बाजार भारत की इस ताकत को मानेंगे।

फैक्ट फ्रंट

अंतरिक्ष में चलने वाली पहली महिला स्वेतलाना

रूसी अंतरिक्ष यात्री स्वेतलाना सवित्स्काया 25 जुलाई 1984 को अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली विश्व की पहली महिला बनीं। स्वेतलाना ने 3 घंटे, 35 मिनट तक स्पेसवॉक किया। वे 1982 में सोयुज टी-7 मिशन के तहत अंतरिक्ष में पहुंची थीं। इस तरह वे अंतरिक्ष में जाने वाली दूसरी महिला बनीं। उन्हें हीरो ऑफ द सोवियत यूनियन, ऑर्डर ऑफ लेनिन और ऑर्डर ऑफ द बैज ऑफ ऑनर से भी नवाजा गया। साथ ही साल 2014 में सोची (रूस) विंटर ओलंपिक में उन्हें रूसी ध्वज उठाने का सम्मान दिया गया।

भविष्य में पूर्ण क्षमता से युक्त होगा कार्यबल

विकास इंजनों को प्राथमिकता देने वाला समावेशी बजट

लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन
संस्थापक व प्रबंध ट्रस्टी, भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट
@patrika.com

वित्तमंत्री ने 2024-25 के बजट में युवाओं और महिलाओं समेत प्रमुख हितधारकों के प्रति हर संभव उदार दृष्टिकोण अपनाकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट तरीके से पेश की हैं। कौशल और रोजगार की अनेक प्रोत्साहन योजनाएं इस बजट के प्रमुख नवाचार हैं। आम बजट में युवाओं के कौशल और रोजगार सृजन के लिए सार्थक और महत्त्वपूर्ण आवंटन किया गया है। लक्ष्य यह है कि भविष्य के लिए कार्यबल अपनी पूर्ण क्षमता से युक्त हों।

रोजगार का सृजन करना एक प्रमुख चुनौती है। वित्तमंत्री ने अगले पांच वर्षों में 20 लाख युवाओं को कौशलयुक्त बनाने के लिए एक नई केंद्र प्रायोजित योजना की घोषणा की, जो राज्यों और उद्योग के सहयोग से एक सकारात्मक चक्र को बढ़ावा देगी जहां कुशल कार्यबल एमएसएमई को उसकी प्रभावशीलता और कामकाज के प्रदर्शन का विस्तार करने के लिए सशक्त बनाएगा और एमएसएमई युवाओं के लिए करियर के अवसर प्रदान करने वाला होगा। इसमें युवाओं के सैकड़ों मील दूर किसी बड़े शहर में जाने की जरूरत भी नहीं है। कर्ज तक पहुंच को संबोधित करने के लिए, नई योजना के तहत विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए 100 करोड़ रुपए तक गारंटी कवर प्रदान करने का प्रस्ताव है ताकि वे मशीनरी और उपकरण आदि खरीद सकें। बिना किसी जमानत या तीसरे पक्ष की गारंटी की इस क्रेडिट गारंटी योजना से आधुनिकीकरण, विस्तार और बेहतर दक्षता के लिए एमएसएमई की बड़े ऋण तक पहुंच आसान हो जाएगी। बजट में एमएसएमई के लिए क्रेडिट मूल्यांकन में बदलाव का भी प्रस्ताव है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपने डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर व्यवसायों का आकलन करने के लिए आंतरिक क्षमताओं का विकास करेंगे, बजाय केवल पारंपरिक संपत्ति या टर्नओवर मानदंडों पर निर्भर रहने के। औपचारिक लेखांकन प्रणाली के बिना यह सही कदम है जो व्यवसायों के हित में है। हालांकि, माइक्रो-इंटरप्राइजेज, विशेषकर महिलाओं और एससी/एसटी उद्यमियों के बीच सीमित डिजिटल तत्परता (सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी द्वारा सक्षम डिजिटल वर्कफ्लो में संगठन के कार्यबल की तत्परता स्तर) को संबोधित करने की भी जरूरत है।

एक अन्य महत्वपूर्ण कदम-उद्यमों के लिए पूंजी उपलब्धता सुगम बनाने के लिए टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य ऑनबोर्डिंग (तेजी से चालान भुगतान के लिए) के लिए टर्नओवर सीमा 500 करोड़ रुपए से घटाकर 250 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है। इससे एमएसएमई रियायती दर पर इनवॉयस बेचकर तीव्रता से कार्यशील पूंजी हासिल कर सकेंगे। उनके लिए संचालन में पुनर्निवेश, आपूर्तिकर्ताओं को समय पर भुगतान और नए विकास के अवसरों का लाभ प्राप्त करना संभव होगा। इसके अतिरिक्त, एमएसएमई और कारीगरों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निर्यात सेवाओं की सुविधा के लिए ई-कॉमर्स निर्यात केंद्रों की स्थापना भी स्वागतयोग्य है।

एक ओर एमएसएमई कुशल कार्यबल का लाभ उठा सकेंगे तो दूसरी ओर कौशल से परिपूर्ण युवा इन गतिशील उद्यमों में करियर बना पाएंगे या तरक्की के अवसर हासिल कर सकेंगे।

इस बजट का एक मुख्य उद्देश्य देश में गरीबी का उन्मूलन करना भी है। ऐसे समुदार्य जिनमें गरीबी ज्यादा व्याप्त है, उनके उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

संतुलित क्षेत्रीय विकास की दिशा में प्रयास

'डेमोग्राफिक डिविडेंड' का लाभ उठाने का रोडमैप

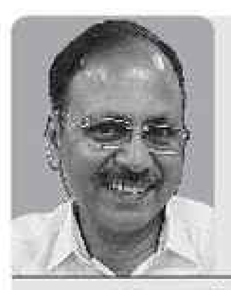

हरीश्वर दयाल
प्रोफेसर, मानव विकास संस्थान (आइएचडी)
@patrika.com

समावेशी विकास किसी भी अर्थव्यवस्था की प्राथमिकता रहती है। केंद्र सरकार की नीतियों एवं कार्यों का उद्देश्य भी 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। वर्तमान बजट को इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है।

बजट 2024-25 की प्राथमिकता वैसे वर्गों एवं वैसे क्षेत्रों का विकास है जो देश के औसत से कम विकसित हैं। इस बजट में चार वर्गों यथा- युवा, किसान, महिला एवं गरीबों के विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। विश्व के विकसित देशों की तुलना में भारत की कुल जनसंख्या में युवाओं का प्रतिशत अधिक हैं। इस युवा जनसंख्या को अगर सार्थक कार्यों में लगाया जाए तो देश का विकास बहुत तेज गति से होगा और देश जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) का फायदा उठा पाएगा। इस तथ्य को ध्यान में रख कर इस बजट ने युवाओं के रोजगार के लिए अधिक अवसर सृजन करने का प्रयास किया गया है। इस बजट में एक तरफ युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए प्रावधान किए गए हैं तो दूसरी तरफ संरचनात्मक विकास, उत्पादन के क्षेत्र में निवेश बढ़ा कर एवं रोजगारदाताओं को प्रोत्साहित कर के अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। कृषि क्षेत्र के विकास एवं किसानों की आय को बढ़ाने के लिए भी इस बजट में कई प्रावधान किए गए हैं।

बालिकाओं एवं महिलाओं के विकास एवं सशक्तीकरण के लिए भी उचित प्रावधान किए गए हैं। बालिकाओं एवं महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए इस बजट ने तीन लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। महिलाओं की श्रम भागीदारी को बढ़ाने के लिए कामगार महिलाओं के लिए हॉस्टल एवं कामगार माताओं के लिए क्रेच स्थापित करने का प्रावधान इस बजट में किया गया है। बजट का एक मुख्य उद्देश्य देश में गरीबी का उन्मूलन करना भी है। ऐसे समुदाय जिनमें गरीबी ज्यादा व्याप्त है, उनके उत्थान के लिए प्रावधान किए गए हैं। अनुसूचित जनजाति उनमें से एक है। अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान के तहत 63000 गांवों के करीब 5 करोड़ आदिवासियों को लाभ पहुंचाने का प्रावधान इस बजट में किया गया है ।

अल्प विकसित राज्यों एवं क्षेत्रों या विशेष आवश्यकता वाले राज्यों के लिए भी इस बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। बिहार एवं असम के विकास के लिए एवं आंध्रप्रदेश की राजधानी के विकास के लिए किया गया आवंटन इसी श्रेणी में आता है। इसे इस सरकार की राजनितिक बाध्यता के रूप में भी देखा जा सकता है। लेकिन, पूर्वोत्तर राज्यों के विकास या पूर्वी क्षेत्र के उत्थान के लिए किए गए प्रावधान संतुलित क्षेत्रीय विकास की दिशा में सार्थक प्रयास है।

प्रसंगवश

हवा होते जा रहे बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन के दावे

सरकार चाहे मौजूदा हो या पूर्व, उसकी घोषणा सरकार की घोषणा मानी जाती है न कि किसी राजनीतिक दल की

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के नाम पर सरकार की घोषणाओं से तो ऐसा लगता है कि कोई भी बालिका धन की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रह पाएगी। लेकिन, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत बालिकाओं की निजी स्कूलों में प्रवेश का पुनर्भरण करने के सरकार के दावे हवा होते नजर आएं तो लगता है कि कथनी और करनी में अंतर होने लगा है। हैरत की बात यह है कि सैकड़ों बालिकाओं को स्कूली स्तर पर ही नवीं और दसवीं कक्षा की पढ़ाई में बाधा इसलिए आ गई है क्योंकि सरकार ने वादे के मुताबिक निजी स्कूलों को फीस की राशि का पुनर्भरण किया ही नहीं। ये स्कूल अब अभिभावकों से बकाया फीस का तकाजा कर रहे हैं जो उनके बूते के बाहर है। सरकारी अनदेखी के चलते वंचित वर्ग की बालिकाओं को करीब पन्द्रह करोड़ रुपए की फीस का भुगतान उन निजी स्कूलों को नहीं हुआ जिनमें ये छात्राएं पढ़ रही हैं।

पूर्ववर्ती सरकार ने आरटीई के तहत आठवीं तक निजी स्कूल में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं को वर्ष 2022-23 से कक्षा बारह तक नि: शुल्क शिक्षा देने की घोषणा की थी। इसमें सरकार की ओर से फीस का दो किस्तों में भुगतान किया जाना था। इस पर छात्राओं ने आठवीं पास करने के बाद सरकार की घोषणा के अनुसार पिछले साल 9वीं और फिर दसवीं कक्षा में एडमिशन लिया, लेकिन सरकार की ओर से इन छात्राओं की फीस जमा ही नहीं कराई गई। हैरत की बात यह है कि शिक्षा विभाग इस मामले में चुप्पी साधे हुए है। करीब 21 हजार से अधिक ऐसी छात्राओं का भविष्य अधर में हो गया है जिन्होंने सरकार की घोषणा पर भरोसा करते हुए उच्च कक्षा में दाखिला लिया था। यह प्रकरण उजागर भी नहीं होता यदि ऐसे एक मामले में श्रीगंगानगर के एक अभिभावक ने शिक्षा विभाग से जानकारी नहीं मांगी होती। जानकारी नहीं मिली तो यह अभिभावक अदालत की शरण में जा पहुंचा तब जाकर शिक्षा विभाग ने चुनिंदा निजी स्कूलों को दी जाने वाली फीस की एक किस्त जमा कराकर खानापूर्ति कर दी।

एक तरफ सरकार योजनाओं के जरिए बालिकाओं को निजी स्कूलों में दाखिले के लिए प्रोत्साहित करती है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे बर्ताव से अभिभावकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार चाहे मौजूदा हो या पूर्व, उसकी घोषणाएं सरकार की घोषणा मानी जाती है न कि किसी राजनीतिक दल की। ऐसे में शिक्षा विभाग को इस दिशा में समय रहते समुचित निर्णय करना चाहिए। - शरद शर्मा

sharad.sharma@in.patrika.com

सतत कृषि-खाद्य प्रणाली को बढ़ावा: प्राकृतिक खेती पर दिया गया है खास जोर, इससे एक करोड़ किसानों को जोड़ने का लक्ष्य

कृषि क्षेत्र का कायाकल्प करने की दिशा में उठाए कदम

विनायक निकम | किरण कुमार टीएम
राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
अमित गोस्वामी
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
@patrika.com

इस बजट में भारतीय कृषि के संरचनात्मक परिवर्तन पर जोर दिया गया है, ताकि टिकाऊ और जलवायु- सुदृढ़ कृषि-खाद्य प्रणाली की ओर तेजी से आगे बढ़ा जा सके।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट ने कृषि क्षेत्र पर अधिक जोर दिया गया है। कृषि में उत्पादकता और सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में नौ प्राथमिकताएं शामिल हैं। कृषि और संबंधित गतिविधियों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 8 प्रतिशत अधिक है। मछली पालन क्षेत्र में पिछले साल के संशोधित अनुमान की तुलना में बजट में 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पशुपालन और डेयरी उद्योग में 15.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्राथमिक ध्यान कृषि अनुसंधान, साख्यिकीकरण, सहयोग, उन्नत मूल्य शृंखलाओं और विविधीकरण पर दिया गया है।

कृषि अनुसंधान में परिवर्तन: बजट में उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि अनुसंधान की समीक्षा का प्रस्ताव है। सार्वजनिक और बाहरी संस्थानों के विशेषज्ञ इस अनुसंधान की निगरानी करेंगे। इस वर्ष 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की 109 उच्च-उपज और जलवायु-संवेदनशील किस्मों को लक्षित किया गया है। कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग का बजट बढ़ाकर 9941 करोड़ रुपए किया गया है।

सतत कृषि-खाद्य प्रणाली के लिए प्राकृतिक खेती: एक सतत कृषि-खाद्य प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, प्राकृतिक खेती पर मुख्य जोर दिया गया है। इसके लिए, एक करोड़ किसानों को दो वर्ष में प्रमाणन और विपणन चिह्न के समर्थन से प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा 10000 आवश्यकता-आधारित जैव- सामग्री संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम को वैज्ञानिक संस्थानों और इच्छुक ग्राम पंचायतों की मदद से लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत आवंटन को पिछले वर्ष (2022-23) के संशोधित अनुमान 100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 365 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

दालों, तिलहन और सब्जियों पर ध्यान : दालों और तिलहनों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के साथ खाद्य और पोषण सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार ने दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा है। आत्मनिर्भरता उत्पादन, भंडारण और विपणन पहलुओं पर फोकस किया गया है। सब्जी उत्पादन में सुधार और संतुलित आपूर्ति शृंखलाओं के लिए, बजट ने प्रमुख उपभोग केंद्रों के पास सब्जी समूह स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। मूल्य श्रृंखला संचालन को मजबूत करने के लिए किसान उत्पादक संगठन और कृषि उद्यमिता परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना: पायलट परियोजना की सफलता से उत्साहित होकर, केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर अगले तीन वर्षों में कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को लागू करेगी। इस अवधि के दौरान 6 करोड़ किसानों का विवरण प्राप्त किया जाएगा। पांच राज्यों में जन समर्थ-आधारित किसान क्रेडिट कार्ड पेश किए जाएंगे। बजट ने भूमि सुधारों के हिस्से के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की भूमि के लिए एक विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या या 'भू-आधार' आवंटित करने की भी घोषणा की है, जिसमें भू मानचित्र का डिजिटलीकरण, मानचित्र उपखंडों का सर्वेक्षण, भूमि रजिस्ट्री की स्थापना और इसे किसानों की रजिस्ट्री से जोड़ना शामिल है।

मत्स्य क्षेत्र: झींगा पालन को बढ़ावा देने के लिए, बजट में झींगा प्रजनन स्रोत के लिए न्यूक्लियस ब्रीडिंग सेंटरों का नेटवर्क स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। झींगा पालन, प्रसंस्करण और निर्यात के वित्तपोषण के लिए नाबार्ड समर्थन करेगा। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत आवंटन को पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान 1500 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2352 करोड़ रुपए कर दिया है।

राष्ट्रीय सहकारिता नीति: सहकारी क्षेत्र के व्यवस्थित और सर्वांगीण विकास के लिए, एक राष्ट्रीय सहकारिता नीति विकसित की जाएगी, जिसका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तेजी से वृद्धि और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप योजनाओं के माध्यम से सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए अधिक धन भी आवंटित किया गया है।

कुल मिलाकर, इस बजट में भारतीय कृषि के संरचनात्मक परिवर्तन पर जोर दिया गया है, ताकि टिकाऊ और जलवायु- सुदृढ़ कृषि-खाद्य प्रणाली की ओर तेजी से आगे बढ़ा जा सके।

आपकी बात

जरूरी है आत्मनिर्भरता

चीन पर माइक्रोसॉफ्ट आउटेज का प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि वह विदेशी सिस्टम पर निर्भर नहीं है। भारत को भी इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है।

-विनायक गोयल, रतलाम, मध्यप्रदेश

आज का सवाल

इंडेक्सेशन बेनेफिट खत्म होने का रियल एस्टेट पर क्या असर होगा?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से क्या सबक लिया जाना चाहिए?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें। https://shorturl.at/BrPcG

कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का प्रदर्शन: पानी के प्रहार से कई घायल

प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व सीएम भूपेश बघेल व अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे प्रदर्शन में शामिल

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ी। सदन में विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव के जरिए सवालों की बौछार की, तो दूसरी तरफ विधानसभा का घेराव करने निकल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अंवति बाई चौक के पास रोकने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का उपयोग करना पड़ा। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं की बीच जमकर झूमाझटकी हुई। इससे कुछ पुलिसकर्मी और कार्यकर्ता घायल भी हुए। पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। इस आंदोलन में पहली बार कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी शामिल हुए। पायलट, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज व पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बैरिकेड के पास पहुंचकर कार्यकर्ताओं का हौसला भी बढ़ाया।

रायपुर. लोधीपारा चौक पर प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग को तोड़ते कांग्रेसी। वॉटर कैनन की बौछार से बचते कांग्रेसी।

मुख्यमंत्री की पहल पर वित्त विभाग ने दी मंजूरी

नालंदा परिसर की तर्ज पर 13 नगरीय निकायों में बनेगी लाइब्रेरी

■ 4 नगरीय निकायों में 500 सीटर और 9 नगरीय निकायों में 200 सीटर लाइब्रेरी का होगा निर्माण

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. राजधानी के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर लाइब्रेरी निर्माण के प्रस्ताव को वित्त विभाग से हरी झंडी मिल गई है। प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी के लिए 85 करोड़ 42 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। प्रदेश के 4 नगरीय निकायों में 500 सीटर और 9 नगरीय निकायों में 200 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने मुख्य बजट भाषण में भी इसका जिक्र करते हुए कहा था, युवाओं के अध्ययन के लिए नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि इन केंद्रों को नॉलेज बेस्ड सोसायटी यानी ज्ञान आधारित समाज के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाए, ताकि ये युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत और सरकार के लिए एक आदर्श बन सके। लाइब्रेरी का निर्माण उन विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगा, जो छोटे शहरों में रहकर उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करना चाहते हैं या फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। लाइब्रेरी निर्माण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास को सुनिश्चित करना है।

इन निकायों में बनेगी लाइब्रेरी

कवर्धा	वार्ड 09
दुर्ग	वार्ड 55 पुलगांव
बालोद	वार्ड 15 शासकीय कॉलेज के पीछे
बेमेतरा	वार्ड 13
राजनांदगांव	गौरव पथ रोड
कांकेर	वार्ड 07
नारायणपुर	परेड ग्राउंड के पास
जांजगीर नैला	वार्ड 22
लोरमी	वार्ड 15
बलौदाबाजार	वार्ड 02
कुनकुरी	ग्राम सालियाटोली
जशपुर	वार्ड 12
अंबिकापुर	वार्ड 12

सारंगढ़-बिलाईगढ़

कांग्रेस नेता की धारदार हथियार से हत्या, लेन-देन की आशंका

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायगढ़. धारदार हथियार से वार कर कांग्रेस नेता की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना बरमकेला थाना क्षेत्र की है। कमरीद निवासी हरिराम पटेल सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत सरिया थानाक्षेत्र के ब्लाक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य थे। बुधवार की सुबह खून से लथपथ लाश बरमकेला थाना क्षेत्र के सिंगारपुर अंतर्गत एक नाले के पास पाई गई।

मामले की जानकारी मिलते ही बरमकेला पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह हत्या लेनदेन की वजह से हुई है। इस मामले की जांच के लिए पुलिस की तीन टीम बनाई गई हैं। सड़क किनारे उनकी हत्या की गई और लाश को घसीटते हुए नाला के पास ले जाया गया। कुछ दूरी पर मृतक की बाइक भी बरामद की गई है।

कोल स्कैम

विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय सहित 11 को समंस

रायपुर@पत्रिका. कोल स्कैम में विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, कांग्रेस नेता आरपी सिंह और विनोद तिवारी को 500-500 रुपए का जमानती वारंट जारी किया गया है। साथ ही रजनीकांत तिवारी, मनीष उपाध्याय, नवनीत तिवारी, नारायण साहू, पीयूष साहू और अन्य को नोटिस जारी किया गया है।

मानसून सत्र : प्रश्नकाल में सत्ता और विपक्ष में नोकझोंक

सरकार को नक्सली मुठभेड़ पर घेरा, मंत्री बोले- जवानों का मनोबल मत तोड़िए

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. विधानसभा के मानसून सत्र में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान नक्सली मुठभेड़ को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने प्रदेश में हुई नक्सली घटनाओं पर सवाल किया था। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने नक्सली मुठभेड़ के नाम पर निर्दोष आदिवासियों को मारने का आरोप लगाया। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, झूठे आरोप बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। आरोप लगाकर जवानों का मनोबल तोड़ने का काम मत करिए। इसके बाद सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

प्रश्नकाल में नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा, 6 महीने में 180 या 183 दिन होते हैं। इस दौरान कुल 273 नक्सली घटनाएं हुई हैं। उन्होंने गृहमंत्री से पूछा कि नक्सलियों ने 34 आम नागरिकों की हत्या कैसे की। गृहमंत्री ने कहा, 4 की हत्या जन अदालत लगाकर की गई है। मुखबिरी की आरोप में 24 लोगों की हत्या नक्सलियों ने की है। 6 लोग नक्सलियों की ओर से बिछाए गए माइंस की चपेट में आने से मारे गए। महंत ने भरमार बंदूक को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा नक्सली मुठभेड़ के बाद भरमार बंदूक ही क्यों बरामद होती है। यह बंदूक चलती भी है या नहीं। गृहमंत्री नक्सलियों के पास से जब्त आधुनिक हथियारों की सूची भी गिनाई। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी व कवासी लखमा ने फर्जी मुठभेड़ का आरोप लगाया था।

सीधे घर पर आएगा तबादला आदेश

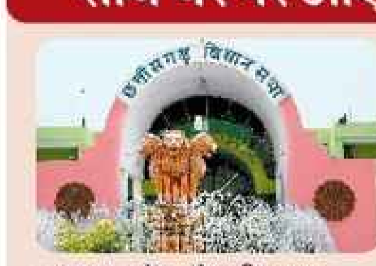

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने नक्सल प्रभावित कर्मचारियों की मैदानी क्षेत्र में पदस्थापना और आवास का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस के जवानों की 10-10 साल की सेवा देने के बाद भी मैदानी क्षेत्र में पदस्थापना नहीं हो रही है। इस पर गृहमंत्री ने कहा, नक्सल क्षेत्र में काम करने के लिए अतिरिक्त भत्ता मिलता है। इस वजह से बहुत से लोग वहीं काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि तबादले के लिए 694 आवेदन आये हैं। इसमें 305 पात्र हैं। उन्होंने कहा, इसकी चिंता हमें भी है। इसलिए तबादलों को लेकर ऐसा सिस्टम बना रहे हैं, जिससे किसी को नेता-अफसर के चक्कर नहीं काटने होंगे। सिर्फ ऑनलाइन आवेदन देना होगा, इसके बाद तबादला आदेश सीधे घर पर आएगा।

जब विधानसभा अध्यक्ष को पढ़ाना पड़ा अनुशासन का पाठ

विधानसभा में शून्यकाल के बाद ध्यानाकर्षण पर चर्चा शुरू हुई। इस दौरान सदस्य जब ध्यानाकर्षण की सूचना पढ़ रहे थे, तो सत्ता पक्ष के कुछ विधायक दूसरे विधायकों के टेबल के पास जाकर चर्चा करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद जब मंत्री जवाब देने लगे, तो विपक्ष के विधायक भी वही आचरण कर रहे थे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, आप लोग जैसे बाजार में खड़े होकर बात करते हैं, वैसे ही कर रहे हैं। सभी को सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए।

शालेय खेलों में अब नहीं खेल सकेंगे सीबीएसई स्कूलों के विद्यार्थी

रायपुर@पत्रिका. छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले शालेय खेलों मे अब सीबीएसई स्कूलों के खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इस संबंध में बुधवार को लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर दिया है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीआईएफ) ने राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सीबीएसई को अलग से संबंद्धता प्रदान कर दी है। इसलिए अब छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित किए जाने वाले प्रतियोगिताओं में सीबीएसई स्कूलों के बच्चों को खेलने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस आदेश के बाद अब ब्लॉक, जिला, संभाग और राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिताओं में केवल छत्तीसगढ़ बोर्ड के स्कूलों के बच्चों को ही खेलने का मौका मिलेगा।

शालेय गेम्स के बजट पर पड़ेगा असर: सीबीएसई स्कूलों के बच्चों के शालेय खेलों में शामिल नहीं करने पर शालेय गेम्स के बजट पर बड़ा प्रभाव देखने को मिलेगा। अब तक सीबीएसई स्कूल वाले हाईस्कूल के प्रत्येक बच्चे के खेलने पर 50 रुपए और हॉयर सेकंडरी के प्रत्येक बच्चे पर 65 रुपए खेल शुल्क के रूप में लोक शिक्षण संचालनालय को देते थे। अब सीबीएसई के बच्चे को अनुमति नहीं मिलने से शुल्क नहीं मिलेगा और उसके बजट में कमी आएगी। अब शालेय खेलों के आयोजन और स्पोर्ट्स किट समेत समस्त खर्चों को स्कूल शिक्षा विभाग को अतिरिक्त बजट का प्रावधान करना पड़ेगा।

अभी राहत नहीं: बिलासपुर-कोरबा में बारिश की लगी झड़ी

रायपुर समेत 23 जिलों में आज ऑरेंज और 8 में कल यलो अलर्ट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. रायपुर समेत 23 जिलों में गुरुवार को और 8 जिलों में शुक्रवार को एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इसके लिए येलो व आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार खारून समेत शिवनाथ, इंद्रावती, शबरी नदी में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति आ सकती है।

प्रदेश की ये प्रमुख नदियां इन दिनों उफान पर हैं। बुधवार को बिलासपुर संभाग में कोरबा समेत कई जगहों पर लगातार बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में 37 स्थानों पर भारी वर्षा हुई, जिनमें 5 स्थानों पर अतिभारी पानी गिरा। रायपुर में बुधवार को हल्की बारिश हुई और पिछले 9 घंटे में 10 मिमी व 24 घंटे में 88.7 मिमी पानी बरस गया।

यहां हुई बारिश

भैरमगढ़ व कुटरू में 150 मिमी, लवन व कसडोल में 130, कुसमी में 120, पिथौरा व महासमुंद में 110, बागबाहरा, बास्तानार, खरोरा व पथरिया में 90, लालबहादुर नगर, कोमाखान, सोनाखान, बसना, धरसींवा, आरंग, पाटन, मंदिर हसौद व लाभांडी में 80, बड़े बचेली, अहिवारा, गंगालूर, गीदम, दर्री, कटेकल्याण, बलौदाबाजार में 70 मिमी पानी गिरा।

कोरबा: बाढ़ में फंसे बच्चियों को ग्रामीणों ने निकाला

कोरबा. पिछले 24 घंटे से जिले में हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। कई क्षेत्रों में बारिश का पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। विकासखंड पाली के गांव चैतमा स्थित स्कूल से घर लौटते समय बच्चे रास्ते में फंस गए। ग्रामीणों की मदद से बच्चे अपने घर तक सुरक्षित पहुंचे।

इन जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट

रायपुर के अलावा कोरिया, मनेंद्रगढ़, सूरजपुर, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा, कोरबा, बलौदाबाजार, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, बस्तर, दंतेवाड़ा व नारायणपुर के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं बिलासपुर, खैरागढ़, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, मुंगेली, कांकेर व बीजापुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इनमें यलो अलर्ट

आगामी 48 घंटे के लिए कोरिया, मनेंद्रगढ़, गौरेला-पेंड्रा, बिलासपुर, मुंगेली, बेमेतरा, कवर्धा व खैरागढ़ जिलों में येलो अलर्ट रहेगा और एक-दो जिलों में भारी बारिश के आसार हैं।

बालोद : नाली में बहे मासूम का शव तीन किमी दूर कांटों में फंसा मिला

बालोद. जिले के डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम भेंडी में नाली में बहे 3 साल के मासूम नैतिक सिन्हा का शव 20 घंटे के बाद 3 किमी दूर नाले में कांटों में फंसा मिला। एनडीआरएफ और ग्रामीणों ने शव को खोज निकाला। इधर जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भुनेश्वरी सिन्हा एवं सहायिका शीत बाई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मासूम के परिजनों को आरबी 6/4 के तहत 4 लाख मुआवजा दिया जाएगा।

विदेशों में गाड़ी चलाने 6 महीने में रेकॉर्ड 1.18 लाख से ज्यादा ड्राइविंग लाइसेंस बने

रायपुर @ पत्रिका. प्रदेश में 51 ट्रांसजेंडरों और 355 लोगों ने विदेशों में वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए। परिवहन विभाग द्वारा पिछले 6 महीनों में रेकॉर्ड 1 लाख 18058 लाइसेंस बनाए गए। इसमें पिछले साल की अपेक्षा 20 फीसदी का ग्रोथ हुआ है। 1 जनवरी से 30 जून तक 102227 पुरुष, 15780 महिला और 51 ट्रांसजेंडर द्वारा डीएल बनाया गया। जबकि, इसी अवधि में पिछले साल 99975 लाइसेंस बनाए गए थे। इसमें 86415 पुरुष, 13519 महिला और 41 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

परिवहन विभाग और पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि वाहनों की बिक्री बढ़ने के कारण लाइसेंस बनवाने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के कारण भी लाइसेंस बनवाने वालों की संख्या बढ़ी है। बता दें कि 50 सीसी से अधिक क्षमता वाले वाहन को चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। इसके बिना वाहन चलाते हुए पकड़े जाने पर चालान और सजा का प्रावधान है।

वाहन चलाते हुए नाबालिग के पकड़े जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत उसके परिजनों पर 10000 से 25000 रुपए और 3 साल तक की सजा का प्रावधान है। वहीं, बालिग के पकड़े जाने पर 1000-2000 रुपए जुर्माना लगाया जाता है।

मनमानी दुर्ग में आटोमेटेड फिटनेस सेंटर का मामला, वाहन चालकों को भरना पड़ रहा जुर्माना, एजेंट वसूल रहे चार गुना फीस

आरटीओ अधिकारी की जगह फिटनेस सर्टिफिकेट में कंपनी मैनेजर कर रहा साइन, दो राज्यों में अमान्य

पत्रिका एक्सपोज

बीरेंद्र शर्मा
patrika.com

भिलाई. दुर्ग जिले में कमर्शियल वाहनों के फिटनेस के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। यह पूरा खेल राज्य शासन द्वारा प्रमाणित दुर्ग ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर में चल रहा है। यहां कमर्शियल वाहनों के फिटनेस पेपर पर अधिकृत हस्ताक्षर की जगह सेंटर का संचालक खुद अपना ही साइन करके वाहन मालिकों को दे देता है, जिसे अन्य राज्यों में नकार दिया जाता है। इससे वाहन चालकों को भारी भरकम जुर्माना भरना पड़ता है। दुर्ग शहर से 15 किलोमीटर दूर कचांदुर स्थित दुर्ग आटोमेटेड फिटनेस सेंटर की इस करतूत से कमर्शियल वाहन चालक परेशान हैं। यहां भी दलालों की पैठ है। यहां फिटनेस के नाम पर आरटीओ में लगने वाली फीस 800 रुपए की जगह एजेंट 3200 रुपए अधिक वसूल रहे हैं। यहां वाहन मालिकों को 4 हजार रुपए अधिक देने पड़ते हैं। इस तरह अलग-अलग वाहनों की फीस आरटीओ के मुकाबले कई गुना अधिक है। लम्बी दूरी की ट्रक चलाने वाले चालक धीरेन्द्र वाधवा ने बताया कि उनकी चार ट्रकें हैं। गुजरात और महाराष्ट्र में अक्सर आना जाना है। अक्सर फिटनेस को लेकर परेशानी होती है। वहां दुर्ग आटोमेटेड फिटनेस के सर्टिफिकेट को नहीं मानते हैं। ऑनलाइन देखने के लिए बोलने पर नहीं समझते हैं। फिटनेस सेंटर के मैनेजर ने दावा किया कि सेंटर के अंदर एजेंट को नहीं आने दिया जाता है। जबकि हकीकत उसके दावे को झुठलाता है।

दुर्ग. शहर से 15 किलोमीटर दूर स्थित आटोमेटेड फिटनेस सेंटर।

सरकार ने फिटनेस का निजीकरण किया है। तभी से गाइडवाइन के आधार पर हस्ताक्षर करते हैं। आपको सही जानकारी हेड ऑफिस रायपुर से मिलेगी।

एसटालिन लकड़ा, आरटीओ दुर्ग

आरटीओ के अधिकारी के हस्ताक्षर की जरुरत नहीं है। पुरानी सरकार में प्रावधान किया था। मोटर वीकल एक्ट के तहत वे हस्ताक्षर कर रहे हैं। यह नियम में है।

डी रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

यह है नियम

छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार ने आरटीओ से फिटनेस सेंटर को अलग कर प्राइवेट सेक्टर को हाथ में दे दिया। पूरा सिस्टम ऑनलाइन किया। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी कमर्शियल वाहनों के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट जरुरी है, जो परिवहन विभाग द्वारा स्थापित आईएंडसी सेंटर से जारी किया जाएगा। इसके लिए परिवहन विभाग का एक अधिकारी सेंटर में मौजूद रहेगा। वहीं सर्टिफाइड कर जारी करेगा।

मैनेजर बोले-कंपनी ने अधिकृत किया है, मैं ही साइन करके देता हूं

फिटनेस सेंटर के मैनेजर ताज मोहम्मद ने बताया कि उन्होंने कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है। बीएससी पास कर इस व्यवसाय में पहली बार आए हैं। उसका कहना है कि फिटनेस सेंटर के अंदर किसी एजेंट को नहीं आने दिया जाता है। कमर्शियल वाहनों से निर्धारित फीस लिया जाता है। दूसरे दिन फिटनेस सेंटर के सर्टिफिकेट को गाड़ी मालिक को दिया जाता है। इसमें कंपनी के निर्देशानुसार मैं ही हस्ताक्षर करके सर्टिफिकेट वाहन चालकों को देता हूं। सील की आवश्यकता नहीं पड़ती है। सब ऑनलाइन है।

राजनांदगांव : गढ़चिरौली पुलिस के सामने किया सरेंडर

2 लाख के इनामी हार्डकोर नक्सली ने छोड़ा लाल आतंक का रास्ता

पत्रिका ब्यूरो @ राजनांदगांव. महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित आत्मसमर्पण योजना के तहत बुधवार को एक और हार्डकोर नक्सली ने लाल आतंक का रास्ता छोड़कर गढ़चिरौली पुलिस व सीआरपीएफ के सामने हथियार डालकर आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली पर महाराष्ट्र सरकार ने 2 लाख का इनाम घोषित किया था। गढचिरौली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हार्डकोर नक्सली लच्चु करीया ताडो निवासी भटपार तहसील भामरागड, जिला गढचिरौली ने बुधवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। आत्म समर्पित नक्सली लच्चु साल 2022 में इरपनार गांव के सडक निर्माण कार्य में लगे 19 वाहनों की आगजनी में सीधे तौर पर शामिल था। वहीं लच्चु 2023 में नेलगुंडा गांव के जंगल पगडंडी रास्ते पर आईईडी प्लांट करने में भी शामिल था।

आगजनी और आईईडी प्लांट करने में था शामिल

लच्चु करीया 2012-13 में जनमिलिशिया के रूप में गांव में रहकर नक्सलियों के लिए राशन लाने, संत्री ड्यूटी करने, हथियारों को छिपाकर सुरक्षित स्थान पर रखने और निर्दोष लोगों की हत्या करने से पहले उनकी रेकी कर नक्सलियों को उसकी जानकारी देता था।

टीकमगढ़: 12 घंटे बाद भी धधकती रही आग

तीन मंजिला शोरूम में आग, दम घुटने से दंपती की मौत

टीकमगढ़@पत्रिका. नगर भवन के सामने कपड़ों के तीन मंजिला शो-रूम में आग लग गई। इस पर काबू पाने के लिए प्रशासन को जिले भर से एक दर्जन फायर ब्रिगेड बुलानी पड़ी, इसके बाद भी शाम 6 बजे तक आग पर पूरी तरह से कंट्रोल नहीं हो सकी। कमरे में धुंआ भरने पर दम घुटने से सुलोचना जैन और देवेंद्र जैन की मौत हो गई। बुधवार सुबह 5.45 बजे तीन मंजिला अस्तौन एम्पोरियम शो-रूम आग की लपटों से घिर गया। पड़ोसियों ने शोरूम के सेकंड फ्लोर पर रह रहे शोरूम मालिक मनोज जैन को जगाया।

वह धुएं से भरे मकान से पत्नी भावना और दो बच्चों के साथ पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गए। लेकिन फर्स्ट फ्लोर पर इनके चाचा-चाची देवेंद्र कुमार जैन एवं सुलोचना जैन वापस नहीं निकल पाए। आग लगने की सूचना पर कलेक्टर अवधेश शर्मा, एसपी रोहित काशवानी के साथ ही यातायात प्रभारी एवं आरआई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

4.20 लाख की 21 पिस्टल और 20 बैरल जब्त, कई सौदागरों के संपर्क में था आरोपी

पिस्टल-बैरल की तस्करी करने वाला धराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खरगोन. देसी कट्टों में सबसे अधिक उपयोगी बैरल बनाने वाला पुलिस के हाथ लगा है। बेड़िया पुलिस ने करीब 4 लाख 20 हजार की 21 देशी पिस्टल सहित 20 बैरल के साथ आरोपी को पकड़ा है। बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी धर्मराज मीना ने बताया बेड़िया पुलिस ने मर्दलिया बड़ी नहर के आगे पुलिया पर घेराबंदी कर बाइक सवार शेरसिंह सुलतान सिंह सिकलीकर निवासी सिगनुर को पकड़ा।

तस्कर शेरसिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पिस्टल और बैरल के अलावा बाइक भी जब्त की है। आरोपी शेरसिंह से पूछताछ में अवैध हथियार बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है।

आरोपी ऑर्डर पर बनाता था बैरल

एसपी ने बताया, आरोपी शेरसिंह खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा और देवास से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले सौदागरों के संपर्क में था। उनको ऑर्डर पर बैरल बनाकर देता था। अब तक पुलिस पिस्टल और गोलियां बनाने वाले कई सिकलीगरों को पकड़ चुकी है, पहली बार बैरल बनाने वालों का पता चला है।

न्यूज शॉर्ट्स

टीआइ की पत्नी का वन भूमि पर दावा खारिज

ग्वालियर. अपर सत्र न्यायालय ने टीआइ विनय शर्मा की पत्नी प्रियंका शर्मा का वन विभाग की भूमि पर दावा खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अपीलार्थी अपने दावे को साबित करने में नाकाम रहा है। प्रियंका शर्मा ने अपील में तर्क दिया कि घाटीगांव के दौरार में सर्वे क्रमांक 1221 की जमीन मुन्नालाल गुप्ता से 9 जनवरी 2019 को खरीद थी। लेकिन वन विभाग इस जमीन को अपनी बता रहा है। कोर्ट ने तर्क सुनने के बाद अपील खारिज कर दी।

पत्नी की हत्या कर फंदे पर झूला पति

उज्जैन. चिंतामण थाना के गांव लेकोड़ा में बुधवार सुबह अर्जुन(48) पिता केशवराम ने पत्नी धापू बाई से विवाद के बाद उसके सिर पर हथौड़ा मार हत्या कर दी। उसके बाद खुद भी फंदे पर झूल गया। सुबह 13 साल की बेटी पड़ोस में रहने वाले फूफा के घर से अपने घर लौटी तो शव देख चिल्ला उठी। उसकी आवाज सुन पड़ोसी और रिश्तेदार पहुंचे। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची।

जिप्सी पलटने से पीएचई के कर्मचारी घायल

नर्मदापुरम. नागद्वारी मेले के लिए पचमढ़ी नागफनी से चित्रशाला तक बिछ रही पेयजल पाइप लाइन पर काम करने पीएचई के कर्मचारियों को ले जा रही जिप्सी वाहन काजरी के पास पलट गया। हादसे में ड्रायवर सहित तीन लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घायलों को पचमढ़ी अस्पताल भेजा। इनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे पिपरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया है।

वेल्डिंग कर रहे कर्मी की करंट से मौत

जबलपुर. वेयर हाउस में वेल्डिंग करते समय करंट लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। बुधवार को पुलिस ने शव का पीएम कराया। शहपुरा पुलिस ने बताया कि बरगी निवासी मिथलेश गोंड (21) शहपुरा के वेयर हाउस में मंगलवार रात वेल्डिंग कर रहा था। तार निकालते समय उसे करंट लगा। साथी कर्मचारी उसे शहपुरा अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

@10 जिले तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	30.5	सागर	29.0
भोपाल	28.5	सतना	34.3
शिवपुरी	30.0	जबलपुर	25.3
खजुराहो	32.2	नौगांव	31.0
दमोह	28.0	इंदौर	24.0

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

दूसरे स्कूल चुनने एक दिन की मोहलत, जिला मुख्यालय पहुंचने के निर्देश

355 स्कूलों में एक छात्र ने भी नहीं लिया प्रवेश, शिक्षक हटाए

प्रदेश में 35 जिलों के 323 प्रायमरी, 32 मिडिल स्कूल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश के 355 प्रायमरी और मिडिल स्कूलों में एक भी विद्यार्थी इस साल प्रवेश लेने नहीं पहुंचा। इसे शून्य नामांकन घोषित किया है। इसका खामियाजा शिक्षकों को भुगतना पड़ेगा। इन स्कूलों से शिक्षकों को हटाया जा रहा है। दूसरे स्कूलों का चुनाव करने के लिए इन्हें एक दिन की मोहलत दी है। 25 जुलाई को जिला स्तर पर इन्हें हाजिरी देना है। लोक शिक्षण संचालनालय ने बुधवार को इसके संबंध में आदेश जारी कर दिया। एक अप्रेल से शिक्षण सत्र शुरू हुआ। इसकी के साथ एडमिशन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी। गर्मी की छुट्टी के बाद 18 जुलाई से दोबारा कक्षाएं लगीं।

अधिक से अधिक बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराने के लिए प्रवेशोत्सव मनाया गया था। मंत्री सहित कलेक्टर और अधिकारी स्कूलों में भेजे गए। फिर भी कई स्कूलों में प्रवेश नहीं हुए। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसकी सूची जारी की है। इसके तहत 35 जिलों में 323 प्रायमरी और 32 मिडिल स्कूलों में जीरो ईयर घोषित हुआ है। यहां एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया। इसमें उन शिक्षकों के भी नाम हैं जिन्हें दूसरे स्कूलों में भेजा जाएगा।

बैतूल... इधर, पन्नी के सहारे प्रदेश का भविष्य

बैतूल@पत्रिका. यह दूरदराज का गांव नहीं, जिला मुख्यालय का सरकारी स्कूल है। यहां बारिश से बचाव की जिम्मेदारी पन्नी पर है। हालत यह हैं कि शिक्षक एक कमरे में पांच कक्षाओं की पढ़ाई करवा रहे हैं। जिले में ऐसे कई स्कूल हैं, जहां छत से पानी टपक रहा है, तो कहीं छत का छज्जा ही गिर रहा है। यहां शिकायत और सुझाव के कागज भी खूब चलते हैं, लेकिन बारिश का पानी उनकी स्याही भी धो देता है।

भोपाल के छह स्कूल शामिल, इनमें दो शहरी

स्कूलों में प्रवेश न लेने वालों की सूची में भोपाल के छह स्कूल शामिल हैं। इनमें दो बैरसिया से हैं तो वहीं दो ग्रामीण क्षेत्र से। दो स्कूल शहरी क्षेत्र के भी हैं, जहां बच्चे दाखिला लेने नहीं पहुंचे। यहां के शिक्षकों को उन स्कूलों में भेजा जाना है जहां शिक्षकों की कमी है।

क्लास रूम का प्लास्टर गिरा, 6 छात्राएं घायल

नरसिंहपुर. शासकीय सीएम राइस विद्यालय गोटेगांव में कक्षा 11वीं कक्ष का प्लास्टर गिरने से शाला में अध्ययनरत आधा दर्जन छात्राएं घायल हो गई। जिनमें दो छात्राओं की हालत गंभीर होने से जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। प्राचार्य उनको इलाज के लिए लेकर जिला मुख्यालय रवाना हुए हैं। नव निर्मित सीएम राईज भवन का निर्माण समय सीमा में नहीं हो पाने के कारण कक्षाएं पुराने भवन में ही संचालित हो रही थी। बुधवार को दोपहर के समय कुछ साल पहले बने भवन का प्लास्टर बच्चों के ऊपर आ गिरा।

बेंगलूरु और पुणे के लिए फ्लाइट होगी शुरू

ग्वालियर. राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट के बनने के बाद अब फ्लाइटें बढ़ाने पर जोर दिया जाने लगा है। अभी तक 6 शहरों के लिए फ्लाइट का संचालन होता आ रहा है। वहीं अब बेंगलूरु और पुणे के लिए भी फ्लाइट चलाने पर इंडिगो विचार कर रही है। बेंगलूरु के लिए अभी एक फ्लाइट एयर इंडिया की चल रही है। इस हिसाब से बेंगलूरु के लिए आने वाले समय में दो फ्लाइटें हो जाएगी। अगर सब कुछ ठीक रहा तो एक महीने में इंडिगो की पुणे के लिए भी फ्लाइट शुरू हो जाएगी। फ्लाइट शुरू करने को लेकर दो दिन पहले इंडिगो से चर्चा हो चुकी है।

रीवा के बाद अब धार में महिला से क्रूरता

देखते रहे तमाशबीन... सरेराह विवाहिता को पीटा, उठाकर ले गए आरोपी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गंधवानी(धार). रीवा मुरम कांड के बाद अब धार से महिला पर क्रूरता की तस्वीर सामने आई। सरेराह एक आदिवासी विवाहिता को सामूहिक रूप से पीटा गया और उसे उठाकर अपने साथ ले गए। बीच बाजार हुई घटना के दौरान भीड़ वीडियो बनाते हुए तमाशबीन बनी रही। वहीं, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, इसमें दो को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। ससुराल पक्ष के लोग महिला को घसीटते हुए लेकर गए। इस दौरान पथराव होने से कई लोगों को जान बचाकर भी भागना पड़ा। जानकारी अनुसार पानवा निवासी 22 वर्षीय महिला पति से विवाद के बाद करीब एक महीने से मायके गोदड़ में रह रही थी, तभी उसे ससुराल भेजने के लिए दोनों पक्षों की पंचायत बैठी थी। वहीं पर हंगामा हुआ और मारपीट में महिला के भाई विक्रम और पिता गुलसिंह को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिनका मेडिकल परीक्षण में भी हुआ है।

मदद के बजाए घटना का वीडियो बनाते रहे

आठ नामजद, दो आरोपी गिरफ्तार

गांव की महिला की शादी पानवा हुई थीं। पहले भी चार बार उसे समझा कर हमने ससुराल भेजा था। हमने ये मामला सुलझाने के लिए बैठक की थी। तभी ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट शुरू कर दी जिसमें मुझे भी चोट आई है।
- **पप्पू भंवर,** सरपंच गोदड

महिला से मारपीट के मामले में 8 लोगों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है। दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है, जल्दी उन्हें भी पकड़ेगे।
कैलाश बारिया, टीआई गंधवानी

खुलासा...फोन पर बात करते देख पत्नी पर हुआ शक

गड्ढा खोदा, सबूत मिटाने डाला नमक, आरोपी पति-देवर गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर @ पत्रिका. पत्नी के चरित्र पर शंका को लेकर महिला की हत्या करने वाले पति और उसके देवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी अनुसार किरार मोहल्ला (बिलौआ) में प्रगति किरार (33) की हत्या करने वाला पति जनवेद उर्फ सोनू किरार अब हत्या की पूरी कहानी सुना रहा है। सोनू ने पुलिस को बताया उसे प्रगति के चरित्र पर शक था। 8 जुलाई को उसने प्रगति को किसी से फोन पर बात करते सुना तो शक गहरा हो गया। गुस्से में प्रगति को पीटा गहरी चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

हत्या कर कुएं में फेंका था शव

सोनू और नरोत्तम ने बताया घर के पास उसका ढाबा और 80 बीघा के खेत में सूखा कुआं है। प्रगति की लाश को चारों कुएं पर ले गए। उसमें 4 फीट का गड्ढा खोदाकर लाश को दफन कर दिया और सबूत मिटाने नमक की बोरी डाल दी।

उसकी लाश को ठिकाने लगाना अकेले के बूते का नहीं था। इसलिए छोटे भाई नरोत्तम, पिता लक्ष्मीनारायण और चाचा घनश्याम को बताया उसने प्रगति को मारा डाला है।

जबलपुर पहुंचे सूर्या कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल, कहा-

नई तकनीक के आविष्कार और प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण में भारतीय सेना आगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. भारतीय सेना नई पीढ़ी के हथियारों के आगमन के साथ नई तकनीकों का आविष्कार कर मौजूदा प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण कर रही है। इससे हमारी सामरिक ताकत में इजाफा हो रहा है। ये बात मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने बुधवार को हेडक्वार्टर मध्यभारत एरिया में सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक में कहीं। एक जुलाई को मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ का कार्यभार संभालने के बाद यह

उनका पहला जबलपुर दौरा था। आर्मी कमांडर सबसे पहले जबलपुर के वार मेमोरियल स्थल गए। करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर भारतीय सेना के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां से वे मुख्यालय मध्य भारत एरिया पहुंचे।

सीओडी में देखा हथियारों का भंडार

आर्मी कमांडर ने सैनिकों से बातचीत की। मध्य भारत एरिया की परिचालन देखा। वन सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर में कमांडेंट ब्रिगेडियर टी सुरेश ने अग्निवीर सहित ट्रेनिंग सेंटर के बारे में बताया। यहां से आर्मी कमांडर 506 आर्मी बेस वर्कशॉप गए। कमांडेंट ब्रिगेडियर केके शर्मा ने उन्हें बताया कि 506 आर्मी बेस वर्कशॉप भारतीय सेना के द्वारा उपयोग किए जाने वाले उन्नत शस्त्रों के भंडारण और उनके रख रखाव का प्रमुख संस्थान है।

भोपाल: मामले की जांच कर रही पुलिस

बड़े तालाब में कूद प्रेमी जोड़े ने दी जान, सतना से आया था युवक

भोपाल@पत्रिका. बड़े तालाब में कूदकर प्रेमी जोड़े ने जान दे दी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। श्यामला हिल्स पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह 7.30 से 8 बजे के बीच सीएम हाउस के नीचे पंप हाउस के पास बड़े तालाब में एक महिला और एक पुरुष के शव तैरते मिले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों स्कूटी से बड़ा तालाब आए थे। कुछ समय रुकने के बाद महिला ने तालाब में छलांग लगा दी, इसके बाद पुरुष भी कूद गया। पुलिस ने बताया कि स्कूटी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर महिला की पहचान प्रिया साहू(32) पत्नी स्वर्गीय दशरथ साहू बागमुगालिया के रूप में हुई है। दूसरे शव की शिनाख्त दुर्गेश सोनी (32) साल निवासी सतना के रूप में हुई है। दुर्गेश प्रिया को लेने भोपाल आया था। दोनों के परिजनों के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का पता चल पाएगा।

ट्रेंडिंग न्यूज

आयोजन

बॉक्सिंग स्पर्धा में 185 खिलाड़ी लेंगे भाग

ग्वालियर. ग्वालियर बॉक्सिंग एसोसिएशन की मेजबानी में 27 से 30 जुलाई तक जिला बॉक्सिंग स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 185 बालक-बालिका बॉक्सर भाग लेंगे। आयोजन सचिव संतोष अर्गल ने बताया, स्पर्धा का उद्घाटन सुबह 9.30 बजे होगा। स्पर्धा में बालक-बालिकाएं भाग लेंगे।

हादसा

बस पलटने से एक यात्री की मौत, 15 घायल

खंडवा. जिला मुख्यालय से पांच किमी दूर ग्राम पांजरिया में बस पलटने से एक यात्री की मौत हो गई। जबकि 15 से ज्यादा यात्री घायल हैं। सूचना पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से यात्रियों को बस से बाहर निकाला। एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है।

संजय टाइगर

सीधी में भालू के हमले से पांच लोग घायल

सीधी. संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के खरखोती गांव में भालू ने हमला कर पांच लोगों को घायल कर दिया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में भर्ती कराया गया, जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। कुसमी जनपद के खरखोती गांव के पांच लोग बुधवार सुबह छह बजे जंगल के पास खुले में शौच के लिए गए थे। इसी दौरान भालू ने हमला कर दिया।

इसी शैक्षणिक सत्र से होगा प्रवेश, उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों को जारी किए निर्देश

एनईपी: अब तीन नहीं चार साल में पूरी होगी स्नातक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. नेशनल एजुकेशन पॉलिसी एनइपी लागू होने के तीन साल पूर्ण होने पर ग्रेजुएशन के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम को 4 साल का कर दिया गया है। अंतिम वर्ष को ऑनर्स विथ रिसर्च का दर्जा दिया है। इसमें प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को 7.5 सीजीपीए कम्युलेटिव ग्रेड प्वॉइंट एवरेज लाना अनिवार्य है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों को निर्देश जारी किए हैं। 15 दिन में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए कहा गया है। यह बदलाव विद्यार्थियों की रुचि और अनुसंधानात्मक गतिविधियों को लेकर किया गया है।

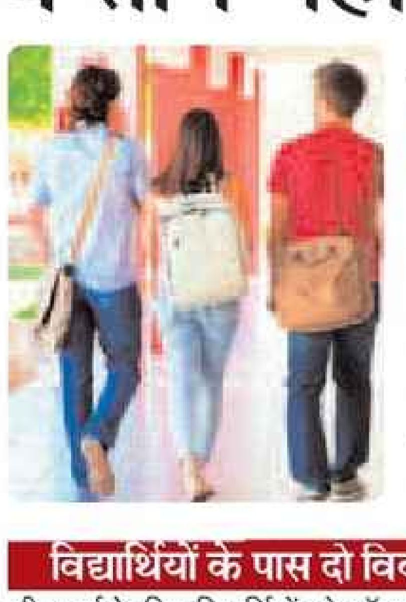

चौथे साल की प्रक्रिया

नई शिक्षा नीति लागू होने के तीन साल पूर्ण होने पर इस सत्र से चौथे साल की प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस सम्बंध में कॉलेजों को निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसे छात्रों से ऑप्शन लेकर 15 दिनों के अंदर प्रवेश प्रक्रि या पूरी कराने के लिए कहा गया है।

डॉ. दीपेश मिश्रा, कुलसचिव, रादुविवि

120 क्रेडिट अंक अनिवार्य

स्नातक चतुर्थ वर्ष ऑनर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक तृतीय वर्ष में 120 क्रेडिट अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। जबकि स्नातक ऑनर्स विथ रिसर्च में प्रवेश के लिए 7.5 सीजीपीए लाना होगा। ऐसे छात्रों को संबंधित कॉलेज में प्रवेश दिया जाएगा। जहां ऑनर्स विथ रिसर्च की सुविधा नहीं होगी, उनके छात्रों को दूसरे कॉलेज में प्रवेश दिया जाएगा।

विद्यार्थियों के पास दो विकल्प

जिले में अंतिम वर्ष के करीब 15 हजार विद्यार्थी हैं। चार साल की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को ऑनर्स और ऑनर्स विद रिसर्च के दो विकल्प दिए गए हैं। ऑनर्स कोर्स के तहत विद्यार्थियों को अपनी पसंद के विषय का गहन अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। जबकि ऑनर्स विद रिसर्च के तहत वे अपने विषय में शोध कर सकेंगे। यह कदम उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार और शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया गया है। चौथे साल की पढ़ाई से छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

15 दिन की मोहलत

सभी शासकीय एवं अशासकीय कॉलेजों को अगले 15 दिनों में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने कहा है। विद्यार्थियों को एमपी ऑनलाइन से प्रवेश नवीनीकरण करना होगा। छात्रों से ऑप्शन लेने के साथ ही उनकी प्रवेश की प्रक्रिया भी कॉलेजों को अपने स्तर करनी होगी। स्नातक चतुर्थ वर्ष ऑनर्स विथ रिसर्च पाठ्यक्रम का संचालन उन्हीं कॉलेजों में होगा, जिनमें कम से कम दो नियमित शिक्षक शोध निदेशक के रूप में पंजीकृत होंगे। साथ ही संबंधित विषय में मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र संचालित किए जा रहे हों।

संन्यासी ने यूपी के सीएम को लगाया फोन, एसएस ने हाथ जोड़ माफी मांगी

खंडवा स्टेशन पर संन्यासी से अभद्रता, सीएम योगी ने किया रेल मंत्री को फोन

खंडवा@पत्रिका. एक संन्यासी की वेशभूषा देखकर डिप्टी एसएस कमर्शियल ने अभद्रता कर उन्हें स्टेशन के वेटिंग रूम से बाहर निकालने की कोशिश की। नाराज संन्यासी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोन कर दिया। आदित्यनाथ के कार्यालय से रेल मंत्रालय को इसकी जानकारी भेजी गई, तो रेल मंत्रालय में हड़कंप मच गया। बाद में डिप्टी एसएस ने संन्यासी से हाथ जोड़कर माफी मांगी, इसके बाद मामले का पटाक्षेप हुआ। संन्यासी बुधवार शाम खंडवा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर वेटिंग रूम में बैठे हुए थे। वे गोरखपुर जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान डिप्टी एसएस कॉमर्शियल नीलेश बाथो वेटिंग रूम में पहुंचे, उन्होंने संन्यासी को बाहर जाने के लिए कहा। संन्यासी ने उन्हें बताया उनके पास टिकट है, लेकिन वह नहीं माने। इस दौरान गहमागहमी का माहौल बन गया। काफी देर तक अभद्रता सहने के बाद सन्यासी के सब्र का बांध टूट गया। रेलवे सूत्रों ने बताया कि रेल मंत्री ने जीएम, जीएम ने डीआरएम और डीआरएम ने स्टेशन मास्टर को तलब कर मामले का पटाक्षेप करवाया।

माफी पर हुआ मामला शांत

डीआरएम से निर्देश मिलते ही स्टेशन प्रबंधक अरविंद कुमार साहा वेटिंग रूम पहुंचे। उन्होंने संन्यासी को ससम्मान अपने कक्ष में लाकर बैठाया, यहां संन्यासी ने बताया कि वे गोरखपुर जा रहे हैं। रेलवे अधिकारी अभद्रता करते हुए उन्हें वेटिंग रूम से बाहर निकाल रहा था। इस बीच डिप्टी एसएस कमर्शियल बाथो भी प्रबंधक के कक्ष में पहुंचे। यहां संन्यासी से बाथो ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, इसके बाद मामला शांत हुआ।

भारी बारिश के चलते बोरसद में ट्रैक्टर से सुरक्षित जगह पर जाते हुए। फोटो: **बुरहान पठाण**

वडोदरा शहर भी जलमग्न: सौराष्ट्र-कच्छ व दक्षिण गुजरात के बाद अब मध्य गुजरात में जमकर बरसात

बोरसद बना टापू: चहुंओर पानी ही पानी

10 घंटे में 14 इंच बरसा पानी

40,000 लोग पानी भरने के कारण प्रभावित | **2200** घरों की एहतियात के तौर पर बिजली बंद | जूनागढ़ जिले के 23 गांवों का संपर्क कटा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. आणंद. वडोदरा. गुजरात में सक्रिय मानसून के चलते पिछले कुछ दिनों से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश हुई है। बुधवार को सौराष्ट्र व दक्षिण गुजरात के हिस्सों के मुकाबले मध्य गुजरात में जमकर बरसात हुई। आणंद जिले के बोरसद में तो 10 घंटे में ही 14 इंच से ज्यादा पानी बरस गया। शुरुआती चार घंटे में ही 12 इंच से अधिक बारिश होने के कारण चहुंओर पानी ही पानी नजर आ रहा था। बारिश जन्य हादसों में राज्य में बुधवार को पांच लोगों की मौत की खबर है।

40 हजार लोग प्रभावित: बोरसद शहर व तहसील में बुधवार सुबह आठ बजे से शुरू हुई जोरदार बारिश के आधे घंटे में ही घरों में पानी भरने लग गया। 2200 घरों की एहतियात के तौर पर बिजली व्यवस्था बंद कर करनी पड़ी। शहर के चार तालाब महज पौने एक घंटे में ही लबालब हो गई। कुल मिलाकर पूरा बोरसद शहर तालाब नजर आने लगा। लगभग 40 हजार लोग पानी भरने के कारण प्रभावित हुए। कई घरों में एक फीट तक पानी भर गया।

जूनागढ़ में बारिश के चलते 23 गांव संपर्क विहीन हो गए हैं। इन गांवों में मांगरोल तहसील के 13, केशोद के छह और माणावदर के चार गांव शामिल हैं। वडोदरा शहर में घरों में घुसा पानी, बच्चों को जेसीबी से सुरक्षित पहुंचाया।

झांसी की रानी चौराहा@वडोदरा

वडोदरा में भी दिखा बारिश का तांडव

वडोदरा शहर में बुधवार को इस मौसम में सबसे अधिक बारिश हुई। लगभग 10 घंटे में हुई आठ इंच बरसात के कारण जगह-जगह पानी भर गया। कई इलाकों में घरों में पानी भर जाने से लोग काफी परेशान हो गए। शहर में झांसी की रानी सर्कल के निकट स्कूली छोटे बच्चे पानी में फंसने के कारण उन्हें जेसीबी से सुरक्षित ले जाया गया। शहर के नवायार्ड, वूडा सर्कल क्षेत्र में बारिश के भरे पानी के कारण लंबा ट्रैफिक जाम भी देखा गया।

राज्य की 222 तहसीलों में बारिश

राज्य की कुल 251 तहसीलों में से बुधवार को 222 तहसीलों में पानी बरसा। बुधवार को सर्वाधिक 354 मिमी (14 इंच से अधिक) बारिश आणंद जिले की बोरसद तहसील में हुई। नर्मदा जिले की तिलकवाड़ा तहसील में साढ़े 8 इंच, वडोदरा शहर व पादरा तहसील में 8-8 इंच, भरुच शहर में साढ़े 7 इंच, छोटा उदेपुर की नसवाड़ी में छह इंच से अधिक व नर्मदा की नांदोद, भरुच की झगडिया, अंकलेश्वर व हांसोट में 5 इंच से अधिक बारिश हुई। छोटा उदेपर जिले की संखेडा, सूरत जिले की महुवा, भरुच की वाग्रा, वलिया, वडोदरा की डभोई, कारंज, पंचहाल की हालोल, आणंद की खंभात, सूरत की मांगरोल, पलसाणा तहीसलों में 4-4 इंच से अधिक बारिश हुई। 13 तहसीलों में 3 इंच से अधिक व 4 इंच से कम बारिश हुई। 16 तहसीलों में 2 इंच से अधिक व 45 तहसीलों में एक इंच से अधिक व दो इंच से कम बारिश हुई। अन्य तहसीलों में एक इंच से कम बरसात हुई।

बारिशजन्य हादसों में 9 की मौत

प्रदेश में बारिशजन्य हादसों में मंगलवार को 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें देवभूमि द्वारका में 3, बनासकांठा, कच्छ जिले में 2-2, राजकोट व सूरत में 1-1 व्यक्ति शामिल हैं। देवभूमि द्वारका जिले में खंभालिया के गगावाणी फली में जर्जर मकान के धराशायी होने के चलते तीन लोगों की मौत हो गई। इस मकान में कुल 10 लोग फंस गए थे।

खाड़ी बाढ़ और आसमान से बरसी बारिश से आधा सूरत पानी में

सूरत. शहर में लगातार चार दिनों से आसमान से बारिश के रूप में बरस रही आफत के बीच बढ़ते खाड़ियों के जलस्तर से जिसकी आशंका थी बुधवार को वही हुआ। रात के दौरान शहर समेत सूरत जिले में हुई मूसलाधार बारिश के बाद शहर खाड़ी बाढ़ की चपेट में आ गया। सोमवार रात से ही सरथाना, पुनागाम, कुम्भारिया, सनिया हेमाद, गोडादरा रोड, लिंबायत मीठी खाड़ी क्षेत्र के हालात बुधवार को और भी बिगड़ गए। यहां की बस्तियां, सोसायटियां, मार्केट, दुकानों में पांच से छह फीट पानी भर गया और इलाकों में बोट चलाने की नौबत आ गई तो उधना और भटार क्षेत्र के आजाद नगर, रसूलाबाद क्षेत्र में भी खाड़ी का पानी भर जाने से यहां पर भी लोगों के बुरे हाल हैं। वहीं, शहर के वेसू, उधना, वेडरोड, कतारगाम, डभोली, होडी बंगला, डिंडोली, देलाडवा गांव आदि क्षेत्रों में भी बरसाती पानी से जलभराव की स्थिति का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। खाड़ी बाढ़ से प्रशासन की दौड़-भाग बढ़ गई है। अब तक एसी चैंबर में बैठकर रिव्यू बैठकें और निगरानी रखने का दावा करने वाली मनपा आयुक्त शालिनी अग्रवाल समेत के अधिकारियों का काफिला, महापौर दक्षेश मावाणी और स्थाई समिति अध्यक्ष समेत में पदाधिकारी-पार्षद सभी ग्राउंड पर उतरे और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में पहुंच कर हालातों का जायजा लेने के साथ बचाव कार्य के लिए जरूरी निर्देश दिए।

आज का दिन भी भारी

मौसम विभाग के अनुसार सूरत समेत दक्षिण गुजरात में गुरुवार को भी भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट घोषित किया है। भारी बारिश के साथ खाड़ियों का बढ़ते जलस्तर से बाढ़ की चपेट में आए क्षेत्रों में हालात और भी खराब हो सकते हैं। जिससे प्रशासन की चिंता और भी बढ़ गई है।

गुजरात में एक वर्ष में और दस लाख किसानों को प्राकृतिक खेती में लाएंगे: राज्यपाल

गांधीनगर@पत्रिका. राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि वर्तमान में 9.35 लाख किसान गुजरात में प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। अगले एक वर्ष में और दस लाख किसानों को प्राकृतिक खेती में लाने का संकल्प है। इस खरीफ सीजन में नए 18 हजार किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाई।

प्राकृतिक कृषि के लिए कार्यरत उच्च अधिकारियों और संयोजकों की समीक्षा बैठक में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि केंद्रीय बजट में अगले दो वर्ष में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहन देने की घोषणा की गई है। यह लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें गुजरात में दस लाख किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ना है। प्राकृतिक कृषि का दायरा बढ़ाने के लिए गुजरात में 5000 से ज्यादा महिला किसानों को प्राकृतिक खेती पद्धति की प्रशिक्षण दिया गया है। खेती में निष्ठापूर्वक कार्य करने वाली महिलाओं को प्राकृतिक कृषि सखी के तौर पर तैयार करने के लिए पांच दिन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये महिलाएं अपने-अपने गांवों में अन्य महिलाओं को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। राज्यपाल ने इस प्रशिक्षण को और ज्यादा गतिशील और प्रभावी बनाने का अनुरोध किया। राज्य के 33 जिलों में 12,690 प्राकृतिक कृषि सखियों को प्राकृतिक कृषि पद्धति की पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

केन्द्रीय बजट: इस बार 15 गुणा ज्यादा धनराशि, राज्य में चल रहे 42 प्रोजेक्ट

गुजरात में रेलवे प्रोजेक्ट के लिए 8,743 करोड़ का आवंटन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात में रेलवे प्रोजेक्ट के लिए इस वर्ष बजट में 8,743 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। गुजरात के लिए 2009-14 के वित्तीय वर्षों के दौरान औसतन 589 करोड़ रुपए जारी होते थे, जबकि इस बार 2024-25 के बजट में जो धनराशि जारी की गई है वह तुलनात्मक रूप से 15 गुणा अधिक है।केन्द्रीय बजट में गुजरात के बारे में जानकारी देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह बातें कही। उन्होंने कहा कि गुजरात में 30,826 करोड़ रुपए की लागत के 2,948 किलोमीटर में नए ट्रैक सहित 42 परियोजनाएं चल रही हैं। 2014 से अभी तक 989 रेलवे फ्लाईओवर और अंडरब्रिज बनाए गए हैं।

इस बार के बजट में रेलवे को रिकार्ड धनराशि मुहैया कराने की बात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात के 87 स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें अहमदाबाद, आणंद, अंकलेश्वर, असारवा, बारडोली, भचाऊ, भरूच, भावनगर, दाहोद, डाकोर, द्वारका, गांधीधाम, जामनगर, मेहसाणा, मोरबी, नडियाद, सूरत वडोदरा, वापी भी शामिल हैं।

नए रेलवे ट्रैक बिछाने का आंकड़ा दुगना: उन्होंने बताया कि गुजरात में 2009-14 के वित्तीय वर्षो के दौरान प्रतिवर्ष औसतन 132 किमी नए रेलवे ट्रैक बिछाए जाते थे, जबकि 2014-24 के वित्तीय वर्षो के दौरान यह आंकड़ा लगभग दोगुना होकर प्रतिवर्ष औसतन 224 किमी हो गया है। इसी प्रकार 2009-14 के वित्तीय वर्षो के दौरान इलेक्ट्रिफिकेशन प्रतिवर्ष औसतन 13 किमी होता था।

बांग्लादेश से लौटे 14 विद्यार्थी, यूद्धग्रस्त यूक्रेन व इजरायल से भी स्वदेश पहुंचे लोग

विदेशों में फंसे राज्य के 4.92 लाख लोग अब तक स्वदेश लौटे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन भड़कने के बाद हुई हिंसा में अनेक लोगों की जानें गई हैं। ऐसे हिंसक माहौल में बांग्लादेश में फंसे गुजरात के 14 विद्यार्थियों को सुरक्षित गुजरात वापस लाया गया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के निर्देश पर राज्य सरकार ने विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय बनाकर एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए वहां फंसे ये विद्यार्थी अपने परिवार के पास वापस लौट आए। बांग्लादेश के अलावा विभिन्न प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं के दौरान विदेशों में फंसे गुजरात के लोगों को सुरक्षित लाने के लिए भारत सरकार ने कई ऑपरेशन भी चलाए। इनके जरिए कोरोना महामारी से लेकर अब तक करीब 4 लाख 92 हजार 701 गुजराती नागरिकों को विभिन्न देशों में बनी विषम परिस्थितियों के बीच सुरक्षित गुजरात वापस लाया गया है।

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच गृहयुद्ध के कारण वहां फंसे नागरिकों को स्वदेश वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी चलाया गया। सूडान में फंसे गुजरात के 569 लोगों को वापस लाया गया।

यूक्रेन से लौटे 1386 गुजराती

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण वहां पढ़ाई करने वाले गुजराती विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन गंगा के तहत 1386 अनिवासी गुजरातियों को वापस गुजरात लाया गया।

कोरोना के दौरान आए 4 लाख 90 हजार

कोविड-19 के दौरान भारत सरकार के 'वंदे भारत मिशन' चलाया था। इसके चलते कोविड-19 के दौरान इस मिशन के तहत 4 लाख 90 हजार 701 गुजरातियों को वापस लाया गया। इसके अलावा 11 जून, 2020 को 233 गुजराती मछुआरों को भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) शार्दुल में पोरबंदर के बंदरगाह पर लाया गया था। उन्हें पोरबंदर जिला प्रशासन के बनाए गए जिला सरकारी क्वारंटाइन सेंटर में क्वारंटाइन किया गया था। कोरोना काल में ही 42 गुजराती नागरिक वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान से वापस लौटे थे।

इजरायल से लौटे 30 लोग

उधर, इजरायल और फिलिस्तीन के बीच छिड़े युद्ध के कारण इजरायल में भी भारत के अनेक नागरिक फंसे हैं। इन्हें स्वदेश वापस लाने के लिए भारत सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत अब तक 30 अनिवासी गुजरातियों को स्वदेश वापस लाया गया है।

कर भुगतान में देश के अग्रणी राज्यों में गुजरात, 64 हजार से ज्यादा का कर संग्रहण: सीएम

अहमदाबाद में 165वां आयकर दिवस समारोह

करदाताओं का किया सम्मान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. कर भरने के मामले में गुजरात देश के अग्रणी राज्यों में है। वर्ष 2023-24 में 64,340 करोड़ रुपए का कर संग्रहण गुजरात से हुआ है। न्यू रिटर्न्स फाइलिंग में गुजरात की विकास दर देश के 32.13 प्रतिशत से अधिक यानी 33.49 प्रतिशत है। राष्ट्र के विकास के लिए धन प्राप्ति का कर मुख्य साधन है। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए ईमानदारी और उत्साह से कर जमा करना चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बुधवार को अहमदाबाद में 165वें आयकर दिवस के उपलक्ष्य में आयकर विभाग की ओर से आयोजित समारोह में सम्बोधित करते हुए यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में देश में रिफॉर्म, परफॉर्म तथा ट्रांसफॉर्म के दृष्टिकोण के चलते प्रोसेस सेंट्रिक टैक्स सिस्टम अब पीपल सेंट्रिक बना है। उन्होंने इस अवसर पर ऑनरिंग द ऑनेस्ट के तहत करदाताओं का गौरव-सम्मान भी किया। उन्होंने कहा कि करदाताओं की ओर से दिया जाने वाला कर सरकार की आय का महत्वूर्ण स्रोत है। उन्होंने गुजरात के देश के विकास का रोल मॉडल व ग्रोथ इंजन होने के साथ-साथ कर भुगतान में भी अग्रसर है।

पटेल ने कहा कि वर्ष 2023-24 के बजट में 64 हजार करोड़ रुपए का कर संग्रह गुजरात से हुआ है। न्यू रिटर्न्स फाइलिंग में गुजरात की विकास दर देश के 32.13 प्रतिशत से अधिक यानी 33.49 प्रतिशत है।

46 प्रतिशत राशि आयकर विभाग से होगी प्राप्त

इस अवसर पर प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त यशवंत चव्हाण ने कहा कि वर्ष 1860 में वित्त मंत्री जेम्स विल्सन ने पहली बार बजट में कर प्रचलन का समावेश किया था। इसके बाद समय-समय पर वर्ष 1865, 1922 एवं 1961 में नया अधिनियम लागू किया गया। उन्होंने कहा कि आज देश अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

शेयर बाजार		सोना		चांदी		क्रिप्टो			मुद्रा		ईंधन	
सेंसेक्स	निफ्टी	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)	बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
80,149 (-280.16)	24,413 (-65.55)	₹71000 (प्रति 10 ग्राम)(-300)	₹68,899 (प्रति 10 ग्राम) (+389)	₹87,000 (प्रति किग्रा)(-400)	₹85,470 (प्रति किग्रा) (+551)	$66,395 (-0.50)	$3,462 (-1.63%)	$583.8 (-0.21%)	₹83.70 (प्रति 1 डॉलर)	₹90.79 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85 (प्रति लीटर)

पत्रिका एक्सप्लेन

इंडेक्सेशन खत्म: इससे किसे फायदा, किसे नुकसान

वर्ष 2001 से पहले खरीदी गई प्रॉपर्टी पर मिलता रहेगा इंडेक्सेशन का फायदा

नई दिल्ली @ पत्रिका. वर्ष 2024-25 के आम बजट में प्रॉपर्टी की बिक्री से होने वाली आय (कैपिटल गेन) की गणना में इंडेक्सेशन का लाभ खत्म कर दिया गया। लेकिन जिन लोगों ने वर्ष 2001 से पहले मकान आदि रियल एस्टेट प्रॉपर्टी खरीदी है, उन्हें इंडेक्सेशन यानी महंगाई दर को एडजस्ट करने का फायदा मिलता रहेगा। साथ ही उन्हें 20% एलटीसीजी के बदले 12.5 ही टैक्स देना होगा। लेकिन वर्ष 20221 या इसके बाद खरीदी गई प्रॉपर्टी को बेचने पर इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा। यानी कैपिटल गेन का कैलकुलेशन प्रॉपर्टी के खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य के आधार पर तय होगा। बुधवार को आयकर विभाग ने कहा कि एलटीसीजी रेट में कटौती से ज्यादातर टैक्सपेयर्स को पर्याप्त टैक्स की बचत होगी। जानें इन बदलावों से किन्हें फायदा होगा और किन लोगों को नुकसान...

बजट में क्या हुआ बदलाव?

सरकार ने मंगलवार को आम बजट में फिक्स्ड संपत्तियों पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स को 20% से घटाकर 12.5% करने के साथ प्रॉपर्टी की बिक्री से हुई आय की गणना में मुद्रास्फीति के समायोजन (इंडेक्सेशन) से जुड़े बेनिफिट हटाने का प्रस्ताव रखा।

क्या होता है इंडेक्सेशन?

इंडेक्सेशन में महंगाई दर (कॉस्ट इंफ्लेशन इंडेक्स) के साथ प्रॉपर्टी की मरम्मत या इसके डेवलपमेंट में खर्च किए गए पैसे का भी डिडक्शन मिलता है। इसमें कॉस्ट ऑफ लिविंग की लागत या इनपुट कीमतों के प्रभावों को एडजस्ट किया जा सकता है, जिससे टैक्स देनदारी काफी घट जाती है।

इंडेक्सेशन बेनिफिट हटने से क्या होगा? इंडेक्सेशन बेनिफिट हटने का मतलब है कि जब आप कोई भी प्रॉपर्टी बेचते हैं, तो कैपिटल गेन टैक्स को एडजस्ट करने के लिए महंगाई का दावा नहीं कर सकेंगे। यानी प्रॉपर्टी बेचने पर अधिक टैक्स चुकाना पड़ सकता है, क्योंकि आय की गणना प्रॉपर्टी की वास्तविक खरीद वैल्यू पर होगी, जब प्रॉपर्टी खरीदी गई थी। आयकर विभाग ने कहा, इन्फ्लेशन के लिए 'इंडेक्सेशन' 4-5% के आसपास है।

नई व्यवस्था से किन्हें होगा फायदा? पांच वर्षों तक रखी गई संपत्ति के लिए नई व्यवस्था तब फायदेमंद होगी, जब प्रॉपर्टी की वैल्यू 1.7 गुना या इससे अधिक बढ़ गई हो। जबकि 10 वर्षों तक रखी गई संपत्ति के लिए यह तब लाभकारी होगी जब मूल्य 2.4 गुना या इससे अधिक बढ़ गया हो। 2009-10 में खरीदी गई संपत्ति के लिए यदि मूल्य 4.9 गुना या उससे अधिक बढ़ गया है तो ही नई व्यवस्था फायदेमंद है।

किन्हें होगा घाटा?

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा, उन क्षेत्रों में जहां प्रॉपर्टी पर कम रिटर्न मिला है। यानी रिटर्न 9-11% प्रति वर्ष से कम तो नई व्यवस्था में ऐसे प्रॉपर्टी बेचने वालं को घाटा होगा और एलटीसीजी रेट घटने के बावजूद इंडेक्सेशन खत्म होने से अधिक टैक्स देना होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पुरानी संपत्ति की बिक्री करते समय मुद्रास्फीति के समायोजन पर विचार नहीं किए जाने से निवेशकों को नुकसान हो सकता है। डेलॉयट इंडिया के विशेषज्ञों ने कहा कि 'इंडेक्सेशन' के बिना एलटीसीजी का करदाताओं पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा।

टैक्स: स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ने, स्लैब रेट में बदलाव से कम आय वालों के लिए न्यू रिजीम आकर्षक

निवेशकों के साथ होम लोन-एचआरए क्लेम करने वालों के लिए ओल्ड रिजीम फायदेमंद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. आम बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा 50,000 रुपए से बढ़कर 75,000 रुपए होने और टैक्स स्लैब में बदलाव होने से नई टैक्स रिजीम कम आय वाले लोगों के लिए और अधिक आकर्षक हो गई है। टैक्स एक्सपर्ट नितेश बुद्धदेव ने बताया कि 7.75 लाख रुपए तक आय वाले आंख मुंदकर नई टैक्स रिजीम चुनें, क्योंकि इसमें उन्हें जीरो टैक्स देना होगा। लेकिन सालाना 7.75 लाख से अधिक आय वाले टैक्सपेयर सभी नफा-नुकसान का आकलन कर टैक्स रिजीम चुनें।

विशेषज्ञों ने कहा, जो टैक्सपेयर निवेश करते हैं यानी जो सेक्शन 80सी का लाभ लेते हैं, एनपीएस, यूलिप, हेल्थ इंश्योरेंस आदि में जिनका निवेश है और जो एचआरए का दावा करते हैं और जिन्होंने होम लोन लिया हुआ है, उनके लिए पुरानी टैक्स रिजीम अभी भी फायदेमंद है। क्योंकि ओल्ड रिजीम में कई तरह की टैक्स छूट और डिडक्शन का लाभ मिलता है। लेकिन नई रिजीम में केवल स्टैंडर्ड डिडक्शन और नियोक्ता की ओर से कर्मचारियों के बदले एमपीएस में अंशदान पर टैक्स छूट मिलती है। होम लोन और एचआरए ही असली गेम चेंजर हैं जो ओल्ड रिजीम को बेहतर बनाते हैं।

किस रिजीम में कितना लगेगा टैक्स

मान लीजिए आपकी आय सालाना 15 लाख रुपए है। आप जयपुर में रहते हैं और 12,000 रुपए मकान किराया देते हैं। वहीं इंदौर में एक फ्लैट खरीदा है जिसकी ईएमआइ 20,000 रुपए माह है।

नई रिजीम

कुल आय	15 लाख
स्टैंडर्ड डिडक्शन	75,000
टैक्सेबल इनकम	14,25,000
टैक्स कैलकुलेशन	
3 लाख तक आय	00
3-7 लाख	20,000 (4 लाख का 5%)
7-10 लाख	30,000 (3 लाख का 10%)
10-12 लाख	30,000 (2 लाख का 15%)
12-15 लाख	45,000 (3 लाख का 20%)
कुल टैक्स	1,25,000
हेल्थ-एजुकेशन सेस (4%)	5,000
कुल टैक्स देनदारी	1,30,000

ओल्ड रिजीम: हर हाल में 31 तक भरें रिटर्न जो टैक्सपेयर वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत अपना आइटीआर भरना चाहते हैं, उन्हें हर हाल में 31 जुलाई तक आइटीआर दाखिल करना होगा। इसमें चूकने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था का लाभ नहीं मिलेगा और नई टैक्स प्रणाली के आधार पर टैक्स की गणना की जाएगी। जुर्माने के साथ 31 दिसंबर तक विलंबित आइटीआर दाखिल करने टैक्सपेयर पर किसी डिडक्शन का लाभ नहीं ले सकेंगे।

पुरानी टैक्स रिजीम

कुल आय	₹15 लाख
स्टैंडर्ड डिडक्शन	₹50,000
हेल्थ इंश्योरेंस	₹25,000
एचआरए छूट	₹96,000
80सी डिडक्शन	₹1,50,000
होम लोन ब्याज	₹2,00,000
टैक्सेबल इनकम	₹9,79,000
टैक्स कैलकुलेशन	
2.5 लाख तक आय	00
2.5 से 5 लाख (2.5 लाख का 5%)	₹12,500
5 से 9.79 लाख (4.79 लाख का 20%)	₹95,800
कुल टैक्स	₹1,08,300
हेल्थ-एजुकेशन सेस (4%)	₹4332
कुल टैक्स देनदारी	₹1,12,632

ओल्ड रिजीम में टैक्स छूट

₹8 लाख आय वालों के लिए
80सी: **₹1.50 लाख** रुपए तक छूट
हेल्थ इंश्योरेंस 25,000 की छूट
स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 रुपए
कुल क्लेम 2,25,000 रुपए

इतना लगेगा टैक्स
नई रिजीम 31,200 रुपए
पुरानी रिजीम 18,200 रुपए

₹10 लाख आय वालों के लिए
80डी (एनपीएस): अधिकतम **50,000 रुपए** तक का डिडक्शन
एलटीए: एलटीए: 4 साल में दो बार कर सकते हैं दावा
(हेल्थ इंश्योरेंस, 80सी, 80डी के तहत टैक्स डिडक्शन से 10 लाख रुपए तक आय वालों को फायदा)

₹10 लाख से अधिक आय वालों के लिए
सेक्शन 24: होम लोन के ब्याज पर **₹2 लाख** तक की टैक्स छूट
एचआरए: यह सैलरी स्ट्रक्चर और ***किस शहर में रहते हैं उस पर निर्भर***

सेबी रिपोर्ट: घाटे में रहे ज्यादातर खुदरा निवेशक

70% इंट्राडे निवेशकों को हुआ इक्विटी कैश सेगमेंट में घाटा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. अधिक रिस्क की वजह से विशेषज्ञ खुदरा निवेशकों को इंट्राडे ट्रेडिंग से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। अब बाजार नियामक सेबी ने अपनी स्टडी में कहा कि हर 10 में से 7 छोटे निवेशकों को घाटा होता है। सेबी पहले ही कह चुका है कि डेरिवेटिव्स में 90% निवेशक नुकसान उठाते हैं।

सेबी की स्टडी के मुताबिक, वर्ष 2022-23 के दौरान इक्विटी कैश सेगमेंट में 70% से ज्यादा खुदरा निवेशकों को नुकसान झेलना पड़ा। सेबी ने बुधवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान इक्विटी कैश सेगमेंट में इंट्राडे ट्रेडिंग में शामिल लोगों की संख्या वित्त वर्ष 2019-19 के मुकाबले चार गुना बढ़ गई। स्टडी के मुताबिक, इक्विटी कैश सेगमेंट में ट्रेड करने वाले हर 3 में से 1 शख्स इंट्राडे ट्रेडिंग करता है।

क्या कहती है सेबी की स्टडी...

- वित्त वर्ष 2022-23 में 30 साल से कम की आयु वाले ***इंट्राडे ट्रेडर्स की हिस्सेदारी बढ़कर 48% हो गई, वित्त वर्ष 2018-19 में यह आंकड़ा 18% था।***
- साल में 500 से ज्यादा ट्रेड करने वालों में ***नुकसान सहने वाले निवेशकों की हिस्सेदारी 80% हो गई।***
- 30 साल से कम उम्र वाले ***युवा ट्रेडर्स में नुकसान सहने वालों की हिस्सेदारी 76% रही,*** जो बाकी आयु वर्ग के मुकाबले ज्यादा है
- नुकसान सहने वाले लोगों के ट्रेड की संख्या ***मुनाफा कमाने वाले लोगों के ट्रेड की संख्या से ज्यादा थी।*** *नुकसान सहने वालों ने 57% ट्रेडिंग कॉस्ट पर खर्च किया।*

शेयर बाजार में गिरावट जारी: बाजार का रुख समझने में अभी लगेंगे 15 दिन

मुंबई @ पत्रिका. एसटीटी के साथ कैपिटल गेन्स टैक्स बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरावट में बंद हुआ। बजाज समूह की कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट से बुधवार को सेंसेक्स 280 अंक गिरकर 80,149 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 65 अंक लुढ़ककर 24,413 के स्तर पर रहा। हेलियोस कैपिटल के फाउंडर समीर अरोड़ा ने कहा कि बजट के बाद बाजार के रूख को भांपने में अभी 15 दिन लगेंगे। निवेशकों को पैनिक सेलिंग करने की जरूरत नहीं है।

पोस्ट बजट एनालिसिस: एंजल टैक्स खत्म करने को डीपीआइआइटी ने बताया सही, कहा- स्टार्टअप्स में विदेशी निवेश पर नहीं लगाया जाना चाहिए टैक्स

एंजल टैक्स खत्म होने से स्टार्टअप्स में बढ़ेगा निवेश, होंगे कई फायदे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. बजट में स्टार्टअप के लिए एंजल टैक्स को खत्म हो गया। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के एक बड़े अधिकारी ने इस फैसले को सही ठहराते हुए बुधवार को कहा कि एंजल टैक्स को हटाना एक लंबित मुद्दा था, क्योंकि यह टैक्स देश में आने वाले निवेश पर लगाया जाता था और इस तरह के विदेशी निवेश पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। डीपीआइआइटी के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस फैसले से विदेशी निवेश आकर्षित करने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और देश के स्टार्टअप परिवेश को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

टैक्स आय पर नहीं बल्कि निवेश पर था

डीपीआइआइटी सचिव ने कहा कि यह कारोबार सुगमता का मुद्दा होने के साथ-साथ टैक्स का मुद्दा भी था। आखिरकार यह आय पर नहीं बल्कि निवेश पर टैक्स था और निवेश पर टैक्स नहीं लगना चाहिए, यही मूल विचार है। एंजल टैक्स (30% से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह टैक्स है जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप की ओर से जुटाई गई धनराशि पर लगाती है, अगर उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है। उन्होंने कहा, इस फैसले से विवाद तथा मुकदमेबाजी में भी कमी आएगी। इसके अलावा टैक्स निर्धारण विवाद में भी कमी आएगी।

कारोबारियों ने किया फैसले का स्वागत

फोनपे के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदर्श नाहटा ने कहा, भारत में एंजल टैक्स खत्म किया जाना स्वागतयोग्य बदलाव है, जो स्टार्टअप के पारिस्थितिकी तंत्र में नई जान फूंक सकता है। सरकार का यह दूरदर्शी कदम अनुपालन बोझ को कम करने वाला, निवेश आकर्षित करने वाला और ऐसा माहौल तैयार करने वाला है, जहां स्टार्टअप वास्तव में फल-फूल सकती हैं। वहीं वेंचर कैपिटल फंड 3वन4 कैपिटल के संस्थापक साझेदार सिद्धार्थ पाई के अनुसार, इस विवादास्पद टैक्स को हटाया जाना निवेशकों के लिए बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि अब पूंजी जुटाने वाली कंपनियों को एंजल टैक्स के खतरे का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नुकसान पहुंचा रहा था टैक्स

निवेशक संभावित नए इनोवेशन पर निवेश करता है और यह टैक्स उन्हें नुकसान पहुंचा रहा था। एंजल टैक्स के चलते भारत में एक वास्तविक रूप से अच्छे विचार को समर्थन नहीं मिल रहा था और यह लोगों को विदेश से पैसा लगाने के लिए मजबूर कर रहा था। इससे भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट आ रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एंजल टैक्स खत्म होने से भारतीय स्टार्टअप में निवेश आकर्षित करने और उभरते उद्यमियों की वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

फंडिंग में गिरावट

बाजार पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन ने कहा कि साल 2023 के दौरान भारतीय स्टार्टअप क्षेत्र की फंडिंग में पिछले साल की तुलना में 72 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है और यह पिछले साल जुटाई गई 25 अरब डॉलर की राशि की तुलना में सात साल के निचले स्तर 7 अरब डॉलर पर आ गई है।

क्या है एंजल टैक्स: साल 2012 में शुरू किए गए एंजल टैक्स के प्रावधानों का उद्देश्य टैक्स से बचने वाले निवेशकों पर नकेल कसना और फंड का दुरुपयोग रोकना था। इसे शुरू में यह स्थानीय निवेशकों के लिए लागू किया था, लेकिन बाद में इसका दायरा बढ़ा दिया गया था।

डॉक्टरों ने 12 घंटे ऑपरेशन कर बचाई जान

जयपुर@पत्रिका. एसएमएस अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के चिकित्सकों ने 12 घंटे तक ऑपरेशन कर एक महिला मरीज की जान बचाई है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन काफी जटिल था इसलिए एम्स जोधपुर से उसे यहां रेफर किया गया था।

विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. राजकुमार यादव ने बताया कि फलौदी निवासी मरीज सुआ कंवर (62) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे सीने और कमर में तेज दर्द होने लगा। परिजन उसे फलौदी स्थित अस्पताल में लेकर गए। वहां से उसे जोधपुर एम्स रेफर कर दिया। वहां भी उसकी सेहत नहीं सुधरी तो परिजन को उसे एसएमएस या दिल्ली एम्स ले जाने की सलाह दी। परिजन उसे लेकर यहां आए। यहां भी हालत नाजुक बनी हुई थी लेकिन ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया। आखिरकार 12 घंटे चले ऑपरेशन के कारण उसकी जान बच गई। इस दौरान उसे दस यूनिट ब्लड चढाया गया था।

डमी अभ्यर्थी बैठाकर तीन पीटीआइ बने, तीनों के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर@पत्रिका. स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने राजस्थान स्टाफ सलेक्शन बोर्ड जयपुर की ओर से आयोजित शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर पीटीआइ बने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डीआइजी परिस देशमुख ने बताया कि इस मामले की जांच एएसपी लाखन सिंह को सौंपी है। परीक्षा के लिए अभ्यर्थी द्वारा भरे गए आवेदन पत्र, परीक्षा में बैठने के लिए बोर्ड द्वारा जारी प्रोविजनल ई-प्रवेश पत्र व जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद से प्राप्त बीपीएड की डिग्री की जांच की गई।

स्पष्टीकरण: राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने कहा, रोलओवर बेनिफिट जारी रहेगा, प्रॉपर्टी बेचने से हुए फायदे पर ऐसे बचाएं टैक्स

₹10 करोड़ तक कैपिटल गेन निवेश करने पर नहीं लगेगा टैक्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. वर्ष 2023-24 के आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स की धारा 54 और 54 एफ के तहत मकानों में निवेश पर मिलने वाले पूंजीगत लाभ में टैक्स कटौती (कैपिटल गेन्स टैक्स) को 10 करोड़ रुपए तक सीमित कर दिया था। इससे पहले सभी कैपिटल गेन्स को नए मकान में निवेश किया जा सकता था या कैपिटल गेन्स टैक्स बचाने के लिए सरकारी की ओर से तय प्रतिभूतियों में निवेश किया जा सकता था। अब 2024-25 के बजट में सरकार ने कैपिटल गेन्स टैक्स के नियमों में बदलाव कर दिया है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा था कि क्या अब 10 करोड़ रुपए तक के पूंजीगत लाभ को निवेश करने पर पर टैक्स चुकाना होगा?

टैक्स बचाने वाले साधनों में करें निवेश: बुधवार को इस पर स्पष्टीकरण देते हुए राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने कहा कि कैपिटल गेन्स पर रोलओवर बेनिफिट जारी रहेगा। 10 करोड़ रुपए तक के कैपिटल गेन को दोबारा प्रोपर्टी या टैक्स बचत वाले अन्य साधनों में निवेश करने पर टैक्स नहीं लगेगा।

इस तरह बचाएं इनकम टैक्स

1 ***बॉन्ड में निवेश:*** प्रॉपर्टी बेचने से हुई आय को अगर दोबारा प्रॉपर्टी में निवेश नहीं करना चाहते तो कैपिटल गेन्स टैक्स बचाने के लिए उस राशि को सरकारी बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। लेकिन प्रॉपर्टी बेचने के 6 महीने के अंदर बॉन्ड में निवेश करना होगा। इन बॉन्ड्स का लॉकइन पीरियड 5 साल होता है।

2 ***कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम:*** अगर आप कैपिटल गेन से नया घर या प्रॉपर्टी नहीं खरीद पाए हैं या इसे सरकारी बॉन्ड में निवेश करने की इच्छा नहीं है तो टैक्स बचाने के लिए इस राशि को सरकारी बैंकों के कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम (सीजीएएस) में जमा करा सकते हैं। आइटीआर फाइल करते वक्त सीजीएएस में जमा पैसे पर टैक्स छूट का दावा तकर सकते हैं।

3 ***नया मकान खरीदें:*** अगर नॉन-रेशिडेंशियल या कमर्शियल प्रॉपर्टी बेचने से लाभ हुआ है तो उस राशि से नया आवासीय मकान खरीदकर टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं।

4 ***नई प्रॉपर्टी खरीदें:*** मकान की बिक्री से हुए फायदे की राशि से नया घर खरीदकर कैपिटल गेन टैक्स बचा सकते हैं। नई प्रॉपर्टी पुरानी प्रॉपर्टी को बेचने से एक साल पहले या दो साल बाद भी खरीद सकते हैं।

पेज 1 का शेष

'भेदभाव' बना...

दरअसल, बजट को लेकर केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर है। बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को राज्यसभा में इस पर जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में बजट पर बहस शुरू हुई, जिसमें विपक्ष ने सरकार पर तीखे हमले बोले।

'यह बजट कुर्सी बचाने के लिए': नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा समेत किसी राज्य को कुछ नहीं मिला। यह बजट किसी को खुश करने और कुर्सी बचाने के लिए हुआ है। इंडिया गठबंधन संसद के अंदर और बाहर इसका विरोध करेगा।

'सबका नाम नहीं लिया जा सकता': निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा कि हर बजट में देश के हर राज्य का नाम लेने का मौका नहीं मिलता। कैबिनेट ने वडावन पर एक बंदरगाह स्थापित करने का निर्णय किया था, लेकिन बजट में महाराष्ट्र का नाम नहीं लिया गया।

शंभू बॉर्डर...

पीठ ने कहा कि समिति किसानों और अन्य हितधारकों की मांगों का व्यावहारिक समाधान निकाले, जो निष्पक्ष, न्यायसंगत और सभी के हित में हो। पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकार से एक सप्ताह के भीतर समिति के सदस्यों के लिए नाम सुझाने को कहा है। समिति किसानों से वार्ता करेगी।

देशभर में 15 अगस्त को ट्रैक्टर रैली : संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने कहा कि वे देशभर में मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। एमएसपी गारंटी, ऋण माफी, फसल बीमा, किसानों और खेतिहर मजदूरों की पेंशन, बिजली के निजीकरण को वापस लेने समेत अन्य मांगों को पूरा करने के लिए प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देशभर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। नए क्रिमिनल बिल की कॉपियां भी जलाएंगे।

किसानों व सरकार में विश्वास की कमी: सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि किसानों से बातचीत के लिए कुछ कदम उठाने होंगे। आप मंत्रियों को भेज रहे हैं। उनके नेक इरादों के बावजूद दोनों के बीच विश्वास की कमी है। कोर्ट ने इसी कमी को देखते हुए समिति का प्रस्ताव रखा है। कोर्ट ने कहा कि दोनों के बीच तटस्थ मध्यस्थ जरीरी है, जो किसानों और सरकार के बीच विश्वास पैदा कर सके। कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि एक सप्ताह में उचित निर्देश दिए जाएं। तब तक बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखें।

हरियाणा सरकार बॉर्डर खोलने को तैयार नहीं: सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बॉर्डर खोलने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होगी। शंभू बॉर्डर पर बख्तरबंद वाहन हैं। जेसीबी, ट्रॉलियों को वर्चुअल युद्ध टैंक में बदल दिया गया है। उन्होंने कुछ तस्वीरों का भी हवाला दिया।

जिला स्तर पर रिव्यू सिस्टम विकसित करने की जरूरत

जयपुर @ पत्रिका. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) नई दिल्ली, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च- नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फोर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआइआर) बेंगलूरु और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को स्वास्थ्य भवन में सरकारी और निजी अस्पतालों में मृत्यु के कारणों के चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया को मजबूती देने पर चर्चा की गई। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रविप्रकाश माथुर ने बताया कि दिल्ली एम्स के सेंटर ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन के दल ने जोधपुर और भरतपुर संभाग में इस विषय पर अध्ययन किया था।

होमगार्ड के स्थाईकरण कर सेवा नियम बनाने को लेकर ज्ञापन

नई दिल्ली @ पत्रिका. नेशनल होमगार्ड वेल्फेयर एसोसिएशन ने बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री संजय कुमार बांडी से मुलाकात कर होमगार्ड के स्थाईकरण कर सेवा नियम बनाने पर वार्ता की और ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के राष्ट्रीय चैयरमैन झलकन सिंह राठौड़ राजस्थान सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के महासचिव तेलांगना से राजशेखर, उपाध्यक्ष कमला शर्मा सहित अन्य राज्यों से आये पदाधिकारियों ने बांडी से अंग्रेजों के समय वर्ष 1946-47 और राज्य नियम अधिनियम में संशोधन कर होमगार्ड के स्थाईकरण कर सेवा नियम बनाने पर वार्ता की।

प्रमोटी अधिकारी सावधान... नियमानुसार ट्रेनिंग नहीं की तो छिन सकती आपकी पदोन्नति

जयपुर @ पत्रिका. राजस्थान पुलिस सेवा (आरपीएस) से भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) में पदोन्नत होने वाले अधिकारियों को केन्द्र ने चेताया है। पदोन्नत होने के बाद कई अधिकारियों ने तय समय में हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में प्रारम्भिक प्रशिक्षण नहीं लिया। केन्द्र ने सभी राज्यों को कहा कि नियमानुसार प्रशिक्षण नहीं करने तथा परिवीक्षा अवधि पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों को राज्य पुलिस सेवा में उनके मूल पद पर वापस भेजा जा सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के पत्र के बाद पुलिस मुख्यालय उसकी पालना में जुटा है। केन्द्र ने कहा कि आइपीएस (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नत आइपीएस की सेवा में पुष्टि (फिक्सेशन) होना जरूरी है। भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 5 के तहत पदोन्नत आइपीएस को परिवीक्षा अवधि में एसवीपीएनपीए में प्रारंभिक प्रशिक्षण करना जरूरी है।

रफ्तार पर सवार...कार को टक्कर मार पलटी एसयूवी

- **बजाज नगर मोड़ के पास हादसा**
- **एयर बैग्स खुलने से बचे कार सवार**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. बजाज नगर मोड़ के पास बुधवार रात एक एसयूवी ने ओटीएस चौराहे की तरफ से आ रही कार को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबर्दस्त था कि एसयूवी टक्कर मारने के बाद पलट गई। एयरबैग खुलने से कार सवार युवकों की जान बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाड़ियों को साइड में लगवाया। पुलिस ने बताया कि एसयूवी यूनिवर्सिटी की तरफ से आ रही थी। वहीं कार ओटीएस चौराहे की तरफ से आ रही थी। इसी दौरान एसयूवी ने बजाज नगर की तरफ मोड़ दिया जिससे वह कार से टकराने के बाद पलट गई। यातायात पुलिसकर्मियों ने बताया कि एसयूवी चालक ने लालबत्ती के दौरान ही गाड़ी को मोड़ दिया जिससे हादसा हुआ। हादसे के बाद एसयूवी में बैठे लोग भाग गए। वहीं कार चालक लालरपुरा निवासी अक्ष शर्मा के हाथ में चोट आई है।

पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024

भारत ने कभी ओलंपिक खेलों के एक संस्करण में 01 से ज्यादा गोल्ड नहीं जीता है

निशानेबाजी
मुक्केबाजी
एथलेटिक्स
इन 3 खेलों में बन सकते हैं चैंपियन

तीन स्वर्ण पदक जीत इतिहास रच सकते हैं भारतीय एथलीट

नई दिल्ली @ पत्रिका. क्या भारतीय एथलीट पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने जा रहे हैं? दरअसल, एक दिन पहले नीलसन ग्रेसनोट स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट में यह भविष्यवाणी की गई कि पेरिस ओलंपिक में भारत पदक तालिका में शीर्ष 30 में जगह नहीं बना पाएगा। लेकिन बुधवार को ग्रेसनोट की एक ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि पेरिस ओलंपिक में भारत तीन स्वर्ण पदक जीत सकता है। यदि यह दावा सही साबित हुआ तो यह भारत का ओलंपिक इतिहास में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा क्योंकि भारत कभी किसी एक ओलंपिक में एक स्वर्ण पदक से ज्यादा नहीं जीत सका है।

...लेकिन पिछली बार से दो पदक कम जीतने के आसार

रिपोर्ट में भले ही भारत के तीन स्वर्ण जीतने का दावा किया गया है लेकिन टोक्यो के मुकाबले भारत के कुल पदकों की संख्या कम रहेगी। इसके तहत, भारत पेरिस में कुल पांच पदक जीतेगा, जिसमें दो रजत पदक होंगे। वहीं, टोक्यो में भारत ने कुल सात पदक जीते थे।

मनु भाकर | लवलीना बोरगोहेन | नीरज चोपड़ा

ओलंपिक में भारत का अब तक का प्रदर्शन

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
हॉकी	08	01	03	12
शूटिंग	01	02	01	04
एथलेटिक्स	01	02	00	03
कुश्ती	00	02	05	07
बैडमिंटन	00	01	02	03
वेटलिफ्टिंग	00	01	01	02
मुक्केबाजी	00	00	03	03
टेनिस	00	00	01	01

35 पदक भारत ने *अब तक कुल जीते*

10 स्वर्ण, 09 रजत और 16 कांस्य पदक

भारतीय खिलाड़ी आज से आगाज करने उतरेंगे

दोपहर 1.00 बजे से जियो सिनेमा पर

- **महिला तीरंदाजी:** रैंकिंग राउंड
- **महिला टीम स्पर्धा:** रैंकिंग राउंड

इन खेलों में हमारी दावेदारी मजबूत...

रिपोर्ट के तहत, पेरिस ओलंपिक में भारत की दावेदारी एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और निशानेबाजी में मजबूत है। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीत सकते हैं।

1. लवलीना बदल सकती हैं कांस्य पदक का रंग

मुक्केबाजी 06 सदस्य

महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक में दूसरी बार शिरकत करने जा रही लवलीना ने 2023 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और 2022 एशियन गेम्स में रजत पदक जीता। वहीं, 50 किग्रा वर्ग में निखत जरीन दो बार की विश्व चैंपियन हैं। निखत व लवलीना स्वर्ण जीतने की दावेदार हैं।

2. मनु भाकर और सिफ्त कौर प्रबल दावेदार

निशानेबाजी 21 सदस्य

पिछले दो ओलंपिक गेम्स में भारतीय निशानेबाजी खाली हाथ लौटे लेकिन पेरिस में किस्मत बदल सकती है। पेरिस में भारत का निशानेबाजी में अब तक का सबसे बड़ा दल उतरा है। लगातार दूसरी बार ओलंपिक में उतर रही महिला निशानेबाज मनु भाकर से पदक की सबसे अधिक उम्मीद है। वहीं, पहली बार ओलंपिक में प्रतिनिधित्व कर रही सिफ्ट कौर सामरा शानदार फॉर्म के साथ पेरिस पहुंची हैं।

3. जेवलिन थ्रोअर नीरज गोल्ड की सबसे बड़ी उम्मीद

एथलेटिक्स 29 सदस्य

टोक्यो ओलंपिक खेल 2020 में नीरज चोपड़ा ने इतिहास रचते हुए भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण और डायमंड लीग में खिताब जीता। वह पेरिस में भारत को एकबार फिर स्वर्ण पदक दिला सकते हैं। ऐसा हुआ तो नीरज ओलंपिक इतिहास में दो स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे।

चिंताजनक: शहर को गंदगी से बचाने की कोशिश

पेरिस में 60 लाख चूहे... भगाने के लिए मशक्कत कर रहे सफाई कर्मचारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. पेरिस ओलंपिक खेलों की शुरुआत से पहले चूहे प्रशासन के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। दरअसल, पेरिस में चूहों की भरमार रहती है और प्रशासन नहीं चाहता कि ओलंपिक खेलों के दौरान ये चूहे यहां आने वाले दुनियाभर के खेलप्रेमियों को परेशान करें। साथ ही ये चूहे शहर की खूबसूरती में दाग लगा सकते हैं।

7500 कर्मचारी सफाई अभियान में लगे: ओलंपिक के दौरान सफाई और कूड़ा इकट्ठा करने का काम शहर के 7500 कर्मचारियों पर है। पिछले साल हड़ताल के कारण शहर की सड़कों पर 10,000 टन कचरा जमा हो गया था। इस बार ओलंपिक के दौरान काम करने वाले इन कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा।

खास रणनीति बनाई

- प्रशासन ने चूहों को दूर रखने के लिए खास रणनीति बनाई है। इसके तहत, सभी खेल स्थलों और जश्न मनाने के इलाकों का अच्छी तरह से निरीक्षण किया गया। ***जहां चूहों के रहने के ठिकाने मिले, वहां जाल लगाकर और केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है।***
- एफिल टावर के पीछे वाले पार्क, जहां बीच वॉलीबॉल के मुकाबले खेले जाएंगे और लूवर गार्डन, जहां ओलंपिक मशाल जलेगी- ***इन दोनों जगहों पर चूहों की भरमार रहती है। प्रशासन ने इन इलाकों को खासतौर से साफ करवाया है।***
- शहर में चूहे पकडने वाली ''स्मैश'' टीम ने भी पेरिस ओलंपिक खेलों की ***आयोजन समिति को खेल स्थलों को साफ और व्यवस्थित रखने के कई उपाय सुझाए हैं।***

सुरक्षा में चूक: स्टाफ सदस्य ने की थी गलती

न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग कैंप पर ड्रोन के लिए कनाडा ने माफी मांगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. कनाडा ओलंपिक कमेटी ने न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग कैंप के ऊपर ड्रोन उड़ाने के लिए माफी मांगी है। ये घटना सोमवार की है, जब न्यूजीलैंड महिला फुटबॉल टीम के ट्रेनिंग कैंप के ऊपर एक ड्रोन दिखाई दिया, जो कनाडा का था।

शिकायत कराई थी: कनाडा ने कहा कि उनकी फुटबॉल टीम के एक स्टाफ सदस्य की गलती से ये ड्रोन न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग कैंप के ऊपर चला गया था और इसके लिए वह माफी मांगते हैं। इससे पहले, न्यूजीलैंड ओलंपिक कमेटी ने इसे सुरक्षा में चूक माना था और इसकी शिकायत दर्ज कराई थी।

ओलंपिक के खास किस्से

अबेबे बिकिला: गोल्ड जीतने वाले पहले अफ्रीकी अश्वेत एथलीट

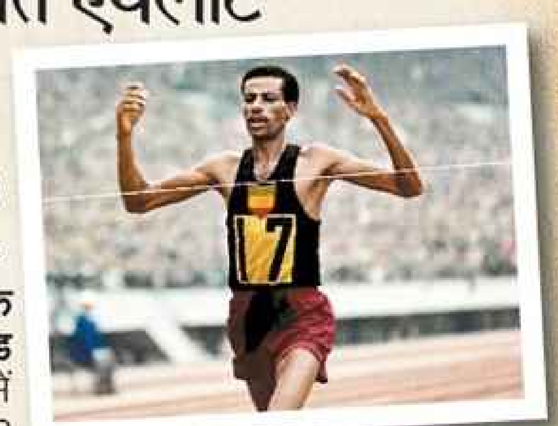
1960 ओलंपिक में फिनिशिंग लाइन पार करते अबेबे।

02 ओलंपिक गोल्ड मैराथन में जीते, 1960 व 1964 में

बात 1960 रोम ओलंपिक खेलों की है, उस दिन शहर की सड़कों पर शाम से ही दर्शकों की भीड़ जमा थी। सड़क के दोनों ओर इटली के सैनिक मशाल लिए खड़े थे और इथोपियाई धावक अबेबे बिकिला लाल साटन शॉर्ट्स और काली बनियान में फिनिश लाइन की ओर तेजी से दौड़ रहे थे। फिनिशिंग लाइन पार करते ही बिकिला ने इतिहास रच दिया और वह ओलंपिक गोल्ड जीतने वाले अफ्रीका के पहले अश्वेत धावक और पहले इथोपियाई एथलीट बन गए।

संघर्ष की मिसाल...

नंगे पांव दौड़ पूरी की: बिकिला ने मैराथन दौड़ नंगे पांव पूरी की थी। दरअसल, बिकिला के दौड़ने के जूते घिस गए थे और उन्हें डर था कि नए जूते पहनने से उनके पैरों में छाले पड़ जाएंगे। इसलिए उन्होंने नंगे पैर दौड़ने का फैसला किया था।

चरवाहे के बेटे थे: बिकिला का जन्म 1932 में इथियोपिया के जाटो नामक गांव में हुआ था। उनके पिता चरवाहे थे। युवावस्था में, राजधानी अदीस अबाबा में स्थानांतरित होने के बाद बिकिला देश के इंपीरियल गार्ड में शामिल हो गए। यहां स्वीडिश कोच ओनी निस्कानेन ने उनकी एथलेटिक प्रतिभा को देखा था।

शीतकालीन ओलंपिक

फ्रेंच एल्प्स व साल्ट लेक को मेजबानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने बुधवार को 2030 और 2034 शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के मेजबान देशों की घोषणा कर दी है। आइओसी ने फ्रांस के फ्रांसीसी एल्प्स को 2030 के लिए शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी दी है। फ्रांस 1992 के बाद पहली बार इन खेलों की मेजबानी करेगा। वहीं, अमरीका के यूटा प्रांत की राजधानी साल्ट लेक सिटी 2034 में शीतकालीन व पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। आखिरी बार साल्ट लेक ने 2002 में इन खेलों की मेजबानी की थी।

चर्चा में चेहरा

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के बीच सगाई

मेलबर्न. इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर एमी जोन्स और ऑस्ट्रेलिया की पिएपा क्लेरी ने सभी को चौंकाते हुए सगाई कर ली है। दरअसल, इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट मैदान पर हमेशा कड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है। लेकिन दोनों क्रिकेटरों ने सगाई की घोषणा करते हुए सभी को चौंका दिया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबे समय से अफेयर चल रहा था। दोनों ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को सगाई की जानकारी दी। दोनों ने एक समारोह में एक-दूसरे को सगाई की अंगूठी पहनाई। ये दोनों खिलाड़ी फिलहाल इंग्लैंड में काफी समय से एक-साथ रहती हैं।

पिएपा क्लेरी और एमी जोन्स (दाएं)।

ओलंपिक फुटबॉल: मोरक्को के साथ अपना पहला मुकाबला 2-2 से ड्रॉ खेला

क्रिस्टियन ने अर्जेंटीना को हार से बचाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. क्रिस्टियन मेडिना के इंजुरी टाइम में किए गए शानदार गोल से दो बार की पूर्व चैंपियन अर्जेंटीना ने पेरिस ओलंपिक के अपने पहले मैच में मोरक्को के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। मोरक्को ने सोफियन राहिमी के दो गोल (45वें और 49वें मिनट) की बदौलत 2-0 की बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना के लिए गुइलियानो सिमोन ने 68वें मिनट में पहला जबकि दूसरा गोल क्रिस्टियन मेडिना ने 116वें मिनट में दागा।

बुधवार को मोरक्को के खिलाफ गोल करने के बाद अर्जेंटीना के क्रिस्टियन।

पांच ऑस्ट्रेलियाई वाटर पोलो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव : **पेरिस.** ऑस्ट्रेलिया की पांच महिला वाटर पोलो खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक टीम चीफ एन्ना मीरेस ने कहा, टीम का कोविड परीक्षण किया जा रहा है और सभी प्रोटोकॉल का पालन भी किया जा रहा है।

आज का पोल

क्या भारतीय एथलीट पेरिस ओलंपिक में तीन स्वर्ण पदक जीत सकते हैं?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

बुधवार का जवाब

हां 70% नहीं 30%

पिछला सवाल: क्या पेरिस ओलंपिक में अमरीकी एथलीट सबसे अधिक पदक जीतेंगे?

खुलासा // तेज गेंदबाज ने कहा था, देश के साथ विश्वासघात का आरोप किसी भी हाल में नहीं सह सकता

फिक्सिंग के आरोप लगे तो आत्महत्या करने वाले थे शमी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपने करियर में कई मुश्किलों का सामना किया है। उत्तर प्रदेश निवासी 33 वर्षीय शमी को अपनी पत्नी हसीन जहां से तलाक लेना पड़ा, जिन्होंने घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। हालांकि उन्हें इन आरोपों से मुक्त कर दिया गया था। हाल ही में शमी के नजदीकी दोस्त उमेश कुमार ने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि एक वक्त ऐसा भी आया, जब शमी आत्महत्या करने के बारे में सोचने लगे थे क्योंकि वह अपने ऊपर लगे मैच फिक्सिंग के आरोपों को सहन नहीं कर पा रहे थे।

448 विकेट अब तक मोहम्मद शमी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल चटकाए हैं

पाकिस्तान से मैच के बाद हुई थी जांच

शमी के दोस्त उमेश ने कहा, साल 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए एक मैच के बाद शमी पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगे थे और उनके खिलाफ जांच शुरू हो गई थी। यह उनके लिए सबसे मुश्किल दौर था। इन आरोपों से वह टूट गए थे। उस दौरान शमी ने कहा, मैं सब कुछ बर्दाश्त कर सकता हूं, लेकिन देश के साथ विश्वासघात का आरोप सहन नहीं कर सकता।

19वें फ्लोर की बालकनी पर खड़े थे

उमेश ने शमी की मानसिक दशा पर बात करते हुए कहा, मुझे आज भी वो दिन अच्छे से याद है। सुबह के करीब चार बज रहे होंगे, जब मैं पानी पीने के लिए जगा। मैं किचन की ओर बढ़ा तभी देखा कि शमी बालकनी में खड़े है। यह 19वां फ्लोर था, जहां हम रह रहे थे। मैं समझ गया कि क्या हो रहा है और क्या चल रहा है। मैंने महसूस किया कि वह रात शमी की सबसे लंबी रात थी।

उमेश ने कहा, एकदिन, हम बातचीत कर रहे थे तभी शमी के फोन पर मैसेज आया कि उन्हें फिक्सिंग के आरोपों से क्लीन चिट मिल गई है। वह शमी की जिंदगी का बहुत खास दिन था।

जल्द ही मैदान पर वापसी संभव

टखने की चोट से उबरने के बाद मोहम्मद शमी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की जद्दोजहद में जुटे हुए हैं। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह फिट हैं और गेंदबाजी की तैयार शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करते हुए शमी ने हाल ही में लिखा, हाथ में गेंद और दिल में जुनून, खेल को पलटने के लिए तैयार हूं। शमी नवंबर 2023 में खेले गए आइसीसी वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं।

श्रीलंका को झटका

दुष्मंथा चमीरा पूरी सीरीज से हुए बाहर

कोलंबो @ पत्रिका. भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज शुरू होने से पहले ही श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा चोट की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट जल्द ही उनके स्थान पर अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा करेगा। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक, असिथा फर्नांडो को चमीरा के स्थान पर टीम में शामिल किया जा सकता है। टीम के मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि उनकी टीम इस सीरीज को लेकर उत्साहित है।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7055...

बाएं से दाएं... 1. पथ मार्ग (2), 3. भयभीत, अधीर (3), 5. अल्प, थोड़ा (2), 7. डाकिया (4), 9. इच्छा, अभिलाषा (4), 10. लाव-लश्कर के साथ, पूर्ण साजो सामानों के साथ (4), 12. पेंदा (2), 14. धैर्यवान, बर्दाश्त करने वाला (3-2), 16. भगिनी (3), 19. राजपत्र (3), 20. द्रव पदार्थ, बहने वाला पदार्थ (3), 22. रहस्य, मर्म (2), 24. एकत्र, इकट्ठा (2), 25. जागरूकता, सतर्कता (4), 27. चिंतन, सोचना (3), 28. समीर, अनिल (2), 29. महाशय, महोदय (4)

ऊपर से नीचे... 1. आराम, सहायता, चैन (3), 2. प्रत्येक, शिव (2), 3. जेल में रहने का दंड (4), 4. दयालु, कृपालु, ईश्वर (4), 5. हथेली, ताली (4), 6. गजल का पहला शेर जिसके दोनों मिसले सानुप्रास होते हैं, को कहते है (3), 8. अवधि, समय, मृत्यु (2), 11. कष्ट, परेशानी (4), 13. केवल, सिर्फ (3), 15. ठंडा (3), 16. कांख, पड़ोस, पास (3), 17. श्रीकृष्ण, नटों में प्रधान (2-2), 18. अवज्ञा, नाफरमानी (5), 21. बचाव (2), 23. स्थान (3), 24. लोग (2), 25. एक और चौथाई (2), 26. मुकुट, किरीट (2), 27. राय, वोट (2)

हल 7054

SUDOKU 6790...

				1	3			
5	3			4	7			
8								
3		1			5	4		
							8	
	2					9		
		6				5		
							4	
		4	2	9		8		6

हल 6789

6	9	2	5	1	7	4	8	3
5	3	7	4	6	8	1	2	9
1	4	8	9	2	3	7	6	5
2	6	9	1	3	4	8	5	7
7	1	4	6	8	5	9	3	2
8	5	3	2	7	9	6	1	4
4	8	6	7	5	2	3	9	1
3	7	5	8	9	1	2	4	6
9	2	1	3	4	6	5	7	8

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

पत्रिका पोल

Q कमला हैरिस अमरीका की राष्ट्रपति बनती हैं तो क्या प्रवासी भारतीयों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा?

कल का सवाल था

क्या केंद्रीय बजट में आयकर में प्रदान की गई छूट से मध्यम आय वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा?

जवाब

28% हां 72% नहीं

स्कैन करें...

तमिलनाडु कर्ज: महिला ने दो बच्चों संग दी जान

तिरुचिरापल्ली @ पत्रिका. यहां 32 वर्षीय महिला व उसके दो नाबालिग बच्चे घर की छत से लटके हुए पाए गए। मृतकों की पहचान के. कीर्तिका, उसके बेटे के.गोकुलनाथ (14) और बेटी के.साई नंदिनी (11) के रूप में हुई है। संदेह है कि कीर्तिका ने पहले अपने बच्चों को नींद की गोलियां खिलाई और बाद में उनको घर की छत से लटकाकर अपनी भी जीवन लीला समाप्त कर ली। कीर्तिका का पति कृष्णमूर्ति एक चावल मिल में कुली मजदूर है और परिवार गंभीर वित्तीय संकट में है।

कर्नाटक कलबुर्गी हत्या मामला, दो को बेल

बेंगलूरु @ पत्रिका. कर्नाटक हाईकोर्ट ने कन्नड़ लेखक एमएम कलबुर्गी की 2015 में हुई हत्या के मामले में आरोपी वासुदेव भगवान सूर्यवंशी और अमित बद्दी को जमानत दे दी। जस्टिस एमजी उमा ने कहा कि हत्या के मामले में उनकी संलिप्तता का कोई प्रथम दृष्टया सबूत नहीं है। चोरी का मामला भी कई साल पहले सुलझा लिया गया था। दोनों पर हत्यारों द्वारा इस्तेमाल किए गए दोपहिया वाहन को चुराने का आरोप है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता की हत्या

सारंगढ़ @ पत्रिका. सारंगढ़ जिले के सिंगापुर गांव में कांग्रेस नेता हरिनाथ पटेल की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महाराष्ट्र सांगली जिले में भूकंप के झटके

सांगली @ पत्रिका. सांगली जिले में चंदोली सिंचाई बांध क्षेत्र में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सिंचाई विभाग के अनुसार भूकंप बुधवार सुबह 4.47 बजे आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.0 मापी गई। किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

द. कोरिया राष्ट्रपति भवन पर गिरे कचरा बलून

सोल @ पत्रिका. उत्तर कोरिया द्वारा भेजे गए कचरे भरे गुब्बारे बुधवार को दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति भवन पर गिरे। जिसके बाद दक्षिण कोरिया को प्रोपगेंडा वॉर के मद्देनजर रासायनिक प्रतिक्रिया दलों को तैनात करना पड़ा। रासायनिक, जैविक और रेडियोलॉजिकल (युद्ध) प्रतिक्रिया दल ने कचरे के गुब्बारों को सुरक्षित रूप से एकत्र कर लिया है। जांच के बाद पुष्टि हुई है कि इनसे किसी तरह का प्रदूषण नहीं फैला है।

अमरीका हाइड्रोथर्मल विस्फोट से फैली दहशत

अमरीका के दक्षिणी मोंटाना और पूर्वी इडाहो में स्थित यलोस्टोन नेशनल पार्क के बिस्किट बेसिन एरिया में बुधवार को अंडरग्राउंड हाइड्रोथर्मल विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। लोग घबराकर भागने लगे। ऐसे विस्फोट पानी के अचानक भूमिगत भाप में बदलने से होते हैं।

फ्रांस ऑस्ट्रेलियाई महिला से गैंग रेप

पेरिस @ पत्रिका. ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह से कुछ दिन पहले ही एक ऑस्ट्रेलियाई महिला के साथ कथित तौर पर पांच अफ्रीकी लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। स्थानीय मीडिया ने यह मामला उजागर करते हुए बताया है कि यह घटना शुक्रवार और शनिवार के बीच हुई थी। घबराई हुई महिला भागते हुए एक स्थानीय रेस्तरां में घुस गई और अपनी आपबीती बताई। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है।

न्यूजीलैंड न्यूजीलैंड के पीएम मांगेंगे माफी

वेलिंगटन @ पत्रिका. एक सरकारी जांच में पाया गया है कि 1950 से 2019 तक के 70 वर्ष में सरकारी और धार्मिक केयर सेंटर में लगभग 2,00,000 बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार हुआ है। सरकार को अरबों डॉलर का मुआवजा देना पड़ सकता है। न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने खेद जताते हुए कहा कि यह एक काला और दुखद दिन है। हम 12 नवंबर को आधिकारिक माफी मांगेंगे।

मेक्सिको फैक्ट्री में विस्फोट, 5 की मौत

ग्वाडलजारा @ पत्रिका. मेक्सिको में जोस क्यूर्वो टकीला बनाने वाली एक फैक्ट्री में हुए विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग फैक्ट्री के कर्मचारी हैं। पुलिस के अनुसार दो अन्य घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि विस्फोट का कारण क्या था, कंपनी ने कहा कि यह विस्फोट रखरखाव कार्य के दौरान हुआ। विस्तृत जांच की जा रही है।

पाकिस्तान: सातवीं जनगणना से हुआ खुलासा

हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह, आबादी 38 लाख

इस्लामाबाद @ पत्रिका. पाकिस्तान में हिंदुओं की संख्या में 6 साल में तीन लाख का इजाफा हुआ है। वर्ष 2017 में इनकी आबादी 35 लाख थी, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 38 लाख हो गई है। इसी के साथ हिंदु समुदाय इस्लामी राष्ट्र में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय बन गया है।

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने हाल ही 7वीं जनसंख्या व आवास जनगणना 2023 के परिणाम जारी किए। रिपोर्ट के अनुसार देश की कुल आबादी 24 करोड 4 लाख 58 हजार 89 है। मुसलमानों की हिस्सेदारी 96.47% से कम होकर 96.35% हो गई है। वहीं सभी प्रमुख धार्मिक अल्पसंख्यकों की जनसंख्या में वृद्धि बताई गई है।

देश में तलाकशुदा आबादी घटी

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, तलाकशुदा आबादी का प्रतिशत 2017 में 0.42 प्रतिशत से घटकर 2023 में 0.35 प्रतिशत रह गया। दिलचस्प बात यह है कि हिंदुओं की आबादी बढ़ने के बावजूद कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 1.73 से घटकर 1.61 प्रतिशत रह गई है। ईसाइयों की आबादी भी 26 लाख से बढ़कर 33 लाख हो गई। कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 1.27 से बढ़कर 1.37 प्रतिशत हो गई। सिख समुदाय की जनसंख्या 15 हजार 998 और पारसी समुदाय की जनसंख्या 2 हजार 348 बताई गई है।

अमरीकी चुनाव : नए माहौल से ट्रंप खेमे में खलबली

भारतवंशी कमला हैरिस के बढ़ते कदम, दो दिन में ही बदली हवा

विस्कॉन्सिन प्रांत में चुनावी अभियान के दौरान एक स्कूल में कमला हैरिस

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव 2024

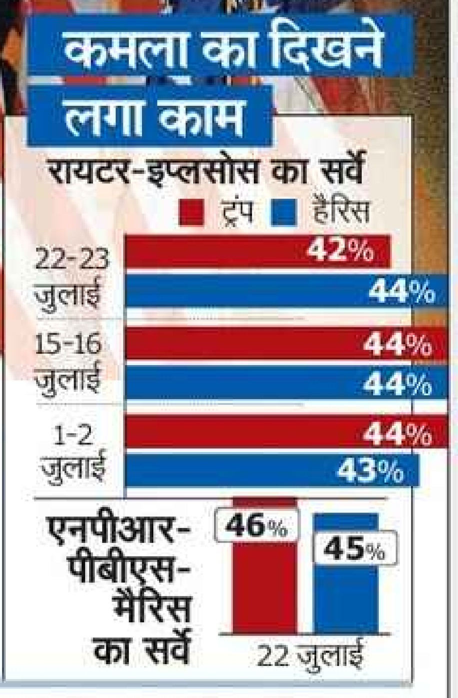

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. अमरीका में 2024 के चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की अग्रणी दावेदार कमला हैरिस ने चुनावी दौड़ में शामिल होने के दो दिन के भीतर ही चुनावी माहौल बदल दिया है। हैरिस के आने के बाद से ही न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी को रेकॉर्ड चुनावी चंदा मिला है, बल्कि पार्टी के कार्यकर्ता भी जोश में हैं। हैरिस की एंट्री के बाद से 60000 लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए स्वयंसेवक के रूप में दर्ज कराया है। सर्वेक्षणों में भी इसका असर दिख रहा है। बुधवार को सामने आए इप्सोस-रायटर के सर्वे में कमला को ट्रंप पर दो फीसदी की बढ़त मिली है। जबकि इसके पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन सर्वेक्षणों में लगातार पिछड़ रहे थे। कमला के आते ही डेमोक्रेटिक पार्टी पहली बार बढ़त पर है। कमला की इस बढ़त से घबराकर अब ट्रंप खेमे ने चुनाव आयोग की शरण ली है। ट्रंप खेमे का कहना है कि हैरिस को बाइडन के चुनावी अभियान के फंड का उपयोग करने से रोका जाए।

ट्रंप खेमे ने बढ़त को बताया तात्कालिक

ट्रंप के अभियान ने हैरिस की बढ़त को महत्वपूर्ण नहीं बताया। ट्रंप खेमे के लिए सर्वेक्षणकर्ता टोनी फैब्रीजियों का कहना है कि हैरिस की लोकप्रियता में हो रही वृद्धि नए उम्मीदवार के आने से आने वाला उछाल है, जो कुछ समय के लिए ही होगा।

उम्र के मुद्दे पर पलटा पासा, बैकफुट पर ट्रंप

रायटर के सर्वे के अनुसार 56 % मतदाता 59 वर्षीय हैरिस को मानसिक रूप से तेज, चुनौतियों से निपटने में सक्षम मानते हैं, जबकि 78 वर्षीय ट्रंप के बारे में 49 % मतदाताओं की ही यह राय है। वहीं, केवल 22% मतदाता ही बाइडन के बारे में यह सोचते थे।

क्लिंटन ही नहीं, जर्मन चांसलर को भी भरोसा

पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भरोसा जताया है कि ट्रंप को हैरिस हरा देंगी। क्लिंटन ने कहा, कमला पर सवाल उठाने वाले उन्हें कम आंक रहे। वहीं जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने भी कमला को अनुभवी, काबिल बताते हुए कहा कि वे चुनाव जीत सकती हैं।

प्रदर्शन

पुलिस लाठीचार्ज में युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास की धुनाई

पटना @ पत्रिका. बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को विधानसभा घेरने जा रहे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं को जमकर पीटा गया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास भी इस दौरान पीटे गए। लाठीचार्ज में कई कांग्रेसी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर बांड भरवाकर छोड़ दिया। दरअसल, बिहार में अपराध बढ़ने का आरोप लगाते हुए युवा कांग्रेस ने विधानसभा घेरने का ऐलान किया था। पुलिस बोरिंग रोड चौराहा के पास प्रदर्शनकारियों को वापस जाने के लिए समझा रही थी। तभी बैरिकेडिंग तोड़कर भीड़ आगे बढ़ने लगी। पुलिस पर भी पत्थर भी फेंके, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हुए।

बजट सत्र: रणनीति के साथ बढ़ रहे आगे

आंध्र-बिहार को तरजीह के मुद्दे को धार देगा विपक्ष, देशव्यापी तैयारी

शादाब अहमद
patrika.com

नई दिल्ली. महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड के विधानसभा चुनाव की तैयारियां का असर बजट सत्र में दिखने लगा है। बजट में दो राज्यों के अलावा अन्य राज्यों की उपेक्षा को कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के दलों के साथ मिलकर बड़ा मुद्दा बना दिया है। साथ ही रणनीति के तहत बजट बहस की शुरुआत हरियाणा व महाराष्ट्र की दलित महिला नेताओं से करवा कर सरकार को घेरने का प्रयास भी किया।

दरअसल लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित कांग्रेस सहयोगी दलों के साथ मिलकर महाराष्ट्र व हरियाणा में वापसी का रास्ता तलाश रही हैं। यही वजह है कि पार्टी ने चुनावी तैयारियों के हिसाब से बजट सत्र में रणनीति अपनाई है। बजट आने के बाद से अब तक कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव), जेएमएम समेत अन्य दल केन्द्र सरकार पर उनके राज्यों की उपेक्षा का गंभीर आरोप लगा चुके हैं।

भाजपा पर चौतरफा हमला

राज्यसभा व लोकसभा में कांग्रेस, टीएमसी, सपा ने भाजपा पर चौतरफा हमला बोला है। कांग्रेस की ओर से दलित वर्ग की सांसद कुमारी शैलजा ने बजट बहस की शुरुआत की। उन्होंने हरियाणा को ध्यान में रखकर अग्निवीर योजना को समाप्त करने समेत कमजोर वर्ग की छात्रवृत्ति बंद होने जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरा। वहीं शशि थरूर ने कहा कि शिक्षा का बजट घटाकर 1.2 लाख करोड़ रुपए करने का मुद्दा उठा दिया।

सड़क से संसद तक करेंगे विरोध... बजट में भेदभाव के मुद्दे पर कांग्रेस देशभर में प्रदर्शन की तैयारी भी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा है कि इस मुद्दे पर सड़क से संसद तक विरोध किया जाएगा।

निशानियां: रूस के हमलों में अब तक मारे गए 487 यूक्रेनी एथलीट

लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर में ब्रिटेन सरकार द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी के सामने पोज देती हुई यूक्रेन की पूर्व रेसलर रोक्साना राखरा। प्रदर्शनी में खेल उपकरणों के जरिए उन एथलीटों को याद किया गया है जिनकी जान रूस के आक्रमण के कारण चली गई है। इस संघर्ष में 487 यूक्रेनी एथलीटों की जान जा चुकी है।

पत्रिका एक्सप्लेन

हादसों की वजह क्यों बनते हैं टेबलटॉप रन-वे

नेपाल के काठमांडू एयरपोर्ट पर बुधवार को हुई विमान दुर्घटना में 18 लोगों की मौत ने एक बार फिर दुनियाभर के टेबलटॉप रन-वे वाले एयरपोर्ट की ओर ध्यान आकर्षित किया है। त्रिभुवन एयरपोर्ट सहित नेपाल में सात जगहों पर ऐसे जोखिमभरे टेबलटॉप रन-वे है, वहीं भारत में इनकी संख्या पांच है। दुनियाभर में ऐसे 32 एयरपोर्ट हैं। एयरपोर्ट के टेबलटॉप रन-वे और इससे जुड़े जोखिमों पर एक नजर...।

क्या होते हैं टेबलटॉप रनवे?

टेबलटॉप रन-वे आस-पास के इलाके की तुलना में ऊंचाई पर यानी पठार पर स्थित होते हैं। इसका मतलब है कि रन-वे के एक या एक से ज्यादा तरफ ढलान बहुत ज्यादा होती है, ऐसे में अगर विमान रन-वे से आगे निकल जाता है, तो वह सीधा नीचे गिरेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि टेबलटॉप रन-वे पर लैंडिंग इसलिए भी मुश्किल होती है क्योंकि वे पायलटों के लिए निचाई और पठार के बीच एक ऑप्टिकल भ्रम पैदा करते हैं।

हमारे देश में कहां-कहां हैं ऐसे रन-वे?

कर्नाटक में मेंगलूरू, केरल में कोझीकोड, मिजोरम में लेंगपुई, हिमाचल में शिमला और कुल्लू और सिक्किम में पाकयोंग। कोझीकोड में 7 अगस्त, 2020 को कोरोना से फंसे भारतीयों को दुबई से लाने के लिए वंदे भारत मिशन का हिस्सा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रन-वे से फिसल गया, 19 यात्रियों व दोनों पायलटों की मौत हो गई। 22 मई, 2010 को दुबई से मेंगलूरू जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान मेंगलूरू एयरपोर्ट पर क्रैश हो गया, छह क्रू सदस्यों सहित 158 यात्री मारे गए थे।

बचाव के लिए क्या करता है भारत?

देश का नागरिक उड्डयन नियामक (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टेबल-टॉप हवाई अड्डों की समय-समय पर समीक्षा करता है। 2022 में, डीसीजीए के एक अधिकारी ने बताया था कि समीक्षा के पीछे का उद्देश्य किसी भी अप्रत्याशित घटना को रोकना और इन हवाई अड्डों पर लैंडिंग को कम चुनौतीपूर्ण बनाने के तरीकों की तलाश करना है। टेबलटॉप रन-वे पर जगह कम होती है और लैंडिंग के दौरान गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होती।

प्रस्तुति: **अमित पुरोहित**

मध्यप्रदेश: पन्नी के सहारे देश का भविष्य

बैतूल (मप्र). जिला मुख्यालय के सरकारी स्कूल में बारिश से बचाव की जिम्मेदारी प्लास्टिक पन्नी पर! एक कमरे में पढ़ते पांच कक्षाओं के बच्चे।

केन्द्रीय मंत्री व राष्ट्रीय नेताओं को जिम्मेदारी

बजट का प्रचार करेगी मोदी सरकार, दूर करेगी विपक्ष के फैलाए भ्रम

भवनेश गुप्ता
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्रीय बजट पर विपक्ष के हमले का जवाब देने की भाजपा ने तैयारी कर ली है। आम बजट के प्रचार-प्रसार के साथ विपक्ष के आरोपों से फैल रही भ्रांतियां दूर करने के लिए पार्टी अपने नेताओं को राज्यों में भेज रही है। इसके लिए केन्द्र सरकार के मंत्रियों, भाजपा के पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इस टीम के सदस्य 27 और 28 जुलाई को देश के अलग-अलग शहरों में जाएंगे।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा अलर्ट मोड पर है। भाजपा अब विपक्ष के किसी भी आरोप को जनता के बीच माहौल बनाने नहीं देना चाहती है। यही वजह है कि बजट में दो राज्यों के अलावा अन्य राज्यों को कुछ नहीं मिलने के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब दिया जाएगा। इसके लिए राज्यों में जाने वाले नेताओं को संबंधित राज्यों के आंकड़ों भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यह नेता मीडिया से संवाद के अलावा बौद्धिक सम्मेलन में भी शामिल होंगे। शहरों में पहुंचने से पहली सोशल मीडिया पर बजट की प्रमुख बातें इंफोग्राफिक के जरिए पोस्ट करने के लिए भी कहा गया है। पार्टी ने इस कार्य के लिए तीन नेताओं की समन्वय बनाई है। इसमें अरुण सिंह, गोपाल कृष्ण और राधा मोहन अग्रवाल शामिल हैं।

यहां इन मंत्रियों को जिम्मेदारी

- **जम्मू:** अर्जुनराम मेघवाल, विधि मंत्री
- **कोलकाता:** गजेन्द्र सिंह शेखावत, पर्यटन मंत्री
- **जयपुर:** मनोहरलाल खट्टर, आवास एवं शहरी मामलात मंत्री
- **कोटा :** कृष्णपाल गुर्जर, सहकारिता राज्य मंत्री
- **बीकानेर:** अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास मंत्री
- **उदयपुर:** सी.आर. पाटिल, जलशक्ति मंत्री
- **अजमेर:** भागीरथ चौधरी, कृषि राज्य मंत्री
- **जोधपुर:** गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता

ट्रेंडिंग न्यूज

इमरान ने नहीं दिया पॉलीग्राफ टेस्ट

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने जेल पहुंची फॉरेंसिक टीम को पॉलीग्राफ व वॉयस मैचिंग टेस्ट देने से मना कर दिया। इमरान पर पिछले साल 9 मई को हुई हिंसा को लेकर आरोप हैं।

ओलंपिक होने तक देश में नई सरकार नहीं

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि देश में 11 अगस्त तक ओलंपिक के दौरान मध्यमार्गी कार्यवाहक सरकार ही कामकाज संभालेगी। मैक्रों ने इस अरसे में वामपंथी दल के नेतृत्व में सरकार गठन की संभावनाओं को खारिज कर दिया।

ब्रिटिश विदेश मंत्री लैमी पहुंचे भारत

ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी बुधवार को भारत पहुंच गए। लेबर पार्टी की सरकार बनने के बाद से ब्रिटेन के विदेश मंत्री का पहली विदेश यात्रा पर भारत आना नई सरकार की बदली हुई प्राथमिकताओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

एलोवेरा की नैनो कोटिंग से 25 दिनों तक ताजा रहेंगी फल-सब्जियां

नगेन्द्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. फल और सब्जी के जल्द खराब होने की समस्या से जूझने वाले किसान और व्यापारियों के लिए एक खुश खबर आई है।

गांधीनगर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन (आईआईटीई) के एमएससी-एमएड के विद्यार्थियों की टीम ने शोध में पाया कि एलोवेरा (ग्वारपाठा) की एडिबल नैनो कोटिंग करने पर सब्जी और फल 25 दिनों तक खराब नहीं होते हैं। यह ताजे रहते हैं। इनका रंग नहीं जाता। इनका स्वाद भी प्रभावित नहीं होता। अहम बात यह है कि इसमें न तो कोई केमिकल है, न ही वैक्स है। यह प्राकृतिक उत्पाद होने के चलते स्वास्थ्य के अनुकूल है। भारत में 30-40 फीसदी फल-सब्जियां जल्द खराब हो जाती हैं। ऐसे स्थिति में यह खोज काफी अहम मानी जा रही है।

आइआइटीई के लाइफ साइंस के एसोसिएट प्रो.डॉ.मेहुल दवे के मार्गदर्शन में एमएससी-एमएड के छात्र यशवंत वाणिया, व्रज पारगी और राहुल वंजारा ने यह महत्त्वपूर्ण शोध किया है। इसमें डॉ.भानू सोलंकी के मार्गदर्शन में ये विद्यार्थी अपनी इस शोध का पेटेंट प्राप्त करने के साथ इस क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने में जुटे हैं।

कोटिंग में कैंसर से लड़ने की क्षमता

एलोविरा एडिबल नैनो कोटिंग के जरिए फल और सब्जी के रंग, स्वाद और एंटी ऑक्सीडेंट में भी वृद्धि देखी गई है। इस कोटिंग में कैंसर से लड़ने की क्षमता पाई गई है। फल का शुगर लेवल, प्रोटीन, फिनोल व नमी भी वैक्स कोटिंग की तुलना में बेहतर है। इसकी कोटिंग फलों को नमी, सूर्य के प्रकाश, सूक्ष्म जीवाणुओं से बचाती है।

आइआइटीई संस्थान परिसर स्थित संजीवनी मेडिसनल पार्क में उगाया गया एलोवेरा व प्रोफेसर के साथ शोध छात्र।

किसानों-व्यापारियों को आर्थिक लाभ होगा

फल और सब्जियों को तोड़ने के बाद उनका बेहतर संग्रह, देख-रेख नहीं होने के चलते भारत में 30-40 फीसदी उत्पादन जल्द खराब हो जाता हैं। विश्व में यह आंकड़ा 35-54 फीसदी है। शोध इन्हें तरोताजा बनाए रखने व खराब होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे किसानों और व्यापारियों को काफी आर्थिक लाभ होगा।

टमाटर, शिमला मिर्च पर प्रयोग... विद्यार्थियों ने संस्थान परिसर स्थित संजीवनी मेडिसनल पार्क में ही एलोवेरा उगाया। इस एलोवेरा के एडिबल नैनो कोटिंग को टमाटर, शिमला मिर्च और बैंगन पर प्रयोग किया। इसमें पाया गया कि जिन टमाटर, शिमला मिर्च व बैंगन पर इसकी नैनो कोटिंग की गई थी उनकी सेल्फ लाइफ अपेक्षाकृत गैर नैनो कोटिंग वाले सब्जियों से 25 दिन तक अधिक रही।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन। सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''